THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 305 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.13 2080 मंगलवार, 23 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम का भाषण राम-राम से शुरू, जय सियाराम पर खत्म

35 मिनट बोले, कहा-कुछ तो कमी थी, जो सदियों तक मंदिर न बन पाया

अयोध्या, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सोमवार को पूरा हो गया। मोदी बतौर मुख्य यजमान हल्के पीले रंग की धोती और कुर्ता पहनकर 12 बजे मंदिर परिसर में पहुंचे। उनके हाथ में एक थाली थी, जिसमें श्रीरामलला का चांदी का छत्र था। संकल्प के साथ प्राण प्रतिष्ठा की विधि 12 बजकर 5 मिनट पर शुरू हुई, जो 1 घंटे से ज्यादा समय तक चली। प्रधानमंत्री ने भगवान की आरती कर चंवर डुलाया। मुख्य पुजारी सत्येन्द्र दास से कलावा बंधवाया और उनके पैर छुए। इसके बाद उन्होंने श्रीरामलला की परिक्रमा की और साष्टांग प्रणाम किया। उन्होंने राम जन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के भी पैर छुए। पीएम ने अपना 11 दिन का व्रत भी तोड़ा। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पीएम ने लोगों को संबोधित किया। 35 मिनट की स्पीच पीएम ने राम-राम से शुरू की और जय सियाराम पर खत्म किया। उन्होंने देशवासियों को बधाई दी और कहा, कुछ तो कमी थी जो मंदिर बनने में सदियां लग गईं। ये राम मंदिर भारत के उत्कर्ष-उदय का साक्षी बनेगा।

❊ मंदिर बनने पर : आज की तारीख हजारों साल याद रखी जाएगी

मोदी बोले, रामलला अब टेंट में नहीं, दिव्य मंदिर में रहेंगे। राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं, बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। लोग इसे हजारों साल याद करेंगे।

❊ कोर्ट के फैसले पर : न्यायपालिका ने लाज रख ली

पीएम ने कहा, मैं प्रभु राम से क्षमा याचना करता हूं। हमारे त्याग, तपस्या, पूजा में कोई तो कमी रह गई होगी कि इतने साल मंदिर निर्माण का काम नहीं हो पाया। आज ये कमी पूरी हुई। मुझे विश्वास है कि प्रभु राम हमें क्षमा करेंगे। भारत के संविधान की पहली प्रति में राम विराजमान हैं। दशकों तक प्रभु राम के अस्तित्व पर कानूनी लड़ाई चली। मैं न्यायपालिका का शुक्रगुजार हूं कि उसने लाज रख ली।

❊ देश में दीपावली मनाई जा रही, राम ज्योति जल रही

आज गांव-गांव में कीर्तन-संकीर्तन हो रहे हैं। स्वच्छता अभियान चल रहा है। देश दीपावली बना रहा है। आज शाम घर-घर राम ज्योत जलेगी। कल मैं धनुषकोडि में था। जिस घड़ी राम समुद्र पार करने निकले थे, उसे कालचक्र बदला था। अब कालचक्र फिर बदलेगा। मैं सौभाग्यशाली हूं कि अनुष्ठान के दौरान सागर से सरयू तक की यात्रा का मौका मिला। राम भारतवासियों के मन में विराजे हुए हैं। >14

गोविंद देव गिरी जी ने पीएम मोदी को दी राजर्षि की उपाधि

राम मंदिर में आज रामलला के विधि-विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा हो गए है। पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक काम को अपने हाथों से किया है। करीब 500 साल बाद अयोध्या में रामलला विराजित हुए है। ऐसे में देश के साथ-साथ विदेशों में भी उल्लास का माहौल बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर पीएम नरेंद्र के नाम एक और उपाधि मिल गई है। उन्हें गोविंददेव गिरी जी ने राजर्षि की उपाधि दी है। राम मंदिर में मंच पर मौजूद गोविंददेव गिरी जी महाराज ने कहा कि, राम मंदिर में केवल एक मूर्ति की प्रतिष्ठा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो सकी। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अपने को सिद्ध करने के लिए पूरी नियमावली का पालन किया। इसके साथ ही उन्होंने पीएम मोदी को राजर्षि की उपाधि दी।

रामलला के साथ भारत का गर्व लौट आया है : भागवत

अयोध्या, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का गर्व लौटकर आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला भारत खड़ा होगा। जोश की बातों में होश की बात करने का काम मुझे ही दिया जाता है। आज हमने सुना कि प्रधानमंत्री जी ने यहां आने से पहले कठोर तप रखा। जितना कठोर तप रखा जाना चाहिए था, उससे ज्यादा कठिन तप रखा। मेरा उनसे पुराना परिचय है। मैं जानता हूं, वे तपस्वी हैं ही। परंतु, वे अकेले तप कर रहे हैं, हम क्या करेंगे? आरएसएस प्रमुख ने कहा, अयोध्या में रामलला आए। अयोध्या से बाहर क्यों गए थे? रामायणकाल में ऐसा क्यों हुआ था। अयोध्या में कलह हुआ था। अयोध्या में उस पुरी का नाम है, जिसमें कोई द्वंद्व, कलह और दुविधा नहीं। फिर भी भगवान राम 14 वर्ष वनवास में गए। दुनिया के कलह को मिटाकर वापस आए।

मोहन भागवत ने कहा, आज रामलला वापस फिर से आए हैं, पांच सौ वर्ष के बाद। जिनके त्याग, तपस्या, प्रयासों से आज हम यह स्वर्ण दिवस देख रहे हैं, उनका स्मरण प्राण-प्रतिष्ठा के संकल्प में हमने किया। उनके प्रयासों को कोटि बार नमन है। भागवत बोले, इस युग में आज के दिन रामलला के फिर वापस आने का इतिहास जो-जो स्मरण करेगा, वह राष्ट्र के लिए होगा। राष्ट्र का सब दुख हरण होगा, ऐसा इस इतिहास का सामर्थ्य है। हमारे लिए कर्तव्य का आदेश भी है। प्रधानमंत्री जी ने तप किया, अब हमें भी तप करना है। राम राज कैसा था, यह याद रखना है। हम भी भारत वर्ष की संतानें हैं। कोटि-कोटि कंठ हमारे हैं जो जयगान करते हैं। >14

प्रधानमंत्री के 11 दिन का व्रत स्वामी गोविंददेव ने तुड़वाया

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। मंदिर परिसर में श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव, संघ प्रमुख मोहन भागवत, योगी आदित्यनाथ ने संबोधित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री को बोलना था। प्रधानमंत्री की स्पीच से पहले श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव ने भगवान राम का चरणामृत पीलाकर उनका व्रत खुलवाया। प्रधानमंत्री 12 जनवरी से 11 दिन के उपवास पर थे। प्रधानमंत्री ने श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले 11 दिन के अनुष्ठान के दौरान उपवास, जप और गाय की पूजा की। वे 11 दिन तक फर्श पर सोए और सिर्फ नारियल पानी पीकर, फल खाकर रहे। मोदी इस दौरान रामायण से जुड़े 4 राज्यों के 7 मंदिरों में दर्शन-पूजन भी किए।

राहुल गांधी ने पूछा

अब पीएम मोदी तय करेंगे कि मंदिर में कौन जाएगा?

गुवाहाटी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कानून-व्यवस्था में संभावित व्यवधान का हवाला देते हुए असम के नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान (सत्तरा) का दौरा करने की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह तय करेंगे कि भारत में किसी मंदिर का दौरा कौन करेगा। गांधी ने कहा, यह अजीब है कि राहुल गांधी वहां नहीं जा सकते जबकि बाकी सभी लोग श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान पर जा सकते हैं। क्या अब पीएम मोदी तय करेंगे कि कौन मंदिर जाएगा और कब जाएगा? उन्होंने और अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और समर्थकों ने बाताद्रवा में शंकरदेव के जन्मस्थान के रास्ते में हैबरगांव में धरना दिया, जबकि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और बताद्रवा विधायक सिबामोनी बोरा विवाद को सुलझाने के लिए जन्मस्थान गए। गांधी ने संवाददाताओं से कहा कि शंकरदेवा की तरह कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता और नेता भी लोगों को एक साथ लाने और नफरत न फैलाने में विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा, शंकरदेव हमें मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और एक गुरु के समान हैं। इसलिए मैं असम पहुंचने पर उन्हें अपना सम्मान देना चाहता था।

उन्होंने कहा, हमें रविवार को सूचित किया गया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति है, लेकिन इससे पहले 11 जनवरी को हमें उस जगह का दौरा करने का निमंत्रण मिला था। राहुल गांधी ने कहा, जितनी जल्दी संभव होगा मैं बताद्रवा का दौरा करूंगा। मेरा मानना है कि पूरे देश को वह रास्ता अपनाना चाहिए जो शंकरदेव ने हमें दिखाया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि उन्होंने राहुल गांधी से अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन समाप्त होने से पहले बताद्रवा नहीं जाने के लिए कहा था। इसके तुरंत बाद श्री शंकरदेव सत्र की प्रबंध समिति ने घोषणा की कि वे कांग्रेस नेता को सोमवार दोपहर तीन बजे से पहले सत्र में जाने की अनुमति नहीं देंगे। गांधी और उनका समूह सोमवार सुबह सत्तरा के लिए रवाना हो गए थे, लेकिन उन्हें अतिरिक्त जिला आयुक्त, लाख्यज्योति दास और नगांव एसपी नवनीत महत ने हैबरगांव के पास रोक दिया और जिला प्रशासन द्वारा सत्तरा के चारों ओर भारी सुरक्षा तैनात की गई थी।

'बयान वापस ले लिया तो मुकदमा क्यों जारी...'

सुप्रीम कोर्ट ने तेजस्वी यादव मानहानि मामले पर टाली सुनवाई

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के मानहानि मामले में दायर याचिका पर सुनवाई 29 जनवरी तक टाल दी है।

तेजस्वी यादव ने उनके खिलाफ दर्ज मानहानि मामले को अहमदाबाद कोर्ट से स्थानांतरित करके राज्य से बाहर दिल्ली भेजने की मांग की थी। जस्टिस ए एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयन ने शिकायतकर्ता के वकील द्वारा समय मांगे जाने के बाद मामले की सुनवाई टाल दी।

क्या कहा कोर्ट ने :

पीठ ने शिकायतकर्ता के वकील से कहा, जब वह (तेजस्वी यादव) अपना बयान वापस ले चुके हैं तो फिर भी उनके खिलाफ अभियोग जारी क्यों रहना चाहिए? आप ने निर्देश लें वरना हम संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते। शिकायतकर्ता के वकील ने याचिकाकर्ता के बयान पर जवाब देने के लिए समय मांगा है, इसलिए मामले को अगले सोमवार को लिए लिस्ट करें। तेजस्वी यादव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उनके खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले पर सुनवाई रोकने की मांग की थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने तेजस्वी यादव को राहत देते हुए उन्हें निचली अदालत की पेशी में छूट दे दी थी साथ ही शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

मार्च 2023 में पटना में मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा था, सिर्फ गुजराती ही मौजूदा परिस्थितियों में ठग हो सकते हैं और उनके घोटाले भी माफ हो जाएंगे। तेजस्वी के इस बयान के खिलाफ गुजरात में स्थानीय कारोबारी और सामाजिक कार्यकर्ता हरेश मेहता ने अहमदाबाद मेट्रोपॉलिटन कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाए कि तेजस्वी यादव की टिप्पणी से सभी गुजरातियों की भावनाएं आहत हुई हैं।

राम-मंदिर के टेलीकास्ट पर बैन से तमिलनाडु सरकार का इनकार

❊ सुप्रीम कोर्ट को बताया-लोग पूजा-अर्चना करने को आजाद

❊ सीतारमण बोलीं-कामाक्षी मंदिर से एलईडी स्क्रीन हटाईं

नई दिल्ली/चेन्नई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग पर बैन लगाने के तमिलनाडु सरकार के कथित आदेश के खिलाफ 22 जनवरी को तमिलनाडु भाजपा की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी।

इस याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने प्राण प्रतिष्ठा के दौरान राज्य में सभी तरह की पूजा, अर्चना, गरीबों को भोजन कराने के आयोजनों पर बैन लगाया है। याचिका के मुताबिक, इस आदेश का पालन कराने के लिए सरकार पुलिस की मदद ले रही है और इस आदेश से संविधान में दिए लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

इस याचिका के बाद सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को नोटिस भेजा, जिसके जवाब में राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि लाइव टेलीकास्ट, पूजा, अर्चना, भोजन के वितरण पर किसी तरह की कोई पाबंदी नहीं है।

ये याचिका राजनीति से प्रेरित है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु सरकार पर आरोप लगाया है कि कामाक्षी मंदिर में बिना वर्दी वाले पुलिसवालों ने एलईडी स्क्रीन को हटा दिया। उन्होंने कहा कि ये हमारे पूजा करने के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि कांचीपुरम जिले में अयोध्या से सीधे प्रसारण के लिए 466 एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी। इनमें से 400 से अधिक स्थानों पर पुलिस ने प्रसारण को रोकने के लिए या तो स्क्रीन जब्त कर ली है या पुलिस बल तैनाती कर दी है। एलईडी आपूर्तिकर्ता डर के मारे भाग रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को तमिलनाडु सरकार पर राम मंदिर प्रोग्राम के लाइव स्ट्रीमिंग पर बैन लगाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि तमिलनाडु में 200 से ज्यादा मंदिर हैं।

यहां अयोध्या में होने वाले कार्यक्रमों के लाइव टेलीकॉस्ट पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस मंदिरों में कार्यक्रम नहीं होने दे रही है। आयोजकों को धमकी दे रही है कि वे पंडाल तोड़ देंगे। यह हिंदू विरोधी काम है। सीतारमण ने सबूत के तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तमिल न्यूजपेपर की एक कटिंग पोस्ट की है। हालांकि, तमिलनाडु सरकार के मंत्री पीके शेखर बाबू ने ट्वीट करके सीतारमण के आरोपों का खंडन किया था। उन्होंने कहा था कि केंद्रीय मंत्री अफवाह फैला रही हैं।

पीएम विकास-राष्ट्रीय सुरक्षा की बात नहीं करते : थरूर

> *वे चुनावी साल में राजनीतिक एजेंडा बदल देते हैं*

> *चीन से अपनी जमीन नहीं ले पाए*

तिरुवनंतपुरम, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से ठीक पहले कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी हर चुनाव से पहले राजनीतिक एजेंडा बदल देते हैं। वे विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर बात नहीं करते।

उन्होंने कहा कि यही नहीं, सरकार सीमा पर चीन की घुसपैठ रोक पाने में नाकाम रही। चीन ने हमारी जो जमीन छीनी वो भी मोदी वापस नहीं ले पाए। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर और सांसद शशि थरूर ने ये बातें तिरुवनंतपुरम में 21 जनवरी को कहीं। थरूर ने कहा कि मोदी ने 2014 का लोकसभा चुनाव विकास और 2019 का चुनाव राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लड़ा था। इसी साल (2019) में पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक भी की गई थी। लेकिन आज वे न तो विकास की बात करते हैं, न लोगों की उन समस्याओं का जिक्र करते हैं, जो नोटबंदी के बाद सामने आईं। यही नहीं, वे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भी कोई बात नहीं करते। थरूर ने आगे कहा कि मोदी हिंदू हृदय सम्राट कहलाना पसंद करते हैं। इसमें कोई शक नहीं है। वे यही प्रोपेगैंडा फैलाएंगे। 22 जनवरी को वे अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करेंगे। फरवरी में वे अबु धाबी में मंदिर का इनॉगरेशन करेंगे। इसके बाद चुनाव की घोषणा हो जाएगी। थरूर ने अयोध्या में भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण अस्वीकार करने पर कहा कि कांग्रेस के लिए यह कार्यक्रम राजनीतिक हैं। पार्टी ने हमेशा सभी की धार्मिक मान्याताओं के प्रति सम्मान दिखाया है, लेकिन एक पार्टी के रूप में, हमारा रुख एकदम साफ है।

उन्होंने कहा कि पीएम ने धर्म को राजनीतिक अभ्यास बना दिया है और हमें नहीं लगता कि यह अच्छी बात है। मैं मंदिर में प्रार्थना करने जाता हूं, राजनीति करने नहीं।

शशि थरूर ने कांग्रेस की कार्य योजना पर बात की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की योजना लोगों को नौकरियों की कमी, महंगाई जैसी रोजमर्रा की समस्याओं के बारे में बताने की है और उनसे पूछेगी कि क्या केंद्र सरकार द्वारा किए गए दावों से उन्हें फायदा हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने एकनाथ शिंदे गुट को भेजा नोटिस

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उद्धव ठाकरे गुट की याचिका पर शिंदे गुट को नोटिस जारी किया है। नोटिस स्पीकर राहुल नार्वेकर के उस आदेश पर दिया गया, जिसमें उन्होंने शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना घोषित किया है।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मुख्यमंत्री शिंदे और अन्य विधायकों से दो सप्ताह में जवाब मांगा है।

दरअसल, स्पीकर ने 10 जनवरी को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत उनके गुट के 16 विधायकों को अयोग्य करार देने की उद्धव गुट की अपील खारिज कर दी थी। यानी इन सबकी सदस्यता बरकरार रहेगी। >14

81 प्रतिशत लोग देश में एकसाथ चुनाव के पक्ष में

एक देश-एक चुनाव पैनल को 21 हजार सुझाव मिले, 17 दलों ने भी राय दी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। देश के 81 प्रतिशत लोगों ने एकसाथ चुनाव कराने के विचार पर सहमति जताई है। एक देश-एक चुनाव पैनल को देशभर से 21 हजार सुझाव मिले हैं। 17 राजनीतिक दलों ने भी इस पर राय दी है। कमेटी ने 46 दलों से राय मांगी थी। रविवार 21 जनवरी को एक आधिकारिक बयान में ये बात सामने आई है।

वन नेशन-वन इलेक्शन पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 5 जनवरी को एक नोटिस जारी किया था, जिसमें जनता से 15 जनवरी तक सुझाव मांगे गए थे। हालांकि, कांग्रेस और टीएमसी समेत कई विपक्षी दलों ने वन नेशन-वन इलेक्शन का विरोध किया है। वन नेशन-वन इलेक्शन कमेटी ने रविवार 21 जनवरी को अपनी तीसरी बैठक की थी। कमेटी ने बैठक के बाद कहा, कुल मिलाकर 20,972 सुझाव मिले हैं। बैठक में गुलाम नबी आजाद, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, पूर्व लोकसभा महासचिव सुभाष सी कश्यप और पूर्व मुख्य सतर्कता अधिकारी शामिल हुए। बैठक में चुनाव आयोग के सुझावों को भी कमेटी ने नोट किया। अब 27 जनवरी को कमेटी की बैठक हो सकती है।

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। वन नेशन-वन इलेक्शन का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव हों। >14

कैसे बनी अयोध्या, कब टूटा मंदिर और कैसे शुरू हुआ विवाद

अयोध्या की राम कहानी

अयोध्या, 22 जनवरी (एजेंसियां)। साल 1949 की 23 दिसंबर जब राम जन्मभूमि चौकी के चौकीदार अब्दुल बरकत को तड़के ही घंटा-घड़ियाल' की आवाज और 'भये प्रगट कृपाला...' के भजन सुनाई देने लगे। बरकत के मुताबिक उन्होंने प्रकाश की एक चमक देखी जो सोने की हो गई और तभी उन्होंने वह देखा जो शायद किसी को सपने में भी नसीब न हो। उस चमक के साथ उन्हें चार-पांच साल के बहुत सुंदर सलोने भगवान जैसे बच्चे का चित्र दिखाई दिया। अब्दुल बरकत को मस्जिद के अंदर सिंहासन पर रखी मूर्ति की आरती करते हुए हिंदुओं की भीड़ भी दिखी। वह 4 या 5 साल का नन्हा बालक कोई और नहीं बल्कि रामलला ही थे। लला या लल्ला अवधी भाषा में छोटे लड़कों के लिए प्रेमपूर्ण शब्द है। रामलला का प्रकट होना राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के 491 साल के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण घटना साबित हुई। इसके बाद मुसलमानों ने उस मूर्ति के चमत्कार पर सवाल उठाया और अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत अभिराम दास पर 9 इंच की मूर्ति रखने का आरोप लगाया। जब जिला मजिस्ट्रेट केके नायर और शहर मजिस्ट्रेट गुरुदत्त सिंह से मूर्ति हटाने को कहा गया तो उन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और यूपी के मुख्यमंत्री जीबी पंत समेत अपने बड़े अधिकारियों की बात नहीं मानी। राज्य सरकार ने तब मस्जिद को बंद कर दिया, लेकिन हिंदुओं को बाहर से राम लला विराजमान की पूजा करने की अनुमति दे दी। यहां से मुकदमों की एक श्रृंखला शुरू हुई। हिंदू पक्ष से दिगंबर अखाड़ा के प्रतिनिधियों ने 1950 में और इसके बाद निर्मोही अखाड़ा ने 1959 में अदालत का दरवाजा खटखटाया। 1961 में, सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने मस्जिद और उसके आसपास के कब्रिस्तान पर दावा किया। फिर जुलाई 1989 में, रामलला विराजमान ने जस्टिस अग्रवाल के माध्यम से खुद अदालत का दरवाजा खटखटाया, जहां उन्होंने मस्जिद को हटाने और विवादित जमीन वापस मांगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट की ओर से रामलला के दावे को आंशिक रूप से स्वीकार करने और उन्हें निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को 2.77 एकड़ जमीन का एक तिहाई हिस्सा देने से पहले कई साल बीत गए। अंत में, सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर, 2019 के अपने फैसले में राम लल्ला को पूरी जमीन दे दी। इसने इस स्थान को 'राम का जन्म स्थान' के रूप में मान्यता दी।

विवाद की शुरुआत 139 साल पहले

निर्मोही अखाड़े के महंत रघुबर दास ने 15 जनवरी, 1885 को विवादित जमीन का आंशिक दावा वापस लेने के लिए पहला मुकदमा दायर किया था। वह मस्जिद के सामने राम चबूतरा नामक चौकी पर एक मंडप बनाना चाहते थे। लेकिन सब-जज हरकिशन सिंह ने उनकी दलील को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे तनाव बढ़ सकता है। जिला जज कर्नल एफईए चैमियर ने स्वीकार किया कि मस्जिद हिंदुओं के पवित्र स्थान पर बनी है, लेकिन उन्होंने यथास्थिति बनाए रखते हुए कहा कि 350 साल पहले की गई गलती को सुधारने में बहुत देर हो गई है।

16वीं शताब्दी में शुरू हुआ विवाद

तीन गुंबद वाली बाबरी मस्जिद 1528 ई. में बनाई गई थी। ऐसा माना जाता है कि मुगल बादशाह बाबर के सेनापति मीर बाकी ने भगवान राम की जन्मस्थली के तौर पर एक मंदिर को गिराया था। तब से हिंदू उस जमीन को वापस पाने की कोशिश कर रहे थे। सम्राट अकबर के समय में उनके लिए राम चबूतरा बनाया गया था, लेकिन उनके परपोते औरंगजेब के शासन में यह विवाद और बढ़ गया। कुछ स्रोतों के अनुसार, गुरु गोबिंद सिंह की सेना भी राम जन्मभूमि को मुक्त करने के

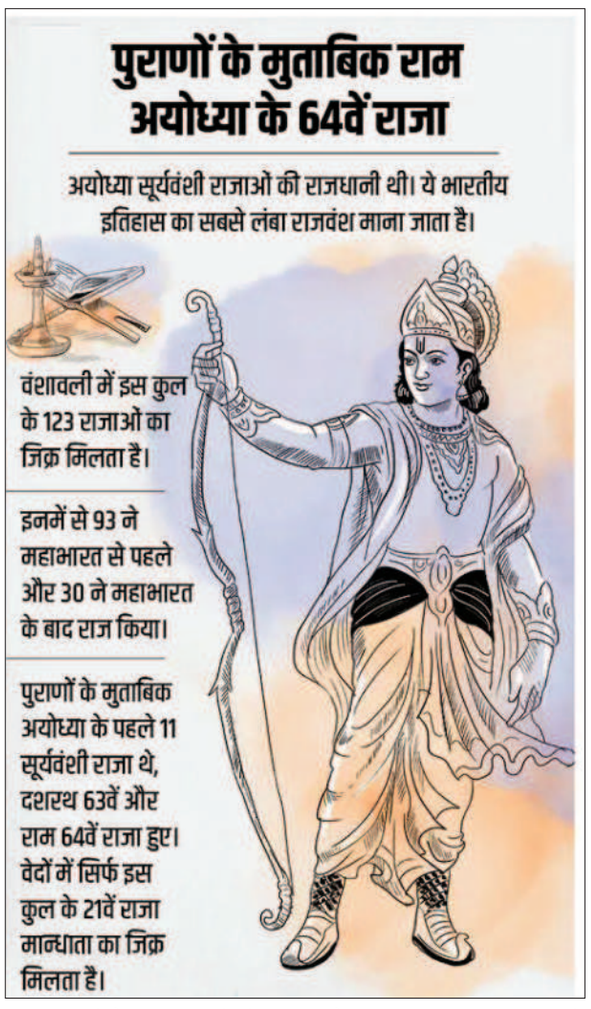

लिए लड़ाई में शामिल हुई थी। अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह के अधीन, ब्रिटिश रेजिडेंट मेजर जेम्स आउटराम ने मस्जिद को लेकर सांप्रदायिक संघर्ष की सूचना दी थी। इसलिए 1859 में, जब भारत ब्रिटिश राज के अधीन आया, तो अदालत ने मस्जिद का आंतरिक प्रांगण मुसलमानों को और चबूतरे वाला बाहरी प्रांगण हिंदुओं को सौंप दिया।

1980 का दशक और शुरू हुआ हिंदुत्व का जोर

सोमवार के दिन, जब राम मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा होगी, तो दशकों तक बाबरी मस्जिद के अंदर और फिर एक अस्थायी टारपॉलिन मंदिर में बंद रहने वाली पुरानी राम लला की मूर्ति गर्भगृह में नई और बड़ी मूर्ति के साथ ही विराजमान होगी। यह दिन 40 साल के संघर्ष की परिणति का भी प्रतीक होगा। हालांकि आरएसएस की शाखा विश्व हिंदू परिषद का गठन 1964 में हुआ था, लेकिन राम मंदिर 1980 के दशक की शुरुआत में उनके एजेंडे में आया था। जनवरी 1984 में, आरएसएस प्रमुख बालासाहेब देवरस ने प्रयागराज माघ मेले में एक संघ शिविर में उपस्थित लोगों से पूछा था, 'राम जन्मभूमि कब तक बंद रहेगी?' तीन महीने बाद, दिल्ली में आयोजित एक धर्म संसद में भाग लेने वाले संतों ने राम जन्मभूमि मुक्ति का मुद्दा उठाया। उसी वर्ष राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का भी गठन किया गया था और अयोध्या की सरयू से लखनऊ तक की उनकी धर्म यात्रा ने उत्तर भारत, महाराष्ट्र और गुजरात के हिंदुओं की सामूहिक चेतना में मंदिर के मुद्दे को आगे बढ़ाया।

1 फरवरी, 1986 को फैजाबाद जिला जज केएम पांडे ने वकील उमेश चंद्र पांडे की याचिका पर विवादित जगह के तालों को हिंदू पूजा के लिए खोलने की अनुमति दे दी। शहर के मजिस्ट्रेट ने 40 मिनट के भीतर ताला खोल दिया। हाशिम अंसारी ने मुस्लिम पक्ष की ओर से फैसले को चुनौती दी, यह दावा करते हुए कि बिना उनकी सुने ही आदेश पारित किया गया था। 6 फरवरी को बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी का गठन हुआ और सुलह की संभावना कम हो गई। तब तक वीएचपी ने मंदिर आंदोलन का नेतृत्व किया था, लेकिन जून 1989 में अपने पलामपुर सम्मेलन में, भाजपा ने घोषणा की कि वह राम मंदिर आंदोलन में शामिल हो रही है। उसने कहा कि अदालतें विश्वास का मामला तय नहीं कर सकतीं। और जैसे ही उस साल के अंत में लोकसभा चुनाव नजदीक आए, यहां तक कि राजीव गांधी की कांग्रेस सरकार ने भी वीएचपी को विवादित स्थल के पास 'शिलान्यास' करने की अनुमति देकर हिंदुओं को रिझाने की कोशिश की।

भाजपा ने मंदिर लहर का फायदा उठाया। विहिप ने मंदिर निर्माण शुरू करने के लिए 30 अक्टूबर, 1990 का दिन तय किया था और तब भाजपा अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक यात्रा का नेतृत्व करके समर्थन जुटाया था। लेकिन ढांचा गिराए जाने के एक हफ्ते पहले ही उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने समस्तीपुर में रोक दिया था। यूपी के मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव भी कार सेवकों को रोकने के लिए उतने ही दृढ़ थे। उन्होंने डींग मारी, 'एक परिंदा भी पर नहीं मार सकता ।' 30 अक्टूबर और 2 नवंबर को यूपी पुलिस की गोलीबारी में 17 कार सेवकों के मारे जाने की खबर मिली। इस निर्दयी कार्रवाई ने भाजपा को 1991 में यूपी में अपनी पहली सरकार बनाने में मदद की और मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के तहत उसने मंदिर निर्माण के लिए विवादित स्थल के आसपास के पूरे 2.77 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया। इसके बाद राम जन्मभूमि न्यास को 42 एकड़ जमीन भी सौंपी।

6 दिसंबर, 1992 का काला दिन

6 दिसंबर, 1992 को कार सेवा को फिर से शुरू करने का दिन तय किया गया था। कल्याण सिंह सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया जिसमें कहा गया था कि विवादित स्थल पर कोई स्थायी निर्माण नहीं होगा। लेकिन उस दिन, 1.5 लाख कार सेवकों ने मस्जिद को ध्वस्त कर दिया, जिससे देश भर में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे, जिसमें 2,000 से अधिक लोग मारे गए। केंद्र सरकार की ओर से उनकी सरकार बर्खास्त करने और यूपी में राष्ट्रपति शासन लागू करने से पहले कल्याण सिंह ने इस्तीफा दे दिया। भाजपा ने इसके बाद दो दशकों से अधिक समय तक मंदिर के मुद्दे को जिंदा रखा, जब तक कि 2014 में उसे केंद्र में भारी जनादेश नहीं मिला। 2019 में जब अनुकूल सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया, तब तक नरेंद्र मोदी बड़े जनादेश के साथ पीएम के रूप में दूसरी बार वापस आ चुके थे और यूपी में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री थे, जिनकी गोरखपुर पीठ तीन पीढ़ियों से मंदिर आंदोलन से जुड़ी हुई है।

प्राण प्रतिष्ठा में सेलिब्रिटी

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन और अनिल अंबानी।

तमिल सुपर स्टार रजनीकांत भी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए।

मुकेश-नीता अंबानी, अमिताभ, रजनीकांत शामिल हुए; मूर्तिकार योगीराज बोले- मैं सबसे भाग्यशाली

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में सोमवार 22 जनवरी को तय मुहूर्त पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई। इसमें दिग्गज बिजनेसमैन, बॉलीवुड और साउथ के कई सेलिब्रिटीज और संत पहुंचे। कार्यक्रम में अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, मुकेश अंबानी और पत्नी नीता, अनिल अंबानी और साउथ के स्टार चिरंजीवी-रामचरण शामिल हुए। बाबा रामदेव बागेश्वर धाम के कथावाचक पं. धीरेंद्र शास्त्री के साथ दिखे।

वहीं, कटरीना कैफ और पति विक्की कौशल, आलिया भट्ट-रणबीर कपूर, माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉ. श्रीराम नेने भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। गर्भगृह में स्थापित रामलला की प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार अरुण योगीराज भी समारोह में पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं दुनिया का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति हूं।

कार्यक्रम में शामिल होने से पहले अनुपम खेर ने हनुमानगढ़ी में दर्शन किए। कहा, प्रभु राम के पास जाने से पहले हनुमान जी के दर्शन करना बहुत जरूरी है। हिंदू धर्म में ऐसा माहौल पहले कभी नहीं देखा। यह ऐतिहासिक है। विवेक ओबेरॉय ने कहा, मैं पहली बार अयोध्या आया हूं और यहां हर सांस में श्रीराम की भक्ति महसूस होती है। रामलला के 500 साल बाद अयोध्या लौटने पर लोगों में बहुत उत्साह है।

जेफरीज ने कहा राम मंदिर में हर साल पांच करोड़ लोग पहुंचेंगे

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने एक रिपोर्ट में बताया है कि अयोध्या में राम मंदिर सालाना पांच करोड़ से अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर भारत की पर्यटन क्षमता को एक नए स्तर पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

जेफरीज ने भारत की पर्यटन क्षमता पर एक विशेष नोट में कहा, पीएम मोदी द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का भव्य उद्घाटन एक बड़ा धार्मिक कार्यक्रम है। यह एक बड़े आर्थिक प्रभाव के साथ भी आता है क्योंकि भारत को एक नया पर्यटन स्थल मिलता है जो प्रति वर्ष पांच करोड़ से अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। 85,000 करोड़ रुपये का मेकओवर (नया हवाई अड्डा, नया रेलवे स्टेशन, टाउनशिप, बेहतर सड़क संपर्क आदि) नए होटलों और अन्य आर्थिक गतिविधियों से पर्यटन क्षेत्र नए मुकाम पर पहुंचेगा। यह पर्यटन के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के मापदंड भी तय कर सकता है। जेफरीज ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर एक सार्थक रूप से बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। लगभग 70 एकड़ में फैला मुख्य तीर्थ स्थल, लगभग दस लाख भक्तों को एक साथ होस्ट करने के लिए सुसज्जित होगा। जेफरीज की ओर से कहा गया है कि प्रति दिन 1-1.5 लाख तीर्थयात्रियों के प्रतिदिन पहुंचने की उम्मीद है। जेफरीज ने कहा, ₹धार्मिक पर्यटन अब भी भारत में पर्यटन का सबसे बड़ा खंड है। कई लोकप्रिय धार्मिक केंद्र मौजूदा ढांचागत बाधाओं के बावजूद 10-30 मिलियन के वार्षिक पर्यटक यातायात को आकर्षित करते हैं। इसलिए, बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के साथ एक नए धार्मिक पर्यटन केंद्र (अयोध्या) का निर्माण एक सार्थक रूप से बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है।

कब शुरू होगा अयोध्या में मस्जिद निर्माण, कैसे जुटाए जाएंगे पैसे?

मुस्लिम बॉडी ने दी जानकारी

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन इस साल मई से अयोध्या में एक भव्य मस्जिद का निर्माण शुरू करेगा। इसे पूरा होने में तीन-चार साल लगने की संभावना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रॉयटर्स को यह जानकारी दी, लेकिन यह मामला उस दिन सामने आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

यह जानकारी मस्जिद परियोजना की देखरेख कर रहे इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन (आईआईसीएफ) की विकास समिति के प्रमुख हाजी अरफात शेख ने दी। शेख ने कहा कि मस्जिद के लिए धन जुटाने के लिए एक क्राउड-फंडिंग वेबसाइट स्थापित किए जाने की संभावना है। मस्जिद का नाम पैगंबर मुहम्मद के नाम पर "मस्जिद मुहम्मद बिन अब्दुल्लाह" रखा जाएगा। शेख ने कहा कि हमारी कोशिश है कि लोगों के बीच दुश्मनी, नफरत को खत्म करना और एक-दूसरे के बीच प्यार में बदलना है...भले ही आप सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार करें या न करें। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर हम अपने बच्चों और लोगों को अच्छी बातें सिखीएं तो यह सारी लड़ाई बंद हो जाएगी।" सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में कहा था कि 1992 में बाबरी मस्जिद का विध्वंस गैरकानूनी था। हालांकि, कोर्ट ने फैसला सुनाया कि बाबरी मस्जिद के नीचे एक गैर-इस्लामिक संरचना थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि विवादित भूमि पर एक मंदिर बनाया जाएगा और मस्जिद के निर्माण के लिए मुस्लिम पक्ष को जमीन का एक टुकड़ा प्रदान किया जाएगा। आईआईसीएफ के अध्यक्ष जुफर अहमद फारूकी ने कहा कि संस्था ने फंड के लिए किसी से संपर्क नहीं किया है।

नौकरी गई, तो बनाने लगा राम मंदिर मॉडल

हर महीने बिक रहे 4 हजार से ज्यादा प्रोडक्ट; एक की कीमत 8 हजार

लखनऊ, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मंदिर तो अयोध्या में बना है, लेकिन इसका मॉडल बनारस, सहारनपुर, कानपुर, लखनऊ, उत्तराखंड और दिल्ली-नोएडा में बन रहा है।

पिछले कुछ दिनों में मेरा अयोध्या आना-जाना खूब रहा है। इस दौरान लकड़ी के राम मंदिर बनने से बिजनेस को किस तरह से बढ़ावा मिल रहा है, इसे जानने-समझने का प्रयास किया। कुछ बड़े दुकानदारों से मेरी बात हुई। उनका कहना था कि एक तो तुलसी की माला की डिमांड 10 गुना बढ़ गई है, दूसरा ये राम मंदिर का मॉडल है। दोनों की इतनी डिमांड हैं कि अगले दो तीन महीनों तक के ऑर्डर को मैन्युफैक्चरर पूरा नहीं कर पा रहे हैं। मैं इसी तरह के एक कारोबारी की तलाश में दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा पहुंचा। मुलाकात हुई तुलसी कमल से। तुलसी कमल लकड़ी से बने राम मंदिर मॉडल बनाने वाली कंपनी एलन आर्ट के फाउंडर हैं। वो पिछले तीन सालों से ये काम कर रहे हैं।

पूछने पर कहते हैं, 'मैं तो कोरोना में बेरोजगार हो गया था। वो तो प्रभु श्रीराम की कृपा है कि इस

समय जबरदस्त बिजनेस चल रहा है। राम मंदिर मॉडल के तो इतने ऑर्डर आ रहे हैं कि अगले एक-डेढ़ महीने बाद हम डिलिवर कर पा रहे हैं। पहले जहां 30-40 हजार का धंधा हो रहा था, आज महीने का करीब 40 लाख रुपए की सेल है।' राम मंदिर मॉडल की बनावट ऐसी है कि देखने से लग रहा है कि आंखों के सामने साक्षात राम मंदिर और राम दरबार के दर्शन हो रहे हैं। दरअसल मॉडल के भीतर झांकने पर राम दरबार भी नजर आ रहे हैं।

तुलसी कमल कहते हैं, 'यह परफेक्शन एक दिन में नहीं आया है। इसे बनाने में ही 6 महीने से ज्यादा का वक्त लगा। अब देखिए कि इस तरह की कलाकारी है कि जो एक बार मंदिर के मॉडल को देखता है, उसे लगता है कि वो अयोध्या में है। जैसे-जैसे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तारीख नजदीक आती गई, डिमांड बढ़ती गई।' तुलसी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में राम मंदिर का मॉडल तैयार किया जा रहा है। लेजर मशीन से एक शीट को काटा जा रहा है। एक जादू की तरह राम मंदिर का मॉडल शीट पर लेजर की मदद से उकेरा जा रहा है।

जिस तरह से तुलसी की कंपनी अपनी मैन्युफैक्चरिंग दिखा रहे हैं, लग रहा है कि इस फील्ड में उनका लंबा तजुर्बा है। पूछने पर वो कहते हैं, 'मैंने तो कोरोना में इसे स्टार्ट किया था। बेरोजगार जो हो गया था। दरअसल मैंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। तकरीबन 11 साल एक कार कंपनी में रहा हूं। 2020 कोरोना के दौरान जब लॉकडाउन की वजह से कई कंपनियां बंदी के कगार पर पहुंच गई, तो जिस कंपनी में मैं काम करता था, वो भी बंद हो गई। तकरीबन 150 लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया। कहते हैं न भगवान जो करते हैं अच्छा करते हैं। शायद वो मेरे लिए अच्छा था। यदि वो कंपनी नहीं बंद होती, तो मैं अपनी कंपनी खोलकर नहीं बैठा होता।'

मैं तो हरियाणा के करनाल से आता हूं। पापा एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करते थे। लोअर मिडिल क्लास फैमिली। आज कमाओ, तो आज खाओ। नहीं कमाओगे, तो नहीं मिलेगा खाना। ऐसी स्थिति थी हमारी। मैं जब थोड़ा बड़ा हुआ तो छोटे-छोटे काम करने लगा। बच्चों को पढ़ाकर मैंने अपनी फीस निकाली है। 12वीं के बाद दिल्ली आ गया। यहां पहले मैंने डिप्लोमा किया था। ये 2006-07 की बात है। बाद में जॉब के साथ -साथ बीटेक करने लगा। आप मेरी रूटीन का अंदाजा लगा सकते हैं कि सुबह से लेकर शाम तक जॉब करता और फिर शाम के बाद BTech की क्लास। 2011 में पासआउट होने के बाद कॉलेज प्लेसमेंट हो गया और होंडा कार कंपनी में मेरी नौकरी लग गई।'

श्रीलंका में जहां रावण ने सीता को रखा, वहां राम-भजन

नेपाल के जानकी मंदिर में 1 लाख दीये; टाइम्स स्क्वायर पर दिखी प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पूरी हो चुकी है। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इसे सेलिब्रेट किया जा रहा है। नेपाल के जनकपुर में जानकी मंदिर को सजाया गया है। यहां एक लाख से ज्यादा दीपक जलाए जाएंगे। वहीं, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर भी सेलिब्रेशन शुरू हो चुका है। श्रीलंका के सीता एलिया मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा पर पूजा की गई। माना जाता है कि ये वही जगह है, जहां रावण हरण के बाद सीता को रखा था। मंदिर में राम भजन भी किए जा रहे हैं। वहां भगवान राम के बिलबोर्डस के साथ लोग जय श्रीराम के नारे लगा रहे हैं। भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने हिंदी में ट्वीट कर राम मंदिर की बधाई दी है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले रविवार को ताइवान के इस्कॉन में भजन कीर्तन किया गया।

न्यूजीलैंड के मंत्री बोले- जय श्री राम

न्यूजीलैंड के मंत्री डेविड सीमोर ने जय श्री राम के नारे लगाए। उन्होंने भगवा स्कार्फ गले में लपेट कर पूरे भारत को राम मंदिर के लिए बधाई दी। डेविड ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में 500 साल बाद मंदिर बना है, जो हजारों साल तक रहेगा। मुझे राम मंदिर जाकर खुशी होगी।

नेपाल के जानकी मंदिर में दीपक जलाने की तैयारी में जुटे लोग।

एफिल टावर पर राम भक्त

फ्रांस की राजधानी पेरिस में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर राम भक्तों ने रैली निकाली। ये पेरिस के अहम इलाकों से होते हुए शाम को एफिल टावर पहुंची । रथ यात्रा निकालने से पहले विश्व कल्याण यज्ञ भी हुआ।

मॉरिशस की 48% आबादी हिंदू है। वहां की सरकार ने हिंदूओं को आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 2 घंटे का स्पेशल ब्रेक दिया है। ताकी वो राम मंदिर के कार्यक्रम को देख सकें। आज मॉरिशस के सारे मंदिर में दीए जलाए गए। सभी में राम के नाम का जाप किया गया।

सेलिब्रेशन की शुरूआत मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनाथ ने की। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ मंदिर में दीप जलाया है। उन्होंने कहा- आइए हम अयोध्या में राम की वापसी का जश्न मनाते हैं। जय हिंद।

अमेरिका में 300 जगहों पर लाइव टेलीकास्ट

अमेरिका में भी राम के नाम की धूम रहेगी। मिनेसोटा राज्य में भारतीय समुदाय के लोगों ने सोमवार को राम भजन किए। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर अमेरिका में लगभग 300 जगहों पर अयोध्या में हुई रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण हुआ। इसके बाद सभी मंदिरों में प्रसाद बांटा गया।

ब्रिटेन में हिंदू समुदाय के लोगों ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले कार रैली निकाली। ये रैली वेस्ट लंदन से होते हुए ईस्ट लंदन पहुंची। इसके अलावा आज 100 जगहों पर रामलला प्राण प्रतिष्ठा का 100 जगहों पर लाइव टेलीकास्ट होगा।

कनाडा के ओंटारियो राज्य के ब्रॉम्पटन और ओकविल में 22 जनवरी को राम मंदिर डे घोषित कर दिया गया है। ब्रॉम्पटन के मेयर पैट्रिक ब्राउन ने कहा कि राम मंदिर के जरिए हिंदुओं का सदियों पुराना सपना पूरा हो रहा है। ब्रॉम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लोग भारत और भगवान राम के झंडों के साथ प्राण प्रतिष्ठा का लाइव टेलीकास्ट देखते नजर आए। इंडियन एसोसिएशन ऑफ ताइवान भी इस समारोह का लाइव टेलिकास्ट कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में श्री दुर्गा मंदिर में श्रद्धालु अयोध्या राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाते नजर आए। इस दौरान मंदिर में राम भजन हुए। इसके अलावा भारतीय मूल के लोग हाथ में झंडे लिए जय श्रीराम कहते नजर आए।

पश्चिमी सिडनी के पररामट्टा पार्क और मेलबर्न के किंग्सले पार्क में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। ब्रिस्बेन, पर्थ, एडिलेड और न्यू साउथ वेल्स में भी विश्व हिंदू परिषद के अलावा 25-50 संगठनो ने समारोह आयोजित किए। अफ्रीका के कई देश जैसे केन्या, तंजानिया, यूगांडा और मोजाम्बिक में कार रैली समेत कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सुविचार
ध्यान रहे ऐसा कोई कर्म न हो जो कुल का दीपक बुझ जाये

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा मेडिकल कैम्प आयोजित

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री उमिया नवरात्रि मंडल करमनघाट के सहयोग से 122वां निशुल्क मेडिकल कैम्प सरुरनगर के अधिकारी नगर के विजय कॉलोनी स्थित पटेल फार्म हाउस पर आयोजित किया गया जिसका 602 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. राजेश शुक्ला ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की गई। इसमें बेगमपेट मार्केटिंग टीम के प्रबंधक श्रीकांत, शिविर संयोजक सुनिल एवं नर्सिंग स्टाफ शिविर में सेवा दी। एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.रघुनंदन, डॉ.वेंकटेश्वरलू, डॉ. अली, प्रबंधक श्रीनिवास, कंप्यूटर टेस्टिंग में शेख अब्दुल्ला ने अपनी सेवा प्रदान की। नेत्रों की जांच के पश्चात 169 जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे और 40 लोगों के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की गई। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी। स्त्रीरोग की जांच डॉ. के.साकेत द्वारा, आर्थोपेडिक की सेवा डॉ. सुमन, द्वारा की गई।

अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा एक रोगी को निशुल्क कृत्रिम अंग की सेवा दी गई। शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अग्रवाल सेवा दल के निखिल रानासरिया, नीलकंठ विद्यापीठ के विवेक सागर स्वामीजी, हरिदर्शन स्वामीजी, श्री उमिया नवरात्रि मंडल करमनघाट के सुरेश पटेल, योगेश पटेल, हितेश भूपट, प्रभु भाई पटेल, रजनी भाई पटेल, रमेश पटेल, जयंतीलाल पटेल, किरण पटेल, गुणवंत पटेल, अशोक पटेल, अनिल पटेल, अंकिता पटेल, अर्चना पटेल, नेहल पटेल, निराली पटेल, धरती पटेल, रिया पटेल, विपुल धिवानी, प्रदीप नकरानी, नरेन्द्र पटेल, पित्ती लैमिनेशन के सदस्य, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने 1 रोगी को कृत्रिम अंग की सुविधा प्रदान की।

दिलसुखनगर में टीएसआरटीसी बस डिपो में दो बसें जली

हैदराबाद, 22 जनवरी (एजेंसी): सोमवार तड़के हैदराबाद के दिलसुखनगर टीएसआरटीसी बस डिपो में आग लगने की घटना में दो बसें पूरी तरह से जल गईं और एक आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। आरटीसी अधिकारियों ने यह जानकारी दि। आग लगने की घटना से सतर्क हुए डिपो के अधिकारियों ने तुरंत अग्निशमन सेवा के अधिकारियों को बुलाया, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई और स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, अग्निशमन सेवा के अधिकारी डिपो में आग लगने की घटना के कारणों का पता नहीं लगा सके। घटना के वक्त डिपो में कई बसें खड़ी थीं। डिपो के अधिकारियों ने कहा कि हालांकि, अग्निशमन कर्मियों ने जल्द ही आग बुझा दी और एक बड़ा हादसा टल गया।

सशस्त्र बल झंडा दिवस निधि के लिए एसबीआई कर्मचारियों ने 34.16 लाख दान दिये

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद सर्कल (तेलंगाना राज्य) के कर्मचारियों ने सशस्त्र बल झंडा दिवस कोष, तेलंगाना के लिए योगदान दिया। राजेश कुमार, मुख्य महाप्रबंधक, एसबीआई, हैदराबाद सर्कल ने आज तेलंगाना की राज्यपाल, डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन, जो सशस्त्र बल ध्वज की अध्यक्ष भी हैं, को 34,16,%50 रूपये का चेक सौंपा। दिन निधि. चेक कर्नल रमेश कुमार, निदेशक, सैनिक कल्याण (तेलंगाना), जितेंद्र कुमार शर्मा डीजीएम और सीडीओ, लेफ्टिनेंट कमांडर अतुल्य आनंद सीएसओ की उपस्थिति में सौंपा गया। इस कदम की सराहना करते हुए, तेलंगाना के माननीय राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि एसबीआई कर्मचारियों द्वारा किया गया योगदान एक नेक काम के

लिए है और ऐसे कार्य अन्य संगठनों और नागरिकों को अनुकरण करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने युद्ध के दिग्गजों, पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों के कल्याण के समर्थन में एसबीआई के निरंतर और मूल्यवान योगदान को भी स्वीकार किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी पहलों को लागू करने और तेलंगाना के लोगों का समर्थन करने में प्रभावी भूमिका के लिए एसबीआई की भी सराहना की। राजेश कुमार ने कहा कि हम, एसबीआई में, समाज और राष्ट्र को वापस लौटाने में विश्वास करते हैं, ताकि उनकी प्रगति में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि हम सभी युद्ध के दिग्गजोंध्पूर्व सैनिकोंध्युद्ध विधवाओं के बच्चों के कल्याण के लिए अपना समर्थन बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जब हमारे सैनिकों का समर्थन करने की बात आती है तो एसबीआई हमेशा सबसे आगे रहा है।

अग्र महिला मंच का सुंदरकाण्ड व भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शक्ति हनुमान देवस्थानम मंदिर बशीरबाग में 80 अग्र महिलाओं के सान्निध्य में मंच द्वारा राम लला के प्राण प्रतिष्ठा अवसर की पूर्व संध्या पर सुंदरकाण्ड पाठ एवम् भजनों का कार्यक्रम आयोजित कियष गया।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि प्रथम गणेश वंदना से आरंभ करते हुए राम जी से संबंधित सुंदर भजन गाए गए, मंजू केजरीवाल ने

शबरी की भूमिका निभाई, अंजू गोयल और दीपा गर्ग ने नृत्य किया। नन्हे मुन्ने बच्चों में हेतांश ने श्री राम जी व अव्युक्ता ने माता सीता जी बनकर सभी का मन मोह लिया। इसी कड़ी में बबिता अग्रवाल, शीतल अग्रवाल, कल्पना अग्रवाल, प्रेमलता अग्रवाल, शारदा गुप्ता, मंजू केजरीवाल, सुनीता अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

संतोष गोयनका, एवं अर्चना अग्रवाल, सरला अग्रवाल ने भी रामजी से संबंधित सुंदर नृत्य किया आचार्य सुदामाजी द्वारा सुंदरकांड पाठ भजन किए गए, मंदिर के मैनेजमेंट ने मंच के इस कार्यक्रम को सराहते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर मधु गोयल, सीमा गर्ग, सपना अग्रवाल, सरला जिंदल, संगीता देवड़ा, वंदना अग्रवाल, प्रभावती अग्रवाल, सीमा पंसारी व अन्यों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। मंत्राणी अंजू गोयल ने उपस्थित महिलाओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

प्राण-प्रतिष्ठा पर राममय हुआ भैसा शहर

निर्मल, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की अयोध्या में विग्रह प्राणप्रतिष्ठा का महोत्सव भारत भर में एक अद्वितीय और आनंदमय आयोजन हुआ। इस अवसर पर तेलंगाना के भैंसा नगर में सुबह का सवेरा राममय हुआ।

सुबह राधे राधे प्रभात फेरी में सियाराम, लक्ष्मण हनुमान की झांकी प्रस्तुत की गई, प्रभात फेरी पुराना बाजार, दास हनुमान, गुजरी गल्ली, भट्टी गल्ली, ब्राम्हण गल्ली, गीता भवन, गौ शाला, से राधा कृष्ण मंदिर तक आयोजित की गई। गली गली में जय श्री राम के नारे से गूंज उठा। गौ शालाओं पर गौ सेवा की गई और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इस अवसर पर सभी हिंदू समाज के लोगो ने उत्साह के सात आयोजन में सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि मुधोल विधायक पवार राम राव पटेल ने इस महोत्सव में भाग लेकर उत्सव की गरिमा में चमक जोड़ी। उन्होंने पुराना बाजार स्थित अयोध्या में प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के सीधा प्रसारण में लोगो के सात बैठ कर सुनहरे पल को देखा और कार सेवकों का सम्मान किया है। शहर में मंदिरो, गली, चैराह सहित जगह जगह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम पश्चात महाप्रसाद (भंडारा) वितरण कार्यक्रम किया गया।

राजभवन में राम पूजा

हैदराबाद, 22 (स्वतंत्र वार्ता) : आयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में तेलंगाना की राज्यपाल तथा पुद्दुचेरी की उपराज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सुंदरराजनने हैदराबाद राजभवनमें श्री राम नाम संकिर्तनम गायन सभा का आयोजन किया था। इसमें एएमएस कॉलेज ऑफ फाइन आर्टस् अ‍ॅण्ड मीडिया एज्युकेशन और सम्महना स्कूल के शास्त्रीय गायकों ने प्रभू राम के भजन गाकर वातावरण राममय बना दिया। इस अवसर पर राज्यपालद्वारा प्रभू श्रीराम की प्रतिमा का पूजन किया गया। कार्यक्रम में सचिव, संयुक्त सचिव और पूरे राजभवन के कर्मचारियोंसहित विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

कविता का मंत्री पोन्नम पर पलटवार

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता) : बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता ने आज राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर की टिप्पणियों पर पलटवार किया। उन्होंने उनसे पूछा कि वह विधानसभा परिसर में महात्मा ज्योतिराव फुले की प्रतिमा स्थापित करने की उनकी मांग को राजनीतिक रंग क्यों दे रहे हैं।

एमएलसी कविता ने पूछा, क्या आपको आपत्ति है क्योंकि मांग भारत जागृति संगठन द्वारा की गई थी या आपको विधानसभा में फुले की मूर्ति स्थापित करने पर आपत्ति है। क्या प्रेरणादायक नायकों को आप यही सम्मान देते हैं? संयुक्त आंध्र प्रदेश में, हमने अपने जागृति संगठन के माध्यम से लड़ाई लड़ी और विधानसभा परिसर में अंबेडकर की एक मूर्ति स्थापित की। अब भी, हम विधानसभा परिसर में फुले की प्रतिमा की स्थापना के लिए राजनीति से परे एक और लड़ाई लड़ेंगे।

एनएचआई अधिकारियों को गलत मार्गों को तुरंत बंद करने का निर्देश

आसिफाबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के अधिकारियों ने कुमुरम भीम आसिफाबाद में वन विभाग चेक पोस्ट के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर कल हुई घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

आज जिला प्रशासनिक अधिकारी हेमंत बोरकड़े और जिला एसपी के. सुरेश कुमार ने घटना स्थल का दौरा किया और एनएचएआई अधिकारियों को गलत मार्गों को तुरंत बंद करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। एसपी ने कहा कि घटना स्थल पर पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे और वाहन चालकों को हिदायत देंगे। संबंधित अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे वाहन चालकों को गलत मार्ग न अपनाने और भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए उपाय करने के लिए सूचित करें। वाहन चालकों को हर समय यातायात नियमों का पालन करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि यदि यातायात नियमों का पालन किया जाए तो सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। एसपी ने वहां मौजूद सीआई श्रीनिवास व एसएसआई प्रवीण कुमार को आदेश जारी कर आज दोपहिया वाहनों को लेकर विशेष अभियान व जागरूकता कार्यक्रम चलाने का आदेश जारी किया।

ब्रह्मर्षि समाज ने किया वार्षिक समारोह की पूर्व योजना बैठक

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद द्वारा महिला अध्यक्ष श्रीमती उषा शर्मा के निवास स्थान, प्रगति नगर में आगामी वार्षिक समारोह का सुचारू आयोजन हेतु कार्यकारिणी की एक पूर्व योजना बैठक बुलाई गई। समाज के महासचिव सुनील सिंह ने बताया कि समाज के अध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा की अध्यक्षता में यह बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य विषय 26 जनवरी को आयोजित होनेवाले समाज का वार्षिक समारोह की तैयारी की समीक्षा करना था। बैठक में सभी सदस्यों ने अपनी राय और सुझाव के साथ अपनी जिम्मेदारियों एवं तैयारियों को कार्यकारिणी के समक्ष रखा। सह सचिव पंकज कुमार ने संपूर्ण कार्यक्रम की रूप रेखा बैठक के समक्ष रखा और तैयारियों पर क्रमवार चर्चा हुई।

उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राय, श्रीमती सुधा राय एवं महिला अध्यक्षा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियों का ब्यौरा दिया और कहा कि उनकी तरफ से तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। महासचिव एवं कार्यकारिणी सदस्य मोहन सिंह ने कहा कि टेंट, म्यूजिक सिस्टम, डिजिटल एल ई डी स्क्रीन, लाइट, माइक इत्यादि की व्यवस्था हो चुकी है। पूर्व अध्यक्ष सुजीत ठाकुर ने कहा कि भोजनादि की व्यस्थापक का बंदोबस्त हो चुका है और केटरर को बयाना भी दे दिया गया है। शिक्षा सहायता के रूप में अनुदान हेतु आये नामों को कार्यकारिणी सदस्य अमर कुमार सिंह द्वारा जाँच पड़ताल करके उनकी आर्थिक स्थिति का पता लगाया जा चुका है और जरूरतमंद बच्चों का नाम लिखा जा चुका है। डॉ आशा मिश्रा ने दसवीं एवं बारहवीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी ब्रह्मर्षि छात्रों की सूची कार्यकारिणी के समक्ष रखा। कोषाध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह ने सम्मान हेतु वरिष्ठ सदस्यों के नाम लिखाये। बैठक में उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त वरिष्ठ सदस्य आरएस ठाकुर, अनुराग शर्मा, निश्चला राय, तिरूपति राय, नीरू शर्मा आदि उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य सुझाव दिये।

25 जनवरी को श्री रामकृष्ण तीर्थ मुक्कोटि

तिरुमाला, 22 जनवरी (एजेंसी): सबसे महत्वपूर्ण उत्सवों में से एक, श्री रामकृष्ण तीर्थ मुक्कोटि 25 जनवरी को तिरुमाला में मनाया जाएगा। पुराणों के अनुसार तिरुमाला में 3 करोड़ 50 लाख मूसलाधार धाराएँ हैं। इनमें सप्ततीर्थ प्रमुख हैं जिनमें स्वामी पुष्करिणी, कुमारधारा, तुम्बुरु, श्री रामकृष्ण, आकाशगंगा, पापविनासन और पांडव तीर्थम् सबसे प्रसिद्ध हैं।

श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा पर माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन तोपखाना में किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम, कोषाध्यक्षा रचना, सुनीता गुप्ता, मीनू कविता, दिव्या, भारती, खुशबू एंव अन्य भक्त उपस्थित हुए।

मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा ने निकाली बाइक रैली

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामजी के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के उत्सव के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच मेडचल शाखा द्वारा बाइक रैली का आयोजन रखा गया जिस में मारवाड़ी समाज के हजारो की संख्या में राम भक्तों ने भाग लिया। आज याह प्रैस वज्ञाप्ति के अनुसार मेडचल शाखा के निर्वतमान अध्यक्ष भीकाराम गुर्जर ने बताया कि अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर बाइक रैली निकाली गई। यह रैली अथवेली शिवालय से शुरू होकर मेड़चल चेक पोस्ट होते हुवे मार्केट रोड़ से रेलवे स्टेशन श्री राम जी मंदिर से होते हुए वापस अथवेली शिवालय मंदिर में समापन हुई। इस शुभ अवसर पर शिवालयम परिसर में सबके लिए प्रसाद की व्यवस्था रखी गई। इस अवसर पर शाखा के सभी सदस्यों की उपस्थिति थी शाखा अध्यक्ष गोगाराम सिरवी निवर्तमान अध्यक्ष भीखाराम गुर्जर सचिव मोहनलाल सिरवी सह सचिव सोहनलाल सीरवी, कोषाध्यक्ष शेषाराम सिरवी, पन्नालाल सिरवी, मांगीलाल चिप सिरवी, कानाराम सीरवी, चंदाराम सीरवी, बहादुर गुर्जर, डायाराम सीरवी, ईश्वर सिंह राजपूत, सुरेश देवासी एवं अन्य उपस्तित हुए ।

श्रीराम मंदिर, गौलीगुड़ा में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा पर आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में उपस्थित बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव, रवि यादव, राजू, सुनील, वाई श्रीनिवास और अन्य।

केबीआर पार्क में गणेश मंदिर में श्री राम जी की पूजा-अर्चना करते हुए सुरेंद्र अग्रवाल (गोयल), गोपाल बलदेवा, प्रमोद सरायवाला, विजय अग्रवाल, विजय अग्रवाल (रामू), सुरेश अग्रवाल, विट्ठल दास, ओमप्रकाश असावा व पीसी जैन।

प्राण-प्रतिष्ठा पर बोइनपल्ली में विशेष पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक व भाजपा नेता इटेला राजेंदर ने कहा कि राम धर्म त्याग की प्रतिष्ठा हैं और मनुष्य को लालची नहीं होकर पवित्र होना चाहिए। सोमवार को अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन समारोह के साथ ही मंदिर में बाल राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के जश्न में बोइमपल्ली का हर मंदिर हर घर, हर घर राममय हो गया और हर जगह हर कोई राममय हो गया. भक्तिमय परमानंद. इसी क्रम में, बोइमपल्ली कंसारी बाजार के सबसे पुराने मंदिरों में स्थानीय लोगों द्वारा बड़ी भक्ति और भव्यता के साथ समारोह आयोजित किया गया। स्थानीय छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप ने विधायक का स्वगत किया। सोमवार को सुबह से ही मंदिर में जश्न का माहौल रहा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु अभिषेक पूजा के लिए एकत्र हुए। कार्यक्रम में मंदिर समिति के सदस्य रामू, श्रीनिवास, नागराज और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

हिमांशु ओझा
माता : रानी ओझा
पिता : राजू ओझा

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर श्री राधे कृष्ण सेवा समिति अरवल, बिहार में समिति के अध्यक्ष एनके सिंह ने स्थानीय लोगों के साथ श्री राम की शोभा यात्रा निकली। साथ में हैं हरेराम सिंह, मनोहर सिंह, श्याम बिहारी सिंह, कृष्ण मोहन सिंह, उमेश प्रसाद, राहुल सिंह, रवि रंजन सिंह व अन्य।

रामलला प्राणप्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में बेगम बाजार स्थित श्री कृष्णा कुंज कालोनी में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर कालोनी के सभी पदाधिकारी एवं महासचिव ज्ञानचंद, जगदीश, एवं विकास तांडेकर उपस्थित थे।

पूर्व तट रेलवे
नीलामी सूचना
नीलामी सूची सं. WAT-MaChr-004
विवरण : 03 (तीन) वर्षों की समयावधि हेतु विशाखपट्टणम रेलवे स्टेशन में मसाज कुर्सियों की स्थापना, संचालन और रखरखाव करना।
ट्रिप्स/दिन : 1096
लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : 02.02.2024 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि : 02.02.2024 को 1130 बजे, न्युनतम वृद्धि : 0.2% (सभी के लिए)।
उपरोक्त ई-नीलामी सूचना का संपूर्ण विवरण वेबसाइट : https://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-1015/O/23-24

सिर पर कलश लेकर निकली स्मृति ईरानी

देवी पाटन मंदिर में की पूजा अर्चना

प्राण प्रतिष्ठा पर सांसद का अलग अंदाज

अमेठी, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंची सांसद स्मृति ईरानी भगवान श्री राम के रंग में रंगी नजर आई। गौरीगंज कस्बे में निकाली गई कलश यात्रा में शामिल होकर उन्होंने खुद सिर पर कलश उठाया और महिलाओं का उत्साह बढ़ाया।

कलश यात्रा में हजारों महिलाएं शामिल हुई। सांसद ने अमेठी कस्बे के देवी पाटन मंदिर जाकर विधिवत पूजा अर्चना की। मंदिर में पूजा अर्चना के बाद सांसद का काफिला गौरीगंज के मेदन मवई गांव के लिए निकल पड़ा जहां कई कार्यक्रमों में शामिल होंगी।

आज एक ऐतिहासिक दिन

सांसद स्मृति ईरानी ने कहा कि आज राम भक्तों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। 500 साल

धर्म के लिए धैर्य दिखाने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी की राम भक्तों से ही अपेक्षा रही होगी कि हम कलयुग में भी मर्यादा का प्रमाण दें। जिन जिन भक्तों ने इस मर्यादा का प्रमाण दिया मैं उन भक्तों को प्रणाम करती हूं।

विश्व भर के राम भक्तों को बहुत-बहुत बधाई

आज विशेष रूप से उन पुरखों को याद कर रही हूं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन दे दिया जिन्हें आशा थी कि एक दिन राम मंदिर बनेगा। राम भक्तों ने इस आशा में अपने प्राणों की आहुति दी की राम मंदिर बने और रामलला विराजमान होंगे। आज उन सभी राम भक्तों का सपना साकार हो रहा है। विश्व भर के राम भक्तों को बहुत-बहुत बधाई।

राम के सेवकों का सम्मान करना बहुत बड़े भाग्य की बात

आज प्रकाश और दिवाली का दिन है, इसलिए हम उनकी बात ना करें जिन्होंने सिर्फ अंधेरा ही दिया है। आज राम भक्त अपने धर्म का पालन करने के लिए आजाद हैं। आज दिवाली से कम नहीं है।

हमने वह दिन भी देखे हैं जब राम भक्त कहलाना की कुछ लोग राजनीति में अभिशाप मानते थे, जो आज सत्ता से बाहर है। मैं आज उन लोगों को विशेष रूप से याद करती हूं, जिन्होंने न सिर्फ छाती पर गोलियां खाई और सुनने में ये भी आया कि उन्हें बोरियो में भरकर सरयू में जिंदा बहा दिया गया। राम के सेवकों का सम्मान करना बहुत बड़े भाग्य की बात है।

बिहार में कुल 7 करोड़ 63 लाख मतदाता

लोकसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग ने जारी की लिस्ट,16.85 लाख वोटरों के नाम हटाए गए

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में बिहार के 7 करोड़ 64 लाख वोटर मतदान करेंगे। निर्वाचन आयोग का वोटर लिस्ट का फाइनल पब्लिकेशन रिपोर्ट कुछ यहीं कह रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के निदेश पर बिहार निर्वाचन आयोग ने 22 जनवरी 2024 को बिहार राज्य की वोटर सूची का अंतिम प्रकाशन किया है।

सूबे के सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में वोटरों की कुल संख्या 7,64,33,329 है। इनमें पुरुष मतदाता की संख्या 4 करोड़ 29 हजार 136 जबकि महिला वोटर की संख्या 3 करोड़ 64 लाख 1 हजार 903 है। वहीं थर्ड जेंडर की संख्या 2 हजार 290 है। महिला पुरुष का औसत अनुपात में इजाफा देखने को मिला है। यह 907 था जो बढ़कर 909 हो गया है। बिहार यह वृद्धि देखी गई है।

विशेष अभियान में नाम जुड़े

निर्वाचन आयोग ने 27 अक्तूबर 2023 के बाद कुल 28, लाख 95 हजार 191 मतदाताओं का नाम जोड़ा है।इस दौरान कुल 16 लाख 85 हजार 844 मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं।

इस तरह से वोटर लिस्ट में इस दौरान कुल मतदाताओं में कुल 12 लाख 9 हजार 347 मतदाता की संख्या बढ़ी है।

जिनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी 5 लाख 78 हजार 766 और महिला वोटर की संख्या में 6 लाख 30 हजार 597 की वृद्धि हुई है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2023 में के तहत 28 से 29 अक्टूबर 2023 तक नाम जोड़ा और घटाया गया। इसके बाद 25 से 26 नवंबर 2023 को विशेष अभियान चला।

2 से 3 दिसंबर 2023 को विशेष अभियान दिवस चलाया गया

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन विकल्प दोनों उपलब्ध कराया गया है। ऑनलाइन के लिए वोटर हेल्पलाइन एप अथवा voters.eci.gov.in की मदद ली जा सकती है।

ऑफलाइन में आवेदन करने के लिए अपने प्रखंड, अनुमंडल अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में जाए। मतदाता हेल्पलाईन 1950 का प्रयोग भी किया जा सकता है।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोने से 3 की मौत

एक ही कमरे में सो रहे थे 5 लोग, 2 की हालत गंभीर; मृतकों में माता-पिता और बेटा शामिल

कानपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में बड़ा हादसा हो गया। सर्दी से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे 3 लोगों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि परिवार के 2 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी पर पुलिस पहुंची। उन्हें कार्डियोलॉजी लेकर गई। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ये मामला बंसती नगर जूही के एक मकान में घटना हुई।

जूही स्थित बसंती नगर में पूरन चंद्र शर्मा अपने पूरे परिवार के साथ रहते थे। पुलिस के मुताबिक, रात में ठंड अधिक होने की वजह से परिवार के 5 लोग एक ही कमरे में अंगीठी जलाकर सो गए। जिससे नींद के दौरान ही उनकी मौत हो गई। मृतकों में पूरन चंद्र शर्मा (90), इनकी पत्नी मिथला शर्मा (85) और पुत्र नरेंद्र शर्मा (50) वर्ष की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 8 बजे दूध वाला आया, उसके गेट खटखटाने पर कमरे में सो रही नरेंद्र शर्मा की पुत्री निमिशा (22) की नींद खुली। उसने पिता को जगाया तो कोई उठा नहीं। लेकिन उसका भाई ध्रुव शर्मा (18) की नींद खुल गई। हालांकि दोनों को उठने के बाद उल्टियां शुरू हो गई।

बच्चों ने मोहल्ले के लोगों को घर में किसी के न उठने की जानकारी दी तो हड़कंप मच गया। निमिशा ने अपने परमपुरवा निवासी अपने चाचा रामजी शर्मा को घटना की जानकारी दी तो वो मौके पर पहुंचे।

चाचा ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमार्टम करा आगे जांच करने की बात कही है। बच्चों को पुलिस अस्पताल लेकर गई है।

राम का नाम लेकर सुनील सिंह ने छोड़ी जदयू

बोले-पार्टी की रीढ़ नहीं, एक गिरोह इसे चला रहा; नीतीश मूकदर्शक बनकर देखते हैं

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता और मशहूर नेत्र चिकित्सक सुनील सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। अपना इस्तीफा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को भेज दिया है। उन्होंने पार्टी के ऊपर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जदयू में किसी की नहीं सुनी जाती। नीतीश मूकदर्शक बनकर देखते रहते हैं। इस्तीफे के बाद सुनील सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि...

ॐ श्री गणेशाय नमः। आज पूरा भारतवर्ष राममय है। जय श्री राम के उद्घोष से, गीत-संगीत से सर्वत्र हर्षोल्लास है। जिनके नाम के जयकारे मात्र से हम भारतवासी स्वयं को धन्य अनुभव कर रहे है। मैं अकिंचन भी उन प्रभु श्री राम के समक्ष नतमस्तक हूं। आज के

पावन दिन प्रभु श्री राम जी के आदर्शों का अनुसरण करते हुए प्रभु श्री राम जी के आदेश से मैं अपनी जदयू की प्राथमिक सदस्यता एवं प्रवक्ता पद से त्यागपत्र को सार्वजनिक करता हूं। आगे कर्तव्य पथ का दिशा निर्देश प्रभु श्री राम करेंगे। जय श्री राम !

सुनील ने कहा कि जेडीयू में रीढ़ नहीं है, कार्यकर्ताओं के स्वाभिमान का ख्याल नहीं रखा जाता। पार्टी में एक गिरोह उस पार्टी का संचालन करता है और नीतीश कुमार मूकदर्शक बने रहते हैं। आज के सांस्कृतिक पुनर्जागरण और हर्सोल्लास के माहौल से दूरी बनाना उचित नहीं है।

सुनील कुमार सिंह ने 7 दिसंबर को ही पत्र लिखा था। यह पत्र अब सामने आया है। पत्र में अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा है कि पार्टी के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह, वशिष्ठ नारायण सिंह के मार्गदर्शन में काम करने का और बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। कोविड में चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश के नाते पार्टी के बैनर तले समाज कल्याण करने का मौका मिला। सुनील सिंह अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को भेजा है।

प्रदेश प्रवक्ता सुनील सिंह के इस्तीफा से चंद रोज पहले जदयू अंग किसान मोर्चा के संयोजक और विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी कौशल कुमार सिंह ने पार्टी छोड़ी थी। इसके बाद उन्हें पार्टी के प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी दी गई थी। बाद में कौशल सिंह ने जदयू छोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया।

मेरठ में अलर्ट के बीच लड़की की गोली मारकर हत्या

परिजनों ने सड़क पर शव रख किया हंगामा

मेरठ, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ में किशोरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। किशोरी घर से दवा दुकान पर दवा लेने जा रही थी। तभी लड़के ने उसके साथ छेड़खानी कर दी।

विरोध किया, तो दबंग ने तमंचा निकालकर फायर कर दिया। किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार वालों ने शव को सड़क पर रखकर हंगामा किया। जानकारी पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पूरा मामला फलावदा थाना क्षेत्र का है।

दवा लेने के लिए निकली थी

मोहल्ला शहीद भगत सिंह की रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी, घर से दवा लेने के लिए निकली थी। तभी पड़ोसी युवक फरहान पुत्र उस्मान ने रास्ते में किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर दी।

किशोरी ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने तमंचा निकालकर किशोरी पर तान दिया। जब किशोरी नहीं मानी तो आरोपी ने गोली मार दी। किशोरी रास्ते में ही मौत हो गई।

खून से लथपथ पड़ी थी किशोरी

आसपास के लोगों ने जैसे ही गोली चलने की आवाज सुनी तो उस तरफ भागे। देखा किशोरी खून से लथपथ गोली लगी पड़ी है। तुरंत घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी गई।

किशोरी के परिवार वाले पहुंचे। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। फिलहाल, पुलिस शव को कब्जे में लेने का प्रयास कर रही है। ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव को नहीं उठने दे रहे हैं।

'उल्टे हाथ नमाज पढ़ना पसंद, घंटी बजाने में परेशानी'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे बोले- प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में उत्साह, छुट्टी घोषित नहीं होने पर भड़के

बक्सर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बक्सर पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी चौबे बिहार सरकार पर हमलावर दिखे। उन्होंने कहा कि आज भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर जहां कई राज्यों ने छुट्टी घोषित किया है। वहीं दूसरी तरफ बिहार सरकार ने छुट्टी घोषित नहीं किया है। इनको हाथ उल्टा कर नमाज पढ़ने में दिक्कत नहीं है, लेकिन घंटी बजाने में हाथ नहीं उठता है।

भगवान क्या हैं, इनको समझ में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि बक्सर राम की शिक्षा स्थली है। जहां राम की प्राण-प्रतिष्ठा पर इनके नेतृत्व में यहां भी आज पूरे दिन उत्साह जैसा माहौल रहेगा। जिसके लिए रामरेखा घाट से लेकर रामेश्वर मंदिर तक तैयारी चल रही है। बता दें कि रविवार की रात बक्सर में दो ट्रेनों का ठहराव मिलने पर उनको हरी-झंडी दिखाने के लिए वो पहुंचे हुए थे।

बक्सर में शिक्षा लेने के बाद बने पराक्रमी राम

अश्विनी चौबे ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर जितना उत्साह है। उससे कम उत्साह बक्सर में नहीं रहेगा। क्योंकि बक्सर में श्री राम शिक्षा ग्रहण कर पराक्रमी राम हुए थे। उन्होंने कहा कि बक्सर में इतना उत्साह है कि सब लोग सामूहिक रूप से उत्सव मनाएंगे। मैं स्वयं बक्सर के राम रेखा घाट पर मौजूद रहूंगा।

जहां एक लाख दीप जलाए जाएंगे। उन्होंने कहा की भगवान श्री राम ने तड़का वध के बाद यहां शिवलिंग का स्थापना किए थे। वहां भी उत्सव की तैयारी चल रही है। बता दे की रविवार की रात बक्सर के डुमरांव और रघुनाथपुर में काफी दिनों के मांग पर दी ट्रेनों की ठहराव की मंजूरी मिली थी।

21 जनवरी से दोनों ट्रेन काशी पटना जनशताब्दी और मगध एक्सप्रेस रुकने भी लगी है। जिसको लेकर केंद्रीय मंत्री रेलवे के अधिकारियों के साथ रात में दोनों स्टेशनों पर पहुंच हरी झंडी दिखा उनको आगे के लिए रवाना किया।

मुजफ्फरनगर में पटाखा गोदाम में धमाका

दो बच्चों की मौत, आसपास के घरों में आई दरार

मुजफ्फरनगर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर के थाना खतौली क्षेत्र के गांव कैलावड़ा कलां में बड़ा हादसा हो गया। आतिशबाजी गोदाम में आग लगने से विस्फोट हुआ। जिसमें दो किशोर की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आतिशबाजी गोदाम शादाब पुत्र शकील का है। आतिशबाजी गोदाम में धमाका आग लगने से हुआ। इस दौरान मकान की छत भरभरा कर गिर गई। इस हादसे में दीपांकर पुत्र ऋषिपाल 14 वर्ष व पारस पुत्र गजय 12 वर्ष बच्चों की झुलसने से मौत हो गई।

पुलिस ने ग्रामीण की मदद से दोनों शव को मलबे से बाहर निकाला। जिसमें कारीगर बिट्टू झुलस गया। उसे अस्पताल भिजवाया। धमाके से आसपास के दो मकानों में दरार आ गई। सीओ रविशंकर ने घटना स्थल का मुआयना किया। लोगों से घटना और मकान में आतिशबाजी एकत्रित किए जाने की जानकारी ली।

बताया कि दोनों बच्चे आतिशबाजी के गोदाम में कार्य कर रहे थे। तेज धमाके की आवाज से गांव में अफरातफरी मची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह भी देखा जा रहा है कि आतिशबाजी का कार्य लाइसेंस लेकर किया जा रहा था या नहीं।

नूंह के माफिया की 91 करोड़ की प्रॉपर्टी कुर्क

मथुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई; अवैध तरीके से की थी अर्जित

मथुरा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। माफिया की कुल 46 संपत्तियों खरीदी गई। इनकी कीमत करीब 53 करोड़, 52 लाख सात सौ, 250 थे। इसकी बाजार में 75 करोड़, 79 लाख, 37 हजार 750 आंकी गई। अन्य सम्पत्ति को मिलाकर कुल 91 करोड़, 37 लाख, 89 हजार 34 रुपए को मथुरा पुलिस ने कुर्क किया है

संगठित गिरोह बनाकर आपराधिक तरीके से अर्जित की गई हरियाणा के नूंह जिले के गांव पल्ला के रहने वाले इमरान खान की 91 करोड़ से ज्यादा की बेनामी संपत्ति कुर्क की गई है। अब तक की यह जिले में मथुरा पुलिस की सबसे बड़ी कुर्की की कार्रवाई की गई है। जिसे एसएसपी के निर्देश पर थाना जैंत पुलिस ने किया है।

एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि तीन शातिर अपराधियों द्वारा गिरोह बनाकर अवैध तरीके से अर्जित किए गए धन से तैयार की गई संपत्तियों को चिह्नित किया गया था । जिसकी अनुमानित कीमत 91 करोड़ 37 लाख 89 हजार 34 रुपए है। इनको कुर्क कर लिया गया। भू माफिया की संपत्ति कुर्क करने के लिए डीएम शेलेन्द्र कुमार सिंह ने आदेश जारी किए थे। डीएम के आदेश के बाद सीओ सदर प्रवीण मालिक की अगुवाई में गैंगस्टर एक्ट से संबंधित शातिर अभियुक्त 33 वर्षीय इमरान खान निवासी गांव पल्ला थाना नूँह हरियाणा, हाल निवासी डी 1053 सैकेंड फ्लोर न्यू फ्रेंड्स कालोनी थाना न्यू फ्रेंड्स कालोनी दिल्ली, एक महिला आरोपी और मोहम्मद समी अलम पुत्र सफी अलम निवासी गांव भीगो थाना लहडिया सराये जिला दरभंगा बिहार हाल पता बी-ब्लाक जैन कॉलोनी भाग्य विहार मंडनपुर दवास नॉर्थ वेस्ट दिल्ली (सीईओ) की संपत्ति कुर्क कर ली।

कंपनी आई एण्ड एस बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक विभिन्न बैंक की शाखाओं में दस खातों के खाता धारक है । इनके द्वारा कुल 46 संपत्तियों खरीदी गई। इनकी कीमत करीब 53 करोड़, 52 लाख सात सौ, 250 थे। इसकी बाजार में 75 करोड़, 79 लाख, 37 हजार 750 आंकी गई। अन्य सम्पत्ति को मिलाकर कुल 91 करोड़, 37 लाख, 89 हजार 34 रुपए को कुर्क किया गया है।

एसएसपी शैलेश पांडे ने बताया कि बैनामी संपत्ति फर्जी रूप से छल कपट कर कूट रचित दस्तावेज दिखाकर व तैयार कर प्लाट बेचकर, बुकिंग कर अवैध रूप से अर्जित की गई थी। आरोपी इमरान खान और महिला अपराधी ने 20 जनवरी को एक मुकदमा में न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। .मोहम्मद समी अलम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। आरोपियों के खिलाफ हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आधा दर्जन से अधिक मुकदमा दर्ज है। एसएसपी शैलेश पांडे ने बताया कि पिछले साल इसी गैंग ने वृंदावन में कुंभ मेला क्षेत्र की जमीन का फर्जी नक्शा बनाकर बिक्री गई थी। इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और राजस्व की टीम जब मौके पर पहुंची तो आरोपी भाग गए थे। कुर्क की गई संपत्ति में दुकान, गाड़ियां और प्लाट भी शामिल हैं।

फूड पॉइजनिंग से बच्ची की मौत

पूर्णिया, 22 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया में एक ही परिवार के 5 लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार हो गए। इनमें से एक बच्ची की मौत हो गई है। जबकि 4 की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना पूर्णिया के जलालगढ़ थाना क्षेत्र के पनखोवर गांव की है। सभी को गंभीर हालत में जीएमसीएच पूर्णिया में एडमिट कराया गया है। परिजनों ने बताया कि देर रात सभी खाना खाकर सो गए थे। सुबह उठने पर मां और बच्चे दर्द से तड़पते मिले। महिला खुद बीमार थीं, वो किसी तरह बच्चों तक पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों को किसी तरह आवाज लगाई। अस्पताल पहुंचने पर एक बच्ची को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जबकि मां और तीन बहनों का इलाज हो रहा है।

फूड पॉइजनिंग में जान गंवाने वाली बच्ची की पहचान जलालगढ़ थाना क्षेत्र के पनखोवर गांव निवासी मोहम्मद इब्राहिम की बेटी जुबेरा (06) के रूप में हुई है। वहीं बच्ची की मां हाजरा खातून (28) समेत 3 अन्य बच्चियां मारिया (03), सुफीया(02), हमीरा (04) की हालत काफी गंभीर बनी हुई है।

सभी की नाजुक हालत को देखते हुए परिजनों और स्थानीयों की ओर से इन्हें जीएमसीएच पूर्णिया में एडमिट कराया गया है, जहां चारों की हालत काफी नाजुक बनी हुई है।

मैजिक पिकअप से 415 लीटर महुआ शराब बरामद

मौके से शराब कारोबारी फरार, गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू

औरंगाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। औरंगाबाद जिले के मदनपुर प्रखंड के कासमा थाना की पुलिस ने एक मैजिक पिकअप में छुपा कर ले जा रहे हैं भारी मात्रा में चुलाई महुआ शराब बरामद किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उक्त कार्रवाई थाना क्षेत्र के बक्सी बिगहा गांव समीप से की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शराब कारोबारी उक्त पथ से होकर भारी मात्रा में बिक्री के लिए शराब की खेप लेकर गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त पथ में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

मौके से शराब कारोबारी फरार

इस दौरान पुलिस को सड़क पर वाहन जांच करते देख मैजिक पिकअप का चालक वाहन छोड़कर भागने लगा। जवानों ने उसे खदेड़ कर पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह भागने में सफल रहा। जब उक्त वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें अलग-अलग प्लास्टिक के थैले में छिपा कर रखी गई 415 लीटर महुआ शराब बरामद हुआ। शराब बरामदगी के बाद पुलिस उक्त पिकअप वाहन को जब्त कर लिया। थाना अध्यक्ष ने बताया कि जब्त किए गए शराब लदी वाहन का मालिक तथा फरार शराब कारोबारी का पता लगाया जा रहा है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बताते चलें कि चाल्हो पहाड़ी सर आप कारोबारी का सेफ जोन माना जाता है। पहाड़ी इलाके में कारोबारी अवैध तरीके से शराब चुलाइ करते हैं। इसके बाद यहां से स्थानीय स्तर पर बिक्री के लिए गांव गांव कारोबारी को पहुंचाया जाता है।

मुठभेड़ के बाद 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

अलीगढ़ में पुलिस को लूटने के लिए रोकी थी गाड़ी, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

अलीगढ़, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अलीगढ़ में दिल्ली के ड्राइवर से कार लूटने वाले एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को देखकर बदमाशों ने पुलिस पार्टी के ऊपर फायरिंग कर दी। जब पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो एक आरोपी के पैर में गोली लगी और उसके अन्य दो साथी कोहरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस ने घायल बदमाश को पकड़ लिया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं उसके फरार चल रहे दोनों साथियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पकड़े गए आरोपी के ऊपर 25000 का ईनाम था और उसने 11 जनवरी को अपने साथियों के साथ ड्राइवर को घायल करके स्कॉर्पियो कार और ड्राइवर का मोबाइल लूट लिया था। गभाना कटरा-बरौली मार्ग पर आरोपी ने अपने साथियों के साथ 11 जनवरी को दिल्ली के ड्राइवर से मारपीट करके उनकी स्कॉर्पियो कार और मोबाइल लूट लिया था।

शीतलहर और घने कोहरे का अलर्ट

पटना, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में पिछले एक हफ्ते से कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को घना कोहरा और बर्फीली पछुआ हवाओं की वजह से पटना समेत राज्य के अधिकांश जिलों में सीवियर कोल्ड डे या कोल्ड डे जैसी स्थिति रही। कुछ हिस्सों में शीतलहर भी दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले एक हफ्ते तक इसी तरीके से ठंड सताएगी। प्रदेश के 19 जिलों के लिए भीषण शीतलहर और घने कोहरे को लेकर के ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार अभी अगले एक हफ्ते तक ठंड इसी तरीके से सताएगी।

रामलला ने पहने 5 किलो सोने के आभूषण

हाथ-पैर में कड़ा, कमर में करधनी; एक हाथ में सोने का धनुष, दूसरे में बाण

लखनऊ , 22 जनवरी (एजेंसियां)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। सिंहासन पर विराजमान हो गए हैं। 5 साल के बालक रूप में विराजमान रामलला का सोने के आभूषणों से श्रृंगार देख लोग भाव-विभोर हो गए। 200 किलो की प्रतिमा को 5 किलो सोने के जेवरात पहनाए गए हैं। नख से ललाट तक भगवान जवाहरतों से सजे हुए हैं। रामलला ने सिर पर सोने का मुकुट पहना है। मुकुट में लाल और हरे रंग के रत्न जड़े हुए हैं। इसमें किनारे मोतियों की झालर लटकी हुई है। माथे के बीचों-बीच सफेद धातु से बना तिलक बना हुआ है। कमर में करधनी, कान में सोने के कुंडल पहने हुए हैं। गले में हरा-सफेद और लाल रंग के मोतियों की दिव्य-भव्य माला है। इसका पैंडल रामलला की नाभि तक लटक रहा है।

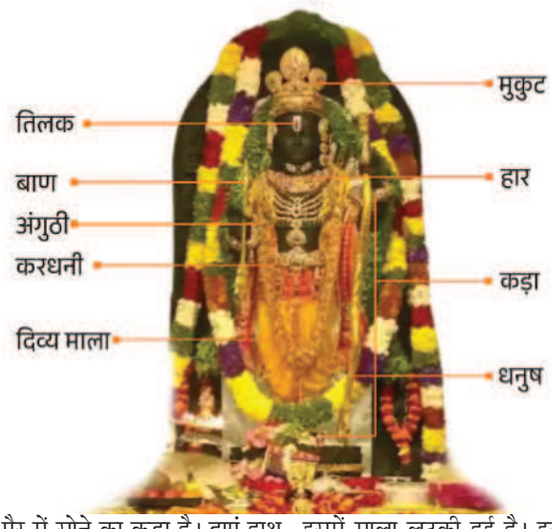

सबसे पहले रामलला की पूरी तस्वीर देखिए..

दोनों हाथ और पैर में सोने का कड़ा

भगवान के दोनों हाथ और दोनों पैर में सोने का कड़ा है। दाएं हाथ में सोने का बाण और बाएं हाथ में धनुष धारण किए हुए हैं। दाहिने हाथ के अंगूठे में एक अंगुठी है। इसमें माला लटकी हुई है। इसके अलावा, भगवान एक बड़ी माला पहने हुए हैं। गले से पैर तक बड़ा हार लटक रहा है। इसका वजन करीब दो किलो बताया जा रहा है। रामलला को पितांबर ओढ़ई गई है। धोती का रंग भी पीला है। इसके अलावा रामलला को फूलों की मालाएं भी पहनाई गईं हैं। ज्यादातर जेवरात राजस्थान से आए हैं।

गर्भगृह में तीन मूर्तियां स्थापित

गर्भगृह में तीन मूर्तियां स्थापित की गई हैं। पहली- मुख्य मूर्ति है, जिसकी प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। दूसरी- चांदी की मूर्ति है। जो चल है। तीसरी- मूर्ति वह है, जो अस्थाई मंदिर में रखी गई थी।

कृष्ण शैली में है रामलला की मूर्ति

रामलला की मूर्ति कृष्ण शैली में बनी हुई है। जिसे कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाई है। योगीराज ने प्रतिमा को एक ही पत्थर से बनाया है। यानी, पत्थर को कहीं जोड़ा नहीं गया है। मूर्ति में श्रीराम के साथ ही विष्णु जी के दसों अवतारों के भी दर्शन होंगे। मूर्ति के ऊपरी हिस्से में ऊँ, पद्म, चक्र, सूर्य, गदा, शंख और स्वस्तिक के चिह्न भी बनाए गए हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन महाकाल में दिवाली जैसी पूजा :जैसलमेर में बीएसएफ जवानों का रामायण पाठ; वाराणसी में महिलाओं ने रचाई राम नाम की मेहंदी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या नगरी में भगवान राम का भव्य स्वागत हो गया है। राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। इसे लेकर पूरे देश में उल्लास है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड में मंदिरों को फूलों और लाइट से सजाया गया है। इन राज्यों में अलग-अलग जगहों पर लाखों दीये जलाए जाएंगे।

मध्यप्रदेश में महाकाल मंदिर में भस्म आरती के दौरान फुलझड़ी जलाकर दिवाली जैसी पूजा की गई। तो वहीं, ओरछा में राम राजा सरकार मंदिर में 5100 मिट्टी के दीपक जलाए गए। राजस्थान के जैसलमेर में पाकिस्तान बॉर्डर के पास भी जय श्री राम के स्वर गूंज रहे हैं। यहां तनोट माता मंदिर में बीएसएफ के जवान रामायण पाठ कर रहे हैं, जिसकी पूर्णाहुति आज होगी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में महिलाओं ने अपने हाथों में राम नाम की मेहंदी लगवाई।

वहीं, बिहार में जदयू के प्रदेश प्रवक्ता और मशहूर नेत्र चिकित्सक सुनील सिंह ने राम नाम लेकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि आज पूरा भारतवर्ष राममय है। जय श्री राम के उद्घोष से, गीत-संगीत से सर्वत्र हर्षोल्लास है। आज के पावन दिन प्रभु श्री राम जी के आदर्शों का अनुसरण करते हुए प्रभु श्री राम जी के आदेश से मैं अपनी जदयू की प्राथमिक सदस्यता एवं प्रवक्ता पद से त्यागपत्र को सार्वजनिक करता हूं।

इधर, तमिलनाडु में भी राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर विवाद हुआ। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु सरकार पर आरोप लगाया कि कांचीपुरम जिले में 466 LED स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी। लेकिन, 400 से अधिक स्थानों पर पुलिस ने प्रसारण को रोकने के लिए या तो स्क्रीन जब्त कर ली है या पुलिस बल तैनाती कर दी है। उन्होंने कहा कि ये हमारे पूजा करने के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है।

राहुल गांधी की यात्रा रोकने का किसी में दम नहीं : सीएम सुक्खू

असम मुख्यमंत्री अड़चनें पैदा कर गलत मानसिकता का परिचय दे रहे

शिमला, 22 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को शिमला में कहा कि राहुल गांधी की यात्रा रोकने का किसी में दम नहीं है। राहुल गांधी खुद इतने मजबूत हैं कि वह किसी से घबराने वाले नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में जो समर्थन राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा को मिल रहा है, उससे घबराकर और ध्यान भटकाने के लिए यह प्रयास किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी को रोकने का कोई औचित्य नहीं बनता। इस तरह की अड़चनें गलत मानसिकता का परिचय देती हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने देश की एकता व अखंडता के लिए यह यात्रा शुरू की है। लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा के उस बयान की निंदा

की, जिसमें राहुल गांधी को बाद में गिरफ्तार करने की बात कही गई है।

पिछले कल राहुल के साथ असम में हुई धक्का-मुक्की

असम में राहुल गांधी के साथ बीते रविवार को धक्का-मुक्की हुई। राहुल को बचाते हुए उनके सिक्योरिटी गार्ड उन्हें बस के अंदर वापस ले गए। घटना के दौरान राहुल का काफिला सोनितपुर में था। राहुल ने घटना को लेकर कहा- बीजेपी के कुछ कार्यकर्ता झंडा लेकर हमारी बस के सामने आ गए। मैं बस से निकला, वो भाग गए। हमारे जितने पोस्टर फाड़ने हैं, फाड़ दो। हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी विचारधारा की लड़ाई है, हम किसी से नहीं डरते हैं। न ही नरेंद्र मोदी से, न असम के मुख्यमंत्री से।

संत श्री शंकरदेव के जन्मस्थल पर दर्शन करने से रोका

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के नौवें दिन यानी आज (22 जनवरी) राहुल गांधी असम के नगांव पहुंचे। वे यहां बोर्दोवा थान में संत श्री शंकरदेव के जन्मस्थल पर दर्शन करने आए थे, लेकिन उन्हें यहां एंट्री नहीं दी गई।

आज हैबरगांव में रोके गए राहुल गांधी

सुरक्षाबलों ने राहुल और अन्य कांग्रेसी नेताओं को रास्ते में हैबरगांव में रोक दिया। यहां सुरक्षाबलों से बहस के बाद राहुल और अन्य कांग्रेसी नेता धरने पर बैठ गए। सभी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद 3 बजे मंदिर आने के लिए कहा गया है। इस पर हिमाचल के मुख्यमंत्री ने तीखी प्रतिक्रिया दी और असम सरकार के रवैये को तानाशाह बताया।

मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे का विरोध मार्च

अहमदनगर में बोले- हमें रोका तो नतीजा बुरा होगा; डिप्टी सीएम अजित से पूछा-रिजर्वेशन में देरी क्यों

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे मराठाओं के आरक्षण के लिए जालना से मुंबई तक विरोध मार्च निकाल रहे हैं। शनिवार (20 जनवरी) से शुरू हुआ उनका मार्च आज (22 जनवरी) को अहमदनगर पहुंचा। यहां उन्होंने महाराष्ट्र सरकार पर आंदोलन को नजरअंदाज करने के आरोप लगाया। उन्होंने कहा- डिप्टी सीएम अजित पवार को इस मामले को लेकर महाराष्ट्र सरकार से पूछना चाहिए कि आरक्षण में इतनी देरी क्यों हो रही है। मैं सरकार के साथ बात करने के लिए तैयार हूं।

उन्होंने आगे कहा- अगर हमारी रैली को रोकने की कोशिश की तो इसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। इस आंदोलन को खत्म करने का प्रयास अब नहीं हो सकता है। एक लोकतांत्रिक देश में हमें रैली निकालने का पूरा अधिकार है।

मैं मुंबई में धरने पर बैठने की मंजूरी भी ले चुका हूं।

मनोज जरांगे की यह रैली गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) के दिन मुंबई पहुंचेगी। उनके मुताबिक, अगर सरकार आंदोलन को नजरअंदाज करती रही तो वे मुंबई में भूख हड़ताल करेंगे। जरांगे की मांग राज्य के मराठाओं को कुनबी समाज में शामिल कराने की है। इससे पूरी कम्युनिटी ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की श्रेणी में आजाएगी और आरक्षण का लाभ ले सकेगी।

उधर, सीएम शिंदे ने मामले को लेकर शनिवार (20 जनवरी) को कहा था कि राज्य पिछड़ा आयोग 23 जनवरी से एक सर्वे शुरू कर रहा है। इसमें यह पता लगाया जाएगा कि मराठा कम्युनिटी के लोग सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से कितने पिछड़े हैं।

एससी में वुमन रिजर्वेशन से जुड़ी याचिका पर सुनवाई

याचिकाकर्ता की मांग- परिसीमन-जनगणना का इंतजार न करें, यह लोकसभा चुनाव से पहले लागू हो

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार (22 जनवरी) को लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करेगा। यह याचिका कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने दायर की है। मामला जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच में लिस्टेड है।

मामले की सुनवाई दोबारा शुरू हो रही है। दरअसल पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार की तरफ से कोई वकील मौजूद नहीं था, इसलिए सुनवाई स्थगित कर दी गई थी। नारी

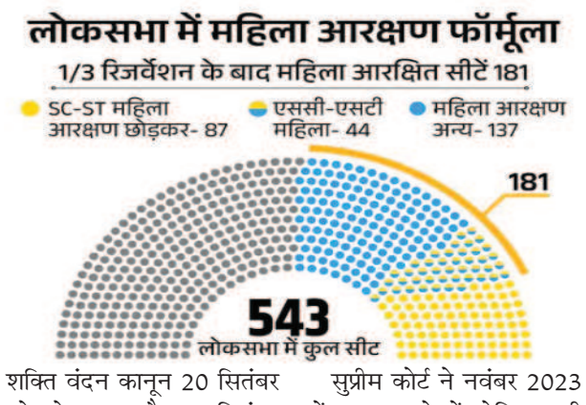

शक्ति वंदन कानून 20 सितंबर को लोकसभा और 21 सितंबर 2023 को राज्यसभा से पारित हुआ था।

पिछले साल नोटिस जारी करने से इनकार कर चुका है एससी

सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2023 में इस मामले में नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था और कहा था- नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक 2023 के प्रावधान को रद्द करना बहुत मुश्किल होगा, क्योंकि यह महिलाओं के लिए 33% कोटा देता है। जब तक जनगणना और परिसीमन की कवायद नहीं हो जाती, विधेयक लागू नहीं किया जाएगा।

जनहित याचिका में कहा गया है कि रिजर्वेशन विधेयक लागू करने के लिए जनगणना और परिसीमन की कोई जरूरत नहीं, क्योंकि सीटों की संख्या पहले ही घोषित की जा चुकी है। ये संशोधन मौजूदा सीटों के लिए 33% आरक्षण देता है। हमारे देश में यह माना जाता है कि 50% आबादी महिलाओं की है, लेकिन चुनावों में उनका प्रतिनिधित्व केवल 4% है।

बिलकिस गैंगरेप के 11 दोषियों का सरेंडर

देर रात दो गाड़ियों में गोधरा जेल पहुंचे; एससी ने और वक्त देने की याचिका खारिज की थी

वडोदरा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बिलकिस बानो गैंगरेप मामले के 11 दोषियों ने रविवार (21 जनवरी) देर रात गोधरा जेल अधिकारियों के सामने सरेंडर कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस से गैंगरेप के दोषियों को समय से पहले रिहा करने के गुजरात सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने सभी दोषियों को दो हफ्ते के भीतर यानी 21 जनवरी तक सरेंडर करने के लिए कहा था।

सरेंडर करने वाले सभी 11 दोषी दो वाहनों में सवार होकर दाहोद जिले के सिंगवाड से गोधरा उप-जेल पहुंचे। दोषियों में राधेश्याम शाह, जसवंत नई, गोविंद नई, केसर वोहनिया, बाका वोहनिया, राजू सोनी, रमेश चंदना, शैलेश भट्ट, बिपिन जोशी, प्रदीप मोधिया और मितेश भट्ट शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सभी आरोपियों को ट्रैक किया था। सरेंडर के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

19 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की थी याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (19 जनवरी) को बिलकिस बानो गैंगरेप मामले के 11 दोषियों के सरेंडर की अवधि बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। सर्जरी, किसी ने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल करने, किसी ने फसलों की कटाई का कारण बताकर सरेंडर की तारीख बढ़ाने की मांग की थी।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि दोषियों ने सरेंडर के लिए समय बढ़ाने के जो कारण बताए, उनमें दम नहीं है। दोषियों में से किसी ने अपने बेटे की शादी, किसी ने पैर की

8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया था गुजरात सरकार का फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस से गैंगरेप के दोषियों को समय से पहले रिहा करने के राज्य सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था।

कोर्ट ने सभी दोषियों को दो हफ्ते के भीतर यानी 21 जनवरी तक सरेंडर करने के लिए कहा था। कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा था- गुजरात सरकार दोषियों को कैसे माफ कर सकती है। सुनवाई महाराष्ट्र में हुई है तो रिहाई पर फैसला भी वहीं की सरकार करेगी।

गुजरात के मेहसाणा में शोभायात्रा पर पथराव, 5 घायल

राम मंदिर प्राणप्रतिष्ठा से पहले जुलूस निकाल रहे थे; पुलिस ने आंसूगैस छोड़ी, 15 हिरासत में

मेहसाणा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव है। इसे लेकर देशभर के राम भक्त काफी उत्साहित हैं। गुजरात के मेहसाणा जिले के खेरालु में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव से एक दिन पहले रविवार (21 जनवरी) भगवान श्री राम की शोभायात्रा निकाली गई।

जब ये जुलूस मस्जिद के पास से गुजर रहा था तब कुछ लोगों ने वहां से पथराव कर दिया। भगदड़ मचने के बाद हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को 10 राउंड आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। पथराव करने वालों को पकड़ने के लिए इलाके में पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है। आईजी वीरेंद्र सिंह यादव ने कहा कि शाम 4 बजे शोभायात्रा बेलिम इलाके से निकल रही थी। तलाशी के बाद 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। पथराव में 5 लोगों के घायल होने की खबर है। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई है।

पथराव में राहगीर भी घायल हुए

शोभायात्रा के दौरान हुए पथराव में पांच लोगों को मामूली चोटें आई हैं। वहीं खेरालू के 62 साल के प्रवीण भाई अंबालाल बारोट एक शादी से आ रहे थे तभी असामाजिक तत्वों ने उन पर लाठियों से हमला कर दिया। जिससे उनके सिर और हाथ में चोटें आईं।

उनके सिर में 8 टांके लगे और हाथ में फ्रैक्चर हो गया है। उन्हें वडनगर सिविल हॉस्पिटल में रेफर किया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बेलिम इलाके में बनी मस्जिद के पास पथराव किया गया है। इसका वीडियो शोभायात्रा में शामिल कुछ लोगों ने रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो में कुछ महिलाएं भी पत्थर फेंकती हुई नजर आ रही हैं। विवाद बढ़ने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आंसू गैस के गोले दागे। पुलिस घायलों से पूछताछ कर रही है।

रामलला के आगमन पर सीएम केजरीवाल ने दी बधाई

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में आखिर रामलला विराजमान हो गए। पूरे विधि-विधान के साथ भगवान के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसी बीच रामलला की मूर्ति की बेहद खास तस्वीरें सामने आई हैं। जिसके बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रामलला की तस्वीर साझा करते हुए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए रामलला की तस्वीर साझा की। साथ ही लिखा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापन के इस पवित्र अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाईयां और शुभकामनाएं। जय सिया राम।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापन के इस पवित्र अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाईयाँ और शुभकामनाएँ।

वहीं दूसरी तरफ दिल्ली के कई इलाकों में लोगों ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सदर बाजार में 12 टूटी चौक पर अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर दिल्ली में भी व्यापारियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। चौक पर एलईडी लगाकर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्राण प्रतिष्ठा के बाद समारोह के लिए आए अतिथियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सियावर रामचंद्र की जय! आपको सबको प्रणाम, सबको राम-राम! आज हमारे राम आ गए हैं। सदियों की प्रतिक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों का अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। इस शुभ घड़ी की आप सभी को, समस्त देशवासियों को बधाई। मैं गर्भ गृह में ईश्वरीय चेतना का साक्षी बनकर आपके सामने उपस्थित हुआ हूं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि कितना कुछ कहने को है, लेकिन कंठ अवरूद्ध है, शरीर स्पंदित है, चित्त अभी भी उस पल में लीन है। हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब दिव्य मंदिर में रहेंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले मंदिर उद्घाटन बीजेपी की चाल: ममता

कोलकाता, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की सद्भावना रैली शुरू हो गई है। रैली दक्षिण कोलकाता के हाजरा क्रॉसिंग से शुरू हुई। इसमें सभी धर्म के लोग शामिल हैं। इससे पहले ममता कोलकाता के कालीघाट मंदिर पहुंचीं और काली माता की पूजा की। रैली हाजरा मोड़ से पार्क सर्कस मैदान तक जाएगी। ममता इस रास्ते पर पड़ने वाले मस्जिदों, चर्चों और गुरुद्वारों सहित विभिन्न धार्मिक स्थानों पर जाएंगी।

ममता ने सभी टीएमसी कार्यकर्ताओं से भी अपने-अपने क्षेत्र में रैली निकालने की अपील की है।

ममता अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं। तृणमूल कांग्रेस की ओर से कार्यक्रम में किसी ने शिरकत नहीं की। तृणमूल कांग्रेस के नेता रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को पॉलिटिकल इवेंट कहा है। उनका मानना है कि बीजेपी 2024 के लोकसभा चुनाव अभियान के लिए राममंदिर को एक सप्रिंगबोर्ड की तरह इस्तेमाल करना चाहती है। इसीलिए पार्टी ने इस इवेंट से दूरी बनाई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करके भाजपा वोट जुटाने की चाल चल रही है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे उत्सवों का समर्थन नहीं करती हूं जो दूसरे समुदाय को शामिल न करें।

साउथ 24 परगना में एक कार्यक्रम में ममता ने कहा कि मैं ऐसे त्योहार में भरोसा करती हूं जो सबको साथ लाए, सबकी बात करे। आपको जो करना हैं करो, आपको लोकसभा चुनाव के पहले ऐसी तिकड़म लगानी है, लगाओ, मुझे कोई परेशानी नहीं है। लेकिन दूसरे समुदाय के लोगों को दरकिनार करना सही नहीं है। जब तक मैं जिंदा हूं, हिंदू और मुस्लिमों के बीच भेदभाव नहीं होने दूंगी।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 23 जनवरी - 2024

एंटीबायोटिक का अधाधुंध उपयोग

किसी बीमारी से मुक्ति के लिए जाहिर है डाक्टरी सलाह पर दवाओं का उपयोग किया जाता है लेकिन जब डाक्टर व दुकानदार गैरजरूरी तरीके से कुछ दवाओं का अत्यधिक सेवन करने की सलाह देते हैं तो वह फायदे की बजाय नुकसान करने लगता है। वह भी तब जब एंटीबायोटिक दवाओं की अधाधुंध उपयोग किया जाए तो लेने के देने पड सकते हैं। आधुनिक चिकित्सा पद्धति के संदर्भ में यह बात लंबे समय से कही जाती रही है कि जो दवा किसी तकलीफ को ठीक या कम कर सकती है, उसी का दुष्परिणाम किसी व्यक्ति की मुश्किलें भी बढ़ा सकती है। आजकल जीवाणुनाशक या एंटीबायोटिक दवाओं के मनमाने इस्तेमाल के घातक नतीजे सामने आने लगे हैं। इस मसले पर अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों और संगठनों के चिकित्सकों से कहा है कि वे किसी मरीज को एंटीबायोटिक दवाएं लेने का परामर्श देते समय अनिवार्य रूप से बीमारी के लक्षण और कारण बताएं। साथ ही मरीजों को यह भी बताएं कि यह दवा उन्हें क्यों दी जा रही है, कितने दिनों तक खाना चाहिए और इसके क्या परिणाम होंगे। यह बात तो सभी जानते हैं कि किसी मरीज के इलाज के दौरान दवा लेने की सलाह देते हुए आमतौर पर डाक्टर बिना किसी संकोच के एंटीबायोटिक दवाएं लेने की सलाह देते हैं। इसके अलावा, तबीयत खराब होने पर अक्सर लोग कई बार बिना चिकित्सक की सलाह के, स्थानीय दुकान से दवा खरीद कर धड़ल्ले से एंटीबायोटिक दवा का इस्तेमाल कर लेते हैं। भविष्य में इसके क्या दुष्परिणाम होंगे इससे लोग अक्सर अनजान ही होते हैं। ऐसे में एंटीबायोटिक दवा देने को लेकर डाक्टरों से लेकर दवा दुकानों तक के लिए एक सख्त नियम की जरूरत है। यही वजह है कि सरकार ने सभी दवा विक्रेताओं से एंटीबायोटिक दवाओं की बिना पर्ची के होने वाली बिक्री बंद करने और उन्हें केवल योग्य डाक्टर के परामर्श पर ही बेचने की अपील की है। सरकार ने जो चिंता जताई है, वह वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है और इन दवाओं के सेवन को लेकर लंबे समय से संतुलन और विवेक का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती रही है। लेकिन न तो चिकित्सकों की ओर से एंटीबायोटिक की सलाह देते हुए सावधानी बरती जाती है और न ही आम लोगों के बीच इस मसले पर जागरूकता कहीं दिखाई देती है। ऐसे मामले आगे चल कर एक दिन चिंता का बडा कारण बन जाते हैं, जिनमें किसी मरीज को अगर कोई दवा दी जाती है तो उस पर उसका कोई खास असर नहीं बडता है। इसकी जड़ में भी एंटीबायोटिक दवाओं का गलत इस्तेमाल ही बताया जा रहा है। इसलिए जब डाक्टर ऐसी दवाओं के इसतेमाल की सिफारिश करें तो सोच-ममझ कर ही करें, ताकि लोगों के सेहत से खिलवाड न होने पाए। अधिक एंटीबायोटिक के सेवन से मरीज पर दूसरी दवाओं का प्रभाव भी बेअसर होने लगता है और रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी जवाब देने लगती है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसी स्थिति में अगर व्यक्ति किसी गंभीर रोग की चपेट में आए तो उसे किस तरह के जोखिम और मौत के खतरे तक का सामना कर पड़ सकता है। कोई भी रोग होने पर एलोपैथी दवाओं का सेवन करते हुए उसके दुष्परिणामों को लेकर सचेत रहने की जरूरत होती है, क्योंकि अगर किसी दवा से एक बीमारी में राहत मिलती है तो उसी से कोई अन्य दिक्कत पैदा होने की आशंका भी बढ़ सकती है। इसलिए दवाओं का इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से किया जाए तो वही बेहतर होगा।

बिहार और झारखंडः विभाजन के पूर्व और पश्चात का चित्रण

अशोक कुमार झा

यह बात 1990 से 2000 के बीच की है, जब झारखण्ड आंदोलन अपना काफी उग्र रूप ले चुका था और बिहार के तत्कालीन सभी राजनेताओं को इस बात की चिंता सताने लगी थी क्योंकि पूरे देश में बिहार उस समय खनिज का बहुत बड़ा भंडार माना जाता था और उसके बदले बिहार को केंद्र से भारी भरकम रॉयल्टी दी जाती थी जो राज्य की अर्थ व्यवस्था का बहुत बड़ा हिस्सा था। ऐसे में एक बहुत बड़ी चिंता यह सताने लगी थी कि अगर झारखण्ड वास्तव में बिहार से अलग हो गया तो उसके बाद बिहार की अर्थ व्यवस्था का क्या होगा ? यह उस समय के हिसाब से यह एक बहुत बड़ा सवाल था जिसका जवाब शायद तब किसी के पास नहीं था। उस समय बिहार के लिए झारखण्ड की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता था जब केंद्र में पी वी नरसिंहा राव की सरकार थी और बिहार में लालू यादव की गैर कांग्रेसी यानी उस समय की जनता दल की सरकार थी, उस समय लालू यादव ने केंद्र को धमकी धमकी देते हुए कहा था कि पूरी दिल्ली में अंधेरा कर दूंगा यानी बिहार से एक कण कोयला भी बाहर नहीं जाने दूंगा । कहने का मतलब यह कि कोयला और इतने सारे खनिज का भंडार उस समय बिहार का एक अभिमान और अर्थ व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती थी जिसके निकाल देने के बाद उस समय आने वाले बिहार की कल्पना बिना रीढ़ के एक गरीब और बीमारू राज्य के रूप में की जा रही थी। शायद यही वजह थी और आप सभी को यह याद भी होगा कि उस समय के बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने यहां तक कह दिया था कि बिहार का विभाजन हमारी लाश पर होगा, जिसका मतलब यह था कि बिहार के विभाजन को अपनी सहमति देकर शेष बिहार के लोगों की नाराजगी लेने का जोखिम उस समय कोई भी नही उठाना चाहता था। परंतु 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा नेता अटल बिहारी बाजपेई ने झारखण्ड के लोगों की जन भावनाओं को देखकर यह वायदा कर दिया कि अगर केंद्र में उनकी सरकार बनी तो झारखण्ड, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का दर्जा देंगे जिसका उन्हें चुनाव में फायदा भी हुआ और इतना फायदा हुआ कि 1999 में पहली बार अटलजी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा की सरकार भी बन गई । फिर अपने वायदे के मुताबिक उन्होंने झारखण्ड के साथ-साथ उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का दर्जा देने का अपना वादा भी पूरा कर दिया। अब वह समय आ गया था, जब शेष बचे बिहार में सम्पदा के नाम पर अब कुछ नही बचा था क्योंकि शेष बिहार यानि उत्तर बिहार में स्थापित चीनी उद्योग, पेपर उद्योग सहित जितने भी उद्योग धंधे थे, वह पहले ही बंद हो चुके थे। फिर तो राज्य की आमदनी का एक मात्र साधन बचा था कृषि जो हर साल कभी सुखार तो कभी दहार की मार झेलते झेलते ऐसे ही बर्बादी की कगार पर चली गई थी। उस समय वास्तव में बिहार के किसानों की हालत ऐसी थी कि अपने खेत में खाद और बीज डालने के लिए उसे जो बैंक से कर्ज लेना पड़ता था, उसको वापिस चुकाने का उसके पास पैसा नहीं जमा हो पाता था। उस समय पूरे उत्तर बिहार में एक गाना चल रहा था कि "तू ले ले झारखण्ड तोहर तोरबऊ घमंड"। फिर बदहाल और तंग बिहार में सत्ता परिवर्तन की मांग शुरू हो चुकी थी, जिसका नतीजा यह हुआ कि बिहार में 2005 में एनडीए के गठबंधन की सरकार बनी और उसके बाद लगातार बिहार में विकास का नया दौर शुरू हो गया जो वास्तव में कई चुनौतियों से भरा पड़ा था पर सारी चुनौतियों को पार करते हुए बिहार में तेजी से विकास होता चला गया जिसका नतीजा यह हुआ कि आज का बिहार उस खनिज से भरे पड़े झारखण्ड से काफी आगे निकल गया जिससे हम इनकार नहीं कर सकते।

अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिन

अशोक भाटिया

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से हासिल हुआ है, जिसका 550 सालों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तरंजित इतिहास शामिल है। अनगिनत आन्दोलनों के बाद अब अंततः 22 जनवरी 2024 के दिन हिन्दू समाज को अपने आराध्य प्रभु श्रीराम को जन्मभूमि पर निर्मित भव्य मन्दिर में पुर्नस्थापित करने का गौरव प्राप्त हो रहा है। यह दिन भारत की आस्था, अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव की पुनर्स्थापना का दिवस है। राम राष्ट्र की संस्कृति है, राम राष्ट्र के प्राण है, राम के मंदिर का मतलब भारत का नवनिर्माण है। सोमनाथ मंदिर को अंतिम बार औरंगजेब ने यह कहकर तोड़वाया था कि, 'इस बार इसे पूरी तरह नेस्तानाबूद कर दो कि मंदिर का कहीं कोई निषान तक दिखाई न दे।' सोमनाथ पर मंस्जिद और कब्रिस्तान को सरदार पटेल ने इतिहास की विकृति का चिह्न और राष्ट्रीय अपमान बताकर कहा था कि, '' राष्ट्र के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण आवष्यक है।'' गांधी जी भी इससे सहमत थे। हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्री राम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मायने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतों के कारण इस

मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने दूसरा मोड़ ले लिया लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी ढांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबरदार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे। यह भी कम दुखद नहीं है कि उस निर्णय के बाद भी मंदिर निर्माण में अड़ंगे लगाने वाले विघ्नसंतोषी अपनी हरकतों से बाज नहीं आए। यहां तक कि प्राण-प्रतिष्ठा के ऐतिहासिक आयोजन की पूरी तैयारियां हो जाने के बाद भी उसे विफल करवाने में एक वर्ग जी-जान से जुटा है। कुछ धर्माचार्य भी इस मुहिम में शामिल हो गए हैं। शाश्वत राष्ट्रीय अस्मिता को तात्कालिक और राजनीतिक हानि-लाभ की दृष्टि से देखा जा रहा है। वास्तव में, कपटी और विकृत सिद्धांतकारों की परेशानी सहज और स्वाभाविक है। कई दशकों की उनकी दुकान के उठ जाने की सबल संभावना कोई सामान्य घटना नहीं है। उनके शब्द चुक गए हैं। प्रयोग में लाये नये शब्दों की शब्द शक्ति समाप्त हो गई है। वे अपनी पुरानी और सतही अवधारणाओं के बंधुआ श्रमिक हैं। किसी नये शब्द संसार की सृष्टि कर पाना अब उनके लिए संभव नहीं है। इन सभी ने गांधीवाद को बेच खाया। इनका समाजवाद पिट गया। पूंजीवाद का संताप भोग रहे देशों की दुर्दशा सबके सामने है। उनके सामने समस्या है कि क्या कहें, क्या करें? नश्वर को अनश्वर ओर समय सापेक्षता को सनातनता मानकर की गई भूल का परिमार्जन करने का उनमें साहस भी नहीं है। यही कारण है राष्ट्रीय संताप को समाप्त करने का अभियान अयोध्या से प्रारंभ हुआ और राष्ट्रीय अस्मिता राम रथ पर सवार होकर सोमनाथ से अयोध्या की ओर चली तो इन छद्मवेशियों के मोहल्ले में कोहराम मच गया। जिस दल की वैचारिक धारा में देश के सभी नागरिक समान रूप से शामिल नहीं होंगे, वह दल विकल्प नहीं बन सकता। वह देश का हित भी नहीं कर सकता।

देश किसी छोटे-बड़े प्रतिशत का नहीं, उस शत प्रतिशत का होता है जो इसके प्रति पूर्ण प्रतिबद्ध, बिना शर्त और सहजभाव से समर्पित होते हैं। देश की आबादी के इस सहज समर्पण को ही राष्ट्रीयता की संज्ञा प्रदान की गई। देश की आबादी का हर वह अंश जो असहज हो, अपने विषय में अलग से सोचता हो, केवल अपने हित को ही राष्ट्रहित समझता हो, अराष्ट्रीय है। इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देने और इसका पालन पोषण करने वाले सभी लोग अराष्ट्रीयता को बल प्रदान करने के अपराधी हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि, शताब्दियों का संघर्ष अब अयोध्या में प्रत्यक्ष साकार रूप में फलीभूत होता दर्शित हो रहा है। भारत के कण-कण में राम हैं। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की सुप्त आत्मा को जागृत करने का काम किया है। राम मंदिर के निर्माण से सशक्त राष्ट्र का निर्माण होने वाला है। राम मंदिर के निर्माण से भारत में रामराज्य आने वाला है। भारत की जय जयकार दुनिया में हो रही है। यह वास्तव में भारत की सुप्त आत्मा है। यही भारत को दुनिया के अंदर सर्वशक्तिशाली बनायेगी। भारत के प्रत्येक व्यक्ति के मन में जो रामभक्ति है वहीं राष्ट्रभक्ति है। राजनीति तोड़ने का कार्य करती है, धर्म जोड़ता है। राम मंदिर ने देश को जोड़ दिया है। राष्ट्रीय अस्मिता और अखण्डता भी अयोध्या से जुड़ी है। श्रीराम मंदिर केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं है, इसके साथ देश का अर्थशास्त्र भी जुड़ा है। भावी सामाजिक संरचना की संकल्पना भी जुड़ी है।

अयोध्या अब राजनीति का भावी स्वरूप निर्धारित करेगी। व्यक्ति और राष्ट्र का चरित्र निर्माण, कालसापेक्ष किन्तु कालातीत दर्शन और दृष्टि का सृजन बीज राम मंदिर निर्माण में निहित है। विश्व के कई देशों में रचने और बसने वाले हिन्दू धर्मावलंबी तो राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्साहित हैं ही ,अनेक ऐसे देश भी इसमें सहभागिता दे रहे हैं जो अन्य किसी धर्म का पालन करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि श्री राम की स्वीकार्यता पूरे विश्व में है। उस दृष्टि से 22 जनवरी की तिथि विश्व इतिहास में सदा के लिए अमर रहेगी। श्रीराम की जन्मभूमि पर उनका भव्य मंदिर दुनिया भर में फैले असंख्य सनातनियों की आस्था और आकांक्षा का अभिनव केंद्र बनेगा, इसमें किसी को संदेह नहीं है। राममंदिर किसी की आस्था पर आक्रमण नहीं, भारत की अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का उत्तर है।

राम मंदिर देश और अयोध्या में अनेक हैं, अनेक और मंदिर बनाए जा सकते हैं किंतु राम जन्मस्थान एक ही हो सकता है, अनेक नहीं। इस पवित्र राष्ट्रीय स्थान पर राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप एक मंदिर बनना, राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की गारन्टी ही नहीं, भारत की पहचान का प्रमाणपत्र भी है।

राहुल की यात्रा महान लोकतंत्र के राम की 'प्राण प्रतिष्ठा' है !

श्रवण गर्ग

पंद्रह राज्य, 110 ज़िले, 6,713 किलो मीटर लंबा रास्ता और 66 दिनों का सड़कों पर सफ़र ! जनता के बीच, जनता के लिए ! 'लोकतंत्र के राम' की देश की 140 करोड़ जनता के हृदयों में प्राण प्रतिष्ठा के लिए ! एक लगातार चलने वाली यात्रा। लोगों की आँखों में आँखें डालकर उनके आंसुओं में ख़ुशी और ग़मों की तलाश करने का यज्ञ। जनता से उसकी ही ज़ुबान में ही बातचीत करने की कोशिश। कोई छोटा-मोटा काम नहीं हो सकता। यह यात्रा उस चार हज़ार किलो मीटर के साहस से भिन्न है जिसे कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल नापा गया था और जिसने देश भर में उम्मीदें जगा दी थीं कि चीजें और सत्ताएँ बदली जा सकतीं हैं। ज़रूरत सिर्फ़ एक ईमानदार संकल्प की है ! वक्त के मान से पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' ज़्यादा लंबी थी पर इसलिए छोटी थी कि नदियों, पहाड़ों, जंगलों और निर्जन स्थलों से गुज़रते वक्त भी लोगों का एक बड़ा समूह हरदम साथ चलता था। वह यात्रा 150 दिनों की थी। यह सिर्फ़ 66 दिनों की है। अभी सिर्फ़ तीन राज्य और दो सप्ताह ही पूरे हुए हैं। इस यात्रा में सुनसान रास्तों से गुज़रते वक्त बस में कुछेक सहयोगी और केवल एक यात्री ही रहने वाला है। बस की खिड़की से बाहर बसे भारत को चुपचाप निहारता हुआ। हज़ारों किलो मीटर की इस अद्भुत और ऐतिहासिक यात्रा के दौरान कभी एक क्षण ऐसा भी आ सकता है जब राहुल गांधी स्वयं से सवाल करने लगें कि भारत की जिस तस्वीर को वे बदलना चाह रहे हैं वह अगर 2024 के चुनावों के बाद भी नहीं बदली तो वे क्या करने वाले हैं ? क्या देश का धैर्य उनका लंबे वक़्त तक साथ देने के लिए तैयार होगा ? अगर चीजें नहीं बदलीं तो क्या उन्हें इसी तरह की या और ज़्यादा कठिन कई नई यात्राएँ करना पड़ेंगी ? उन यात्राओं की तब दिशा क्या होगी ? सहयात्री कौन बनेंगे ? क्या देश को तब तक ऐसी स्थिति में बचने दिया जाएगा कि उनके जैसा कोई व्यक्ति जनता को जगाने वाली किसी भी यात्रा के लिए सड़कों पर निकल सके ? राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया था वह आज भी क़ायम है। उसमें कोई कमी नहीं हुई है। मैंने तब लिखा था कि :' यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताक़तें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं। राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताक़तें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं। यात्रा की सफ़लतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएँ की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते।' राहुल की पहली यात्रा निर्विघ्न समाप्त हो गई थी। इस समय सवाल यह है कि क्या इस दूसरी यात्रा को बिना किसी बाधा के पूरा होने दिया जाएगा ? राहुल को गुवाहाटी से मिल रही धमकियाँ किस ओर इशारा कर रहीं हैं ? आश्चर्य नहीं होता कि देश के भीतर व्याप्त व्यापक नागरिक उत्पीड़न और सीमाओं पर उपस्थित अशांत माहौल के बीच भी वे तमाम लोग जिनका सत्ता पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियंत्रण है अपनी राजनीतिक सुरक्षा और व्यावसायिक संपन्नता के प्रति पूरी तरह से निश्चिंत और आश्वस्त हैं ?

इसके पीछे कोई तो कारण अवश्य होना चाहिए जो देश की जानकारी में नहीं है और जनता को उसके प्रति चिंता भी व्यक्त करना चाहिए। राहुल गांधी शायद उस अज्ञात कारण को जानते हैं। इस यात्रा को उसी का परिणाम माना जाना चाहिए ? संदेह होता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को योजनाबद्ध तरीक़े से एक राष्ट्रीय उत्सव में इसीलिए तो नहीं तब्दील किया जा रहा है कि राहुल गांधी की यात्रा से उत्पन्न होने वाला नागरिक उत्साह उसके प्रचारात्मक शोर-शराबे में गुम हो जाए ? सारे मणिपुर और कश्मीर लोकसभा चुनावों तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी समारोहों की राजनीतिक गूंज में सफलतापूर्वक दफ़्न कर दिए जाएँ ? क्या ऐसा कर पाना संभव हो पाएगा ? विश्व-इतिहास में शायद पहले बार अनोखा प्रयोग हो रहा है कि एक तरफ़ तो एक अकेला इंसान जनता को न्याय दिलाने की आकांक्षा और संकल्प के साथ सड़कों पर निकला हुआ है और दूसरी ओर दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक मुल्क की हुकूमत ने अपनी समूची सामर्थ्य को सिर्फ़ इस काम में झोंक दिया है कि जनता को धर्म के नशे में इतना लीन कर दिया जाए कि वह यात्रा को देखने के लिए भी आँखें नहीं खोल पाए। राहुल गांधी की महत्वाकांक्षी यात्रा जनता को अपने पैरों पर खड़े करने की कोशिशों की दिशा में एक लंबे समय तक के लिए अखीरी प्रयास मानी जा सकती है। कहा नहीं जा सकता कि देश के जीवन में इस तरह का क्षण आगे कब उपस्थित होगा ! मणिपुर से प्रारंभ हुई यात्रा की लोकसभा चुनावों के ठीक पहले मुंबई में समाप्ति के साथ राहुल गांधी का काम पूरा हो जाएगा। अपनी दो यात्राओं (दक्षिण में कन्याकुमारी से उत्तर में कश्मीर और पूर्व में मणिपुर से पश्चिम में मुंबई) के ज़रिए वे देश को अपना सब कुछ दे चुके होंगे ! सवाल यह है कि क्या देश की जनता ने सोचना प्रारंभ कर दिया है कि राहुल गांधी उसके लिए क्या कर रहे हैं ? क्यों चल रहे हैं ? यात्रा का मक़सद क्या है ? यात्रा के क्या परिणाम निकलने वाले हैं ? यात्रा की सफलता-असफलता में भारत का भविष्य कैसे छुपा हुआ है ? अभी सोचा नहीं गया होगा कि राहुल गांधी अगर चलना बंद कर दें तो दूसरा कौन है जो चलने वाला है ? इतने बड़े देश में क्या कोई और नज़र आता है जो भविष्य की किसी भारत जोड़ो यात्रा के लिए राहुल के हाथ से लेकर मशाल अपने हाथों में थाम लेगा ? राहुल की यात्रा की सफलता के लिए की जा रही प्रार्थनाओं के स्वर सत्ता-प्राप्ति के मंगलाचरणों में नहीं डूबने दिए जाने चाहिए।

http://shravangarg1717.blogspot.com

न्यू कोचिंग पालिसी से शिक्षा में होगा सुधार !

सुनील कुमार महला

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने को चिं ग संस्थानों के लिए नए दिशानिर्देशों की घोषणा की है, जो बहुत ही स्वागत योग्य कदम है। वास्तव में शिक्षा मंत्रालय द्वारा ये कदम कोचिंग संस्थानों को विनियमित करने के लिए दिशा-निर्देश एक कानूनी ढांचे(लीगल फ्रेमवर्क) की आवश्यकता को पूरा करने के साथ साथ ही बेतरतीब तरीके से निजी कोचिंग संस्थानों की बढ़ोतरी को रोकने के लिए उठाए गए हैं। सच तो यह है कि आज पढ़ाई के तनाव में छात्रों की आत्महत्याओं के मामले देश में लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं और पैरेंट्स के द्वारा कोचिंग संचालकों की मनमानी की शिकायतें भी लगातार आ रही हैं। इसी वजह से यह नए नियम 'न्यू कोचिंग पालिसी और नये नियम' शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए हैं। आज हमारे देश में गली गली, मोहल्ले मोहल्ले, शहर शहर यहां तक कि गांवों तक में अनगिनत कुकरमुत्ते की भांति कोचिंग संस्थान खुल चुके हैं और इन कोचिंग संस्थानों में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का नामांकन किया जा रहा है और अच्छे रैंक, अच्छे मार्क्स प्राप्त करने की गारंटी भी दी जा रही है और उसके नाम पर मोटी फीस वसूली जा रही है। वास्तव में कोचिंग संस्थान अच्छे नंबरों, अच्छी रैंक दिलाने वाले, अभिभावकों और छात्रों को गुमराह करने वाले वादे नहीं कर सकते हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि कोचिंग संस्थान कोचिंग की गुणवत्ता या उसमें दी जाने वाली सुविधाओं या ऐसे कोचिंग संस्थान या उनके संस्थान में पढ़े छात्र द्वारा प्राप्त परिणाम के बारे में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी दावे को लेकर कोई भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकते हैं या प्रकाशित नहीं करवा सकते हैं या प्रकाशन में भाग नहीं ले सकते हैं।

वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा कोचिंग संस्थानों के लिए नए दिशानिर्देशों के अनुसार अब कोई भी कोचिंग संस्थान 16 वर्ष से कम आयु के छात्रों का नामांकन नहीं कर सकेंगे। हाल में जारी नये दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब कोई भी कोचिंग सेंटर स्नातक से कम शिक्षा वाले ट्यूटर को नियुक्त नहीं करेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो कोचिंग संस्थानों में पढ़ाने के लिए नई गाइडलाइन के मुताबिक शिक्षकों का ग्रेजुएट होना अनिवार्य है।वास्तव में छात्रों का नामांकन सिर्फ सेकेंडरी स्कूल एक्जामिनेशन के बाद होना चाहिए। अब कोचिंग संस्थान कोचिंग की गुणवत्ता या कोचिंग में प्रस्तावित सुविधाओं या हासिल किए गए परिणाम या कक्षाओं का हिस्सा रहे छात्रों के बारे में किसी भी दावे से जुड़ा गुमराह करने वाला विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकते। कोचिंग सेंटर किसी भी ऐसे ट्यूटर या व्यक्ति की सेवाएं नहीं ले सकते जिसे नैतिक रूप से भ्रष्टता के किसी अपराध में दोषी ठहराया गया हो। अब कोचिंग सेंटरों की वेबसाइट भी होगी जिन पर ट्यूटरों की शैक्षिक योग्यता, पाठ्यक्रमों, उन्हें पूरा किए जाने की समयावधि, छात्रावास आदि की सुविधाएं और कोचिंग संस्थानों द्वारा अभिभावकों से लिए जा रहे शुल्क का ताजा विवरण होगा। इतना ही नहीं कोचिंग बीच में छोड़ने पर कोचिंग संस्थानों को यथानुपात फीस भी लौटानी होगी। अब से पहले अधिकतर मामलों में अनुपात के अनुरूप फीस नहीं लौटाई जाती थी। नये जारी दिशा-निर्देशों के मुताबिक, विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए ट्यूशन फीस उचित होनी चाहिए और उसकी रसीद भी अभिभावकों को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। नये प्रावधानों के अनुसार यदि छात्र ने पाठ्यक्रम की पूरी फीस का भुगतान कर दिया है और वह किसी कारणवश पाठ्यक्रम विशेष को बीच में ही छोड़ देता है तो उसे 10 दिनों के भीतर यथानुपात में फीस रिफंड की जाएगी। इतना ही नहीं, यदि छात्र कोचिंग सेंटर के छात्रावास में रहकर अध्ययन कर रहा था तो छात्रावास एवं भोजनालय की फीस भी अभिभावकों को यथानुपात में रिफंड की जाएगी। किसी भी स्थिति में पाठ्यक्रम जारी रहने के दौरान उसकी उस फीस में बढ़ोतरी नहीं की जाएगी जिसके आधार पर छात्र का नामांकन किया गया है। नये प्रावधानों के अनुसार अब कोचिंग सेंटरों को तीन माह में पंजीकरण भी करना होगा। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि केंद्र सरकार ने यह सुझाव दिया है कि अत्याधिक शुल्क वसूलने के लिए कोचिंग सेंटरों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाना चाहिए या उनका पंजीकरण रद कर दिया जाना चाहिए। पंजीकरण उस स्थिति में रद्द होगा जब कोचिंग संस्थानों द्वारा सरकार द्वारा जारी नियमों का उल्लंघन किया जाएगा। यहां यह उल्लेखनीय है कि पहली बार नियमों का उल्लंघन करने पर 25000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा।

रेबड़ी ही रेबड़ी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कुर्सी पर बने रहने के लिए अश्रु जल ही पाद्य है, लंबी-लंबी फेंकना ही अर्घ्य है, झूठे आश्वासन ही आचमन हैं, टेलिप्रांप्टर भाषण ही मधुपर्क है, नए गुलदस्ते में पुराने फूल ही पुष्प हैं, रंग बदलना ही धूप है, दीपक है, शत्रुओं को चुप कराना ही चंदन है और पूँजीपतियों की जेब भरना ही विल्वपत्र है, लंबी रेस का घोड़ा बने रहने के आँगन में सौंदर्य तृष्णा रूपी खूँटा है, कुर्सीधारी का प्राण पुंज छाग उसमें बंध रहा है। पूँजीपति के सिर का खप्पर और प्रीति स्नेह है, प्रत्येक पाँच वर्ष के ठीक कोई न कोई नौटंकी या ड्रामा इसमें महाष्टमी है, और रेबड़ियाँ यौवन है।चुनाव घोषणा करके होम के समय यौवन रेबड़ियाँ कुर्सीपति के प्राण समिधाओं में मोहाग्नि लगाकर शत्रु तंत्र से मंत्रों से आहुति दे 'मानखण्ड के लिए शत्रु स्वाहा', 'बात मनवाने के लिए ईडी, आईटी आवा', 'प्रभावशाली कंलकियों को अपने गुट में मिलाने के लिए वाशिंग मशीन में धोवा' 'मन प्रसन्न करने के लिए यह लोक परलोक स्वाहा' इत्यादि, होम के अनन्तर हाथ जोड़कर स्तुति करना पड़ता है।हे रेबड़ी देवी ! मोहमाया की कुर्सी रूपी अनंत नभ में तुम गुब्बारा हो, क्योंकि बात-बात में आकाश में चढ़ जाती हो, पर जब धक्का दे देती हो तब चुल्लू भर पानी में डूबकर मरने का मन करता है अथवा पर्वत के शिखरों पर हाड़ चूर्ण हो जाते हैं। जीवन के मार्ग में तुम रेलगाड़ी हो। जिस समय रसना रूपी एन्जिन तेज करती हो, एक घड़ी भर में चौदह भुवन दिखला देती हो। कार्यक्षेत्र में तुम सूचना क्रांति हो, बात पड़ने पर एक निमेष में उसे देशदेशांतर में पहुँचा देती हो। तुम संकटकाल में जहाज हो, बस अधम को पार करा दो। तुम इंद्र हो. कुर्सीधारी-कुल के दोष देखने के लिए तुम्हारे सहस्त्र नेत्र हैं। स्वामी पर शासन करने को तुम वज्रपाणि हो। रहने का स्थान कालाधनगढ़ है, क्योंकि जहाँ तुम हो वहीं जीत है। तुम वोट हो। तुम्हारा जादू झकास है, उससे हार का अंधकार दूर होता है।

तुम्हारा प्रेम अमृत है, जिसके प्रारब्ध में होता है वह उसी को चुनाव जिता देता है और लोक में जो व्यर्थ पराधीन कहलाता हो वही तुम्हारा शत्रु है। तुम वरूण हो क्योंकि इच्छा करते ही वोट रूपी अश्रुजल से कुर्सीधारी पृथ्वी आर्द्र कर सकती हो। तुम्हारे नेत्र जल की देखादेखी हम भी गल जाते हैं। तुम सूर्य हो। तुम्हारे ऊपर आलोक का आवरण है पर भीतर अंधकार का वास हैं। हमें तुम्हारे एक घड़ी भर भी आँखों के आगे न रहने से दसों दिशा अंधकारमय मालूम होती है, पर जब माथे पर चढ़ जाती हो तब तो हम लोग उत्ताप के मारे मर जाते हैं। तुम प्राण वायु हो क्योंकि हम फेंकुओं के प्राण तुम में ही बसते हैं। तुम्हें छोड़कर कितनी देर जी सकते हैं? एक घड़ी भर तुम्हें देखे बिना प्राण फड़फड़ाने लगते हैं। तुम यम हो। यदि समय पर तुम्हारा ध्यान न रखें तो पल में नरक दिखा देती हो। यह यातना जिसे न सहनी पड़े वही पुण्यवान है, उसी की अनंत तपस्या है। तुम हुमा हो। तुम्हारे मुख से जो कुछ बाहर निकलता है वही हम लोगों का वेद है और किसी वेद को हम नहीं मानते। तुम्हारे अनंत मुख हैं क्योंकि तुम बहुत बोलती हो। सृष्टिकर्ता प्रत्यक्ष ही हो। पुरुष के सत्ताधारियों के मनहंस पर चढ़ती हो। हार-जीत तुम्हारे हाथ में हैं, इससे तुमको प्रणाम है। इस दिव्य स्तोत्र पाठ से तुम हम पर प्रसन्न होओ। समय पर वोट आदि दो। हम कुर्सीधारियों की रक्षा करो। भृकुटी-धनु के सन्धान से हमें मत हराओ और हमारी पार्टी को अपने धन से मालामाल कर दो।

विष्णु जी के दशावतार में सातवें अवतार हैं श्रीराम

मत्स्य अवतार

पुराने समय में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर भगवान विष्णु ने पहला अवतार मत्स्य के रूप में लिया था। मत्स्य पुराण के अनुसार विष्णु जी ने पुष्पभद्रा नदी किनारे मत्स्य अवतार लिया था। उस समय भगवान ने हयग्रीव नाम के असुर का वध किया था। मत्स्य अवतार ने पृथ्वी को जल प्रलय से बचाया था।

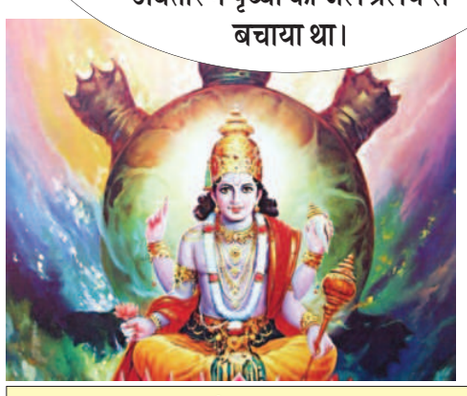

कूर्म अवतार

विष्णु जी ने वैशाख माह की पूर्णिमा पर कूर्म के रूप में दूसरा अवतार लिया था। जब समुद्र मंथन हुआ था, तब विष्णु जी ने कूर्म यानी कछुए का अवतार लिया और अपनी पीठ पर मंदराचल पर्वत को धारण किया था। देवताओं और दानवों ने वासुकि नाग की मदद से मंदराचल से समुद्र को मथा था।

वराह अवतार

भगवान की तीसरा अवतार भाद्रपद मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर हुआ था। वराह यानी शुकर। इस अवतार का मुख शुकर का था, लेकिन शरीर इंसानों की तरह था। उस समय दैत्य हिरण्याक्ष ने पृथ्वी को समुद्र में छिपा दिया था। तब विष्णु जी ने वराह अवतार लिया और समुद्र से पृथ्वी को बाहर ले आए। इसके बाद भगवान ने हिरण्याक्ष का वध किया।

नृसिंह अवतार

नृसिंह अवतार विष्णु जी का चौथा अवतार है। वैशाख माह में शुक्लपक्ष की चतुर्दशी तिथि पर नृसिंह जयंती मनाई जाती है। पुराने समय में विष्णु भक्त प्रहलाद को असुर हिरण्यकशिपु से बचाने के लिए भगवान ने एक खंबे से नृसिंह अवतार लिया था। नृसिंह भगवान ने हिरण्यकशिपु का वध किया और प्रहलाद के प्राण बचाए थे।

वामन अवतार

विष्णु जी ने पांचवां अवतार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर वामन के रूप में हुआ। वामन देव ने असुर राज बलि से तीन पग धरती दान में मांगी थी। बलि ने वामन देव को भूमि दान करने का संकल्प लिया, तब वामन देव ने विशाल रूप धारण करके एक पग में धरती, दूसरे पग में स्वर्गलोक नाप लिया। जब तीसरा पैर रखने के लिए कोई स्थान नहीं बचा तो बलि ने वामन को अपने सिर पर पग रखने को कहा। वामन भगवान ने जैसे ही बलि के सिर पर पैर रखा, वह पाताल लोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता से प्रसन्न होकर भगवान वामन ने उसे पाताललोक का स्वामी बना दिया।

परशुराम अवतार

ये विष्णु जी का छठा अवतार है। वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर परशुराम प्रकट उत्सव मनाया जाता है। परशुराम चिरंजीवी हैं। इन्होंने हैहयवंशी क्षत्रियों को खत्म किया, सहस्त्रार्जुन का वध किया था। परशुराम का जिक्र रामायण और महाभारत में भी है।

श्रीराम अवतार

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर श्रीराम के रूप में विष्णु जी ने सातवां अवतार लिया था। श्रीराम ने रावण के साथ ही उस समय के सभी असुरों का वध किया। धर्म और मर्यादा की स्थापना की। इसीलिए इन्हें श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है।

श्रीकृष्ण अवतार

द्वापर युग में भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में आठवां अवतार लिया था। श्रीकृष्ण ने कंस और उसके सभी साथी असुरों का वध किया। दुर्योधन के साथ ही पूरे कौरव वंश को खत्म करने में पांडवों की मदद की और धर्म की स्थापना की।

बुद्ध अवतार

भगवान बुद्ध को विष्णु जी का नवां अवतार माना जाता है। गौतम बुद्ध का जन्म लुंबिनी में हुआ था। लुंबिनी नेपाल में है। हर साल वैशाख मास की पूर्णिमा बुद्ध जयंती मनाई जाती है। बुद्ध ने बौद्ध धर्म की स्थापना की। उन्होंने समाज को अहिंसा और करुणा का संदेश दिया था।

कल्कि अवतार

ये भगवान विष्णु का दसवां अवतार है। कल्कि अवतार अभी प्रकट नहीं हुआ है। माना जाता है कि कलियुग के अंत में विष्णु जी कल्कि अवतार लेंगे। कलियुग 4 लाख 32 हजार साल का है। अभी कलियुग के करीब 5 हजार साल ही हुए हैं। कलियुग के अंत में जब धरती पर अधर्म बहुत बढ़ जाएगा, तब कल्कि अवतार होगा।

चेतना, तीव्रता से भीतर वापस लौट आती है

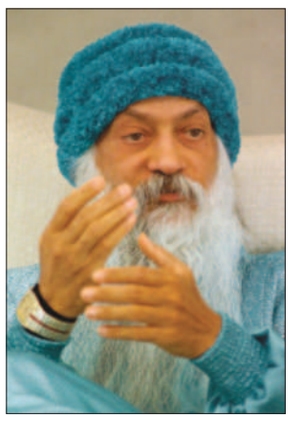

यह भी खयाल हुआ कि उस स्त्री का छूना और मेरा वापस लौट आना, यह कैसे हो गया। फिर तो बहुत अनुभव हुए इस बात के और तब मुझे समझ में आया कि हिंदुस्तान में जिन तांत्रिकों ने समाधि पर और मृत्यु पर सर्वाधिक प्रयोग किए थे, उन्होंने क्यों स्त्रियों को भी अपने साथ बांध लिया था। गहरी समाधि के प्रयोग में अगर शरीर के बाहर तेजस शरीर चला गया, सूक्ष्म शरीर चला गया, तो बिना स्त्री की सहायता के पुरुष के तेजस शरीर को वापस नहीं लौटाया जा सकता है। या स्त्री का तेजस शरीर अगर बाहर चला गया तो बिना पुरुष की सहायता के उसे वापस नहीं लौटाया जा सकता। स्त्री और पुरुष के शरीर के मिलते ही एक विद्युत वृत्त, एक इलेक्ट्रिक सर्किल पूरा हो जाता है और वह जो बाहर निकल गई है चेतना, तीव्रता से भीतर वापस लौट आती है।

फिर तो छह महीने में कोई छह बार यह अनुभव हुआ निरंतर, और छह महीने में मुझे अनुभव हुआ कि मेरी उम्र कम से कम दस वर्ष कम हो गई। कम हो गई मतलब, अगर मैं सत्तर साल जीता तो साठ साल ही जी सकूंगा। छह महीने में अजीब—अजीब से अनुभव हुए। छाती के सारे बाल मेरे सफेद हो गए छह महीने के भीतर। मेरी समझ के बाहर हुआ कि यह क्या हो रहा है।

और तब यह भी खयाल में आया कि इस शरीर और उस शरीर के बीच के संबंध में व्याघात पड़ गया है, उन दोनों का जो तालमेल था वह टूट गया है। और तब मुझे यह भी समझ में आया कि शंकराचार्य का तैंतीस साल की उम्र में मर जाना या विवेकानंद का छत्तीस साल की उम्र में मर जाना कुछ और ही कारण रखता है। अगर इन दोनों का संबंध बहुत तीव्रता से टूट जाये, तो जीना मुश्किल है। और तब मुझे यह भी खयाल में आया कि रामकृष्ण परमहंस का बहुत बीमारियों से घिरे रहना और रमण का कैंसर से मर जाने का भी कारण शारीरिक नहीं है, उस बीच के तालमेल का टूट जाना ही कारण है।

लोग आमतौर से कहते हैं कि योगी बहुत स्वस्थ होते हैं, लेकिन सचाई बिलकुल उलटी है। सचाई आज तक यह है कि योगी हमेशा रुग्ण रहा है और कम उम्र में मरता रहा है। और उसका कुल कारण इतना है कि उन दोनों शरीरों के बीच जो एडजेस्टमेंट चाहिए, जो तालमेल चाहिए, उसमें विघ्न पड़ जाता है। जैसे ही एक बार वह शरीर बाहर हुआ, फिर ठीक से पूरी तरह कभी भी पूरी अवस्था में भीतर प्रवष्टि नहीं हो पाता है। लेकिन उसकी कोई जरूरत भी नहीं रह जाती, उसका कोई प्रयोजन भी नहीं रह जाता, उसका कोई अर्थ भी नहीं रह जाता। संकल्प से भीतर खींची जा सकती है ऊर्जा। **(क्रमशः)**

श्रीराम भगवान विष्णु के अवतार, लक्ष्मण शेषनाग के तो भरत और शत्रुघ्न किसके अवतार हैं?

माता कौशल्या के पुत्र भगवान राम, माता सुमित्रा के पुत्र भगवान लक्ष्मण और माता कैकई के पुत्र भारत और शत्रुघ्न हैं। माता कौशल्या के पुत्र भगवान राम, माता सुमित्रा के पुत्र भगवान लक्ष्मण और माता कैकई के पुत्र भारत और शत्रुघ्न हैं।

सनातन धर्म में भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम का दर्जा प्राप्त है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उनके सर्वोत्तम आचरण के कारण ही उन्हें यह उपाधि दी गई है। हिंदू धर्म के सबसे बड़े ग्रंथों में से एक रामचरितमानस के अनुसार भगवान राम चार भाई हैं। भगवान राम जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, उनके छोटे भाई लक्ष्मण जिन्हें शेषनाग का अवतार माना जाता है, भरत और शत्रुघ्न को किसका अवतार माना जाता है,

किसके अवतार हैं भरत?

धार्मिक ग्रंथ के अनुसार, भगवान राम के छोटे भाई भरत को भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र का अवतार बताया गया है। भगवान राम के

वनवास जाने के बाद अनुज भरत ने चित्रकूट जाकर उनसे अयोध्या वापस आने का आग्रह किया था, लेकिन प्रभु राम नहीं मानें तो भरत उनकी चरण पादुका लेकर अयोध्या आए थे। भरत ने नंदीग्राम में भगवान राम की प्रतीक्षा करते हुए 14 बरस बिता दिए थे। कहा जाता है कि भगवान राम के वनवास जाने के बाद भरत ने ही रघुकुल का सिंहासन संभाला था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, सुदर्शन चक्र के अवतार होने के कारण, रघुकुल सिंहासन के लिए सबसे उपयुक्त भरत ही माने गए थे।

शत्रुघ्न किसके अवतार हैं?

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, भगवान राम के सबसे छोटे भाई शत्रुघ्न को भगवान विष्णु के शंख का अवतार माना गया है। भगवान राम के वनवास जाने के बाद उन्होंने सब कुछ छोड़कर राजा भरत की सेवा करना और उन्हीं के साथ रहना उचित समझा। भगवान राम की अनुपस्थिति में भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्र और शंख यानी भरत और शत्रुघ्न ने ही अयोध्या को हर एक संकट से बचाया और उसकी रक्षा की।

ज्यादा 'मेहनती' है हमारी पीढ़ी

करीना कपूर

पहली ही फिल्म 'रिफ्यूजी' में अपने अभिनय से सभी को प्रभावित कर देने वाली करीना कपूर को फिल्म इंडस्ट्री में एक लम्बा अर्सा हो चुका है और उसका जल्द अभिनय से किनारा करने का कोई इरादा भी नहीं है। करीना का कहना है कि बढ़ती उम्र का कोई फर्क नहीं पड़ता और उसके दौर के कलाकार इंडस्ट्री में आए नए कलाकारों से कहीं ज्यादा मेहनत करते हैं ।

उसने यह भी कहा कि जब हीरो की बात करते हुए उनकी उम्र पर ध्यान नहीं दिया जाता, तो हीरोइन के साथ भी ऐसा नहीं किया जाना चाहिए।

करीना ने कहा, वे (हमारे दौर की एक्ट्रेसेज) इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के सबसे टैलेंटेड कलाकार हैं, यानी हर तरीके से सिनेमैटिक हैं। वे जो भी किरदार निभाती हैं, पूरी तरह स्क्रीन पर ट्रांसफॉर्म हो जाती हैं। आप उन से नजरें नहीं हटा सकते। इसी तरह तब्बू, इंडियन इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। इन्हें देखते हुए कोई उम्र के बारे में नहीं सोचता। वे दर्शकों को एंटरटेन कर रही हैं। हम यहां एंटरटेन करने आए हैं। इसमें उम्र से क्या फर्क पड़ता है?

करीना ने आगे कहा, सॉरी लेकिन ये सारे कलाकार नए वालों से भी अच्छा काम कर रहे हैं। हम सब बहुत जोश में आगे बढ़ रहे हैं। उम्र केवल एक नम्बर है और इस पर तो बात होनी भी नहीं चाहिए। आप मेल एक्टर्स की पिछली पीढ़ी से नहीं पूछते कि उनकी उम्र कितनी है, तो हमसे क्यों पूछा जा रहा है!

करीना ने कहा कि मेल एक्टर्स को फिल्म की बॉक्स ऑफिस कामयाबी का क्रेडिट दे दिया जाता है, जबकि उसकी पिछली ब्लॉकबस्टर, कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'गुड न्यूज' में महिला किरदार कहानी की नायिका थी, जिस पर फोकस किया गया था। इस फिल्म में करीना ने अक्षय कुमार की पत्नी का किरदार निभाया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 318 करोड़ रुपए का बिजनैस किया था।

बताई सैफ से शादी करने की वजह

बॉलीवुड में करीना और उसके पति सैफ अली खान की जोड़ी हमेशा सुर्खियों में रहती है। 16 अक्तूबर, 2012 को इन्होंने शादी की लेकिन उससे पहले दोनों 5 साल तक साथ रहे थे। एक इंटरव्यू में करीना से सैफ अली खान संग फिल्म' कुर्बान' में इंटीमेट सीन देने को लेकर सवाल किया गया, जिसका उसने काफी हैरान कर देने वाला जवाब दिया।

उसने हंसते हुए कहा, मुझे कोई परेशानी नहीं हुई क्योंकि हम दोनों पहले से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। हम दोनों ने 'कुर्बान' के लिए साथ में ऑडिशन दिया था तो हम दोनों के लिए चीजें काफी असान रहीं। इसमें कुछ भी ऐसा नहीं था जो हम नहीं कर सकते थे। कैमरों के सामने हम दोनों ही एक-दूसरे के साथ कम्फर्टेबल थे। कोई दिक्कत नहीं थी। वहीं करीना से जब पूछा गया कि सैफ अली खान के साथ उसने शादी क्यों की तो उसने कहा, शादी करने की वजह यह होती है कि आप बच्चे पैदा करना चाहते हैं, है न? मेरा मतलब है अगर ऐसा न हो तो आप शादी के बिना भी बस एक साथ रह सकते हैं।

सैफ और मैं पांच साल तक एक साथ रहे, इसलिए जब हमने अगला कदम उठाया, तो ऐसा इसलिए था क्योंकि हम बच्चे पैदा करना चाहते थे। करीना और सैफ ने 2016 में अपने पहले बेटे तैमूर अली खान और 2021 में दूसरे बेटे जेह अली खान का स्वागत किया था। करीना ने कहा कि वह अपने बच्चों की मौजूदगी में अपनी जिंदगी बिना किसी दबाव के जीना चाहती है। बच्चों की परवरिश को लेकर उसकी राय सरल है। वह कहती है, इसमें कुछ सही या गलत नहीं है। हम बच्चों की शख्सियत को स्वीकार करते हैं और उसी तरह बर्ताव करते हैं। उनका सम्मान करते हैं और वे जैसे हैं, वैसे बने रहने की उन्हें छूट देते हैं। वे अपना रास्ता खुद तलाश लेंगे। मैं अपनी जिंदगी बच्चों के बीच बिताना चाहती हूं। उनके साथ सब कुछ करना चाहती हूं। हमें खुश रहना है, तभी वे आगे बढ़ेंगे। मैं अपनी मानसिक सेहत के लिए जिम्मेदार हूं।

तीन फिल्मों में आएगी नजर

करीना हाल ही में ओ.टी.टी. पर रिलीज फिल्म 'जाने जां' में नजर आई थी। इस फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष ने किया था। वह अब हंसल मेहता की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' में नजर आएगी, जो एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है और एक ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी लेकिन 2024 में उसकी 2 फिल्में सिनेमाघरों में भी आएंगी। इनमें से एक तब्बू, कृति सेनन, दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा के साथ 'द क्रू' है। साथ ही वह अजय देवगन के साथ फिल्म 'सिंघम 3' का भी हिस्सा है।

बचपन में श्रीदेवी जैसी बनना चाहती थी

राज कपूर की पोती करीना आज लाखों दिलों में राज करती है। साल 2000 में फिल्म 'रिफ्यूजी' से डेब्यू करने के बाद उसने अपने करियर में पीछे मुड़कर नहीं देखा। हालांकि, ऐसा लगता है कि वह बचपन से ही जानती थी कि वह अपने करियर में बुलंदियों को छुएगी।दरअसल, सोशल मीडिया पर उसका बचपन में दिया एक इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें उसने अपने जीवन के बारे में कई बातें बताई थीं और यह भी कि बड़ी होकर वह किसकी तरह बनना चाहती है। जब रिपोर्टर ने उसकी पसंदीदा एक्ट्रैस के बारे में पूछा था तो जवाब में करीना ने तुरंत श्रीदेवी का नाम लिया। उसका कहना था, ओह, मैं तो बस श्रीदेवी से प्यार करती हूं और लोलो (उसकी बड़ी बहन करिश्मा कपूर) भी ऐसा ही करती है। श्रीदेवी बहुत अच्छी हैं। वह जिस तरह से नाचती और गाती हैं, वह मुझे बहुत पसंद है। मैं इसे लगभग वैसा ही कर सकती हूं। सब कहते हैं कि मैं उनसे भी अच्छा डांस करती हं। आप जानते हैं कि मैंने 'मिस्टर इंडिया' और 'राम अवतार' को पांच-पांच बार देखा है। पढ़ाई के बारे में पूछा गया, तो उसका कहना था, मैं कक्षा में टॉप पर हूं।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सोनू निगम ने गाईं चौपाइयां, शंकर महादेवन ने भी गाया भजन

रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के शंकर महादेवन भी पहुंच चुके हैं और अपने भजन से भक्तिमय माहौल को और खास बना दिया है। इस शुभ अवसर पर शंकर महादेवन ने 'श्री रामचंद्र कृपालु भजमन' स्तुति गाई।

आज सोमवार, 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनने के लिए तमाम फिल्मी सितारे और गायक रामनगरी पहुंच गये हैं। गायक सोनू निगम भी रामलला के प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंच चुके हैं। उन्होंने इस समारोह में शामिल होने पर खुशी भी जताई। सोनू निगम ने कहा कि रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह एक भावुक क्षण है।

सोनू की चौपाई से भक्तिमय माहौल

वहीं, अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सोनू निगम पारंपरिक परिधान में पहुंचे। इस दौरान वे सफेद कुर्ते और पटका पहने नजर आए। सोनू निगम ने इस पावन दिन पर चौपाइयां गायी हैं, जिसे सुन वहां मौजूद सभी रामभक्त भक्ति में लीन हो गए। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में गायक सोनू निगम ने 'राम सिया राम' भजन की प्रस्तुति दी।

शंकर महादेवन ने गाई स्तुति

कई फिल्मी सितारे हुए शामिल

अयोध्या में रामलला के आगमन का इंतजार खत्म होने वाला है। अयोध्या में आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू होगी। वहीं, एक बजे कार्यक्रम पूरा होगा। इस शुभ अवसर पर तमाम बॉलीवुड हस्तियां भी अयोध्या पहुंच चुकी हैं। वहीं कई सितारे इस खास अवसर पर खुशी जताते हुए फैंस को शुभकामनाएं दे रहे हैं। अनुपम खेर, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, संजय दत्त और आर माधवन ने लोगों को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए बधाई दी है। वहीं, रजनीकांत, चिरंजीवी, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, विक्की कौशल, कैटरीना कैफ जैसे कई सितारे राम के द्वार पहुंच चुके हैं।

अनुराधा पौडवाल की आवाज ने चलाया भक्तों पर जादू, राम लला के दरबार में गाए भजन

अयोध्या में भगवान श्रीराम के आगमन का इंतजार खत्म हो गया है। अयोध्या में आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो गयी। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू हो गयी और एक बजे यह कार्यक्रम पूरा हो गया। इस शुभ अवसर पर तमाम बॉलीवुड हस्तियां भी अयोध्या पहुंच चुकी हैं। सिंगर अनुराधा पौडवाल भी अयोध्या पहुंच हैं। श्रीराम मंदिर में अनुराधा पौडवाल ने राम भगवान के भजन गाए।

अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम जोरों पर हुआ है। इसी बीच अनुराधा पौडवाल की आवाज का जादू भक्तों पर चलता दिखाई दिया। राम भक्ति में लीन अनुराधा पौडवाल ने अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में राम बजन गाती नजर आई हैं। उनकी मधुर आवाज में राम भजन सुन वहां मौजूद लोग मंत्रमुग्ध हो गए। हर किसी पर अनुराधा पौडवाल की मधुर आवाज का जादू छा गया है।

गायिका अनुराधा पौडवाल के साथ उनकी बेटी और सह-गायिका कविता पौडवाल भी नजर आईं। उन्होंने बेटी कविता पौडवाल के साथ मिलकर राम जन्मभूमि में रामलला के भजन गाकर, वहां मौजूद लोगों को ओर भक्तिमय कर दिया।

विदेशी दूल्हों पर दिल हार बैठीं ये देसी हसीनाएं लिस्ट में प्रियंका से लेकर प्रीति तक के नाम

बॉलीवुड में जहां फिल्मों के सेट पर कई बार अभिनेत्रियों को अपनी असल जिंदगी का हीरो भी मिल जाता है। वहीं, कई बार इन बॉलीवुड बालाओं के दिलों के तार सात समंदर पार बैठे किसी शख्स से भी जुड़ जाता है। आज हम ऐसी ही बॉलीवुड की हसीनाओं के बारे में जानेंगे, जिन्होंने विदेशी जीवनसाथी चुना है।

प्रियंका चोपड़ा

बॉलीवुड में 'देसी गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का नाम इस लिस्ट में सबसे ऊपर है। करोड़ों भारतीय दिलों पर राज करने वाली प्रियंका चोपड़ा ने 2018 में मशहूर अमेरिकी गायक निक जोनस के साथ शादी रचाई थी। उनकी शादी बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत शादियों में से एक थी। इन दिनों प्रियंका अमेरिका में अपने पति निक और प्यारी सी बेटी मालती के साथ रह रही हैं। .

श्रिया सरन

साउथ की सुपर स्टार श्रिया सरन का दिल विदेशी दूल्हे को देख कर धड़का था। 'दृश्यम' फिल्म से दर्शकों के दिलों को जीतने वाली अभिनेत्री श्रिया ने रूसी टेनिस प्लेयर एंड्रे कोसचीव से शादी रचाई थी। दोनों की पहली मुलाकात मालदीव में हुई थी।

सेलिना जेटली

फरदीन खान की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली खूबसूरत अभिनेत्री सेलिना जेटली का दिल विदेशी दूल्हे को देख कर धड़का था। सेलिना 2011 में पीटर हॉग के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। इन दिनों सेलिना यूरोप में अपने पति और बच्चों के साथ रह रही हैं।

प्रीति जिंटा

बॉलीवुड में 'डिंपल गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री प्रीति जिंटा अपनी पहली ही फिल्म 'दिल से' से लोगों के दिलों को धड़काने में कामयाब हुई थीं, लेकिन उनका दिल जीन गुडइनफ को देखकर धड़का था। जीन विदेशी हैं और एक अमेरिकी कम्पनी में बड़े पद पर काम करते हैं। 2016 में प्रीति ने लॉस एंजिल्स में जीन से शादी रचाई थी।

श्रीराम, सीता और लक्ष्मण ने रामभक्तों को दिया तोहफा, 'हमारे राम आए हैं' गाना हुआ रिलीज

अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां पूरी हो गयी हैं। इस बीच प्रशंसकों को एक खास तोहफा मिला है। ये तोहफा धारावाहिक 'रामायण' में श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की भूमिका अदा करने वाले सितारे-अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया और सुनील लहरी की तरफ से मिला है। इनका गाना 'हमारे राम आए हैं' आज रिलीज हो गया है। इसकी जानकारी खुद सुनील लहरी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की है।

सुनील लहरी ने गाने के रिलीज की जानकारी आज अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा की है। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'सभी भारतवासियों को प्रभु की घर वापसी की हार्दिक बधाई, जय सियाराम'। बताते चलें कि तीनों सितारों ने अयोध्या में इस गाने की शूटिंग की। कई दिनों से वे अयोध्या में हैं और आज के भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे।

दीपिका चिखलिया ने भी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए गाना रिलीज होने की जानकारी साझा की है। वहीं अरुण गोविल ने रामभक्तों को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की बधाई दी है। उन्होंने एक पोस्टर साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'सदियों के संघर्ष और लंबी प्रतीक्षा के बाद मानवता के आदर्श भगवान श्रीराम पुनः अपने भव्य दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं।'

अरुण गोविल ने आगे लिखा, 'विश्व के संपूर्ण मानव समाज को भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव की अशेष बधाईयां और शुभकामनाएं। जयश्रीराम।' बात करें 'हमारे राम आए हैं' गाने की तो इस गाने में प्रभु श्रीराम को वनवास पूरा करके अयोध्या लौटने का जश्न दिखाया गया है। ये गाना आपको भाव-विभोर कर देगा। 'रामायण' के बाद एक बार फिर तीनों सितारों एक फ्रेम में नजर आए हैं, ये भी इनके प्रशंसकों के लिए कम खुशी की बात नहीं। ये गाना 'रामायण' की यादें ताजा कर देगा।

सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुए सैफ अली खान, घुटने और कंधे में हुआ फ्रैक्चर

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सैफ अली खान को आज सोमवार, 22 जनवरी को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनके घुटने और कंधे में फ्रैक्चर हो गया है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। फिलहाल इस बात का पता वनहीं चला है कि अभिनेता को ये चोट कैसे लगी है।

पत्नी करीना भी सैफ के साथ अस्पताल में मौजूद

खबर के अनुसार, आज सोमवार सुबह सैफ अली खान को अस्पताल में भर्ती किया गया है। अस्पताल में सैफ के साथ उनकी पत्नी और अभिनेत्री करीना कपूर खान भी मौजूद हैं। इसे लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। अनुमान लगाया जा रहा कि किसी फिल्म की शूटिंग के दौरान शायद सैफ को ये चोट लगी हैं। अभिनेता के घुटने और कंधे में फ्रैक्चर बताया गया है। डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी करने के लिए कहा। इसी के चलते वह आज सुबह अस्पताल में भर्ती हो गए हैं।

लाइमलाइट में छाए रहते हैं सैफ

सैफ अली खान को लेकर सामने आई इस खबर से उनके फैंस को काफी दुख हुआ है। सैफ अली खान अक्सर अपनी फिल्मों के चलते सुर्खियों में छाए रहते हैं। इसके अलावा आए दिन पत्नी करीना और दोनों बच्चों के साथ

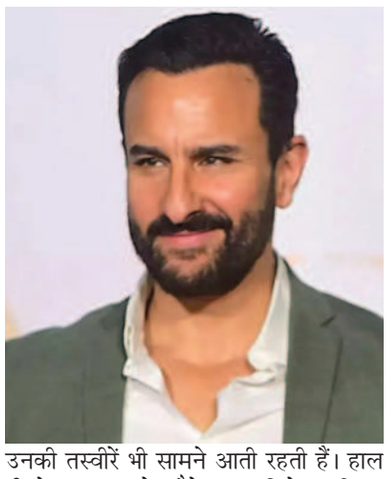

उनकी तस्वीरें भी सामने आती रहती हैं। हाल ही में नए साल के मौके पर अभिनेता परिवार के छुट्टियां मनाने के लिए स्विटजरलैंड गए हुए थे। इस दौरान की सैफ-करीना की तस्वीरें फैंस को बेहद पसंद आई थीं।

इस साउथ फिल्म में आएंगे नजर

वहीं, उनके वर्कफ्रंट की बात करें तो इन सैफ अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म देवरा पार्ट एक को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। साउथ फिल्म देवरा में वह भहीरा के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में एनटीआर जूनियर लीड रोल में हैं।

लता मंगेशकर की आवाज में 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' सुनकर मंत्रमुग्ध हुए लोग, एआई ने बनाया गाना

अयोध्या में रामलला के आगमन का इंतजार आज खत्म हो गया है। अयोध्या में आज सोमवार, 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्राण प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू हुआ। वहीं, एक बजे कार्यक्रम पूरा हो गया। ऐसे में आज पूरा देश राममय हो गया है। हर तरफ लोग राम भक्ति में डूबे नजर आ रहे हैं। भगवान श्रीराम के गानों से हर ओर देश गूंज रहा है। सबकी जुंबा पर बस 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गाना सुनाई दे रहा है। अब ये गाना एक ऐसी आवाज में सुनने को मिला है, जिसे सुनकर हर कोई खुश हो गया है।

लता मंगेशकर की आवाज में एआई ने बनाया गाना

दिवंगत गायिका लता मंगेशकर ने भारतीय सिनेमा को कई बेहतरीन गाने दिए। उनके गाने के आज भी लाखों-करोड़ों दीवाने हैं। अब वह हमारे बीच नहीं रही हैं। मगर लता मंगेशकर की आवाज में 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गाना सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लता की आवाज में ये गाना सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाएगा। स्वर कोकिला की आवाज में राम आएंगे ये गाना एआई द्वारा क्रिएट किया गया है। इस गाने को सुनकर एक पल के लिए ऐसा लगेगा कि खुद लता मंगेशकर भगवान राम के आगमन में यह गाना गा रही हैं।

सोशल मीडिया पर इस गाने को एक यूजर्स ने साझा किया है। लता मंगेशकर की आवाज में 'राम आएंगे' गाने पर हर कोई अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। सभी लता मंगेशकर की अवाज में इस कगाने को सुनकर भावुक हो गए हैं। कुछ दिनों पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गायिका लता मंगेशकर का एक भजन साझा किया था। पीएम ने कैप्शन में लिखा था, 'राम लला के प्राण प्रतिष्ठा में उनकी कमी बहुत खल रही है।' आज राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सभी बेहद उत्साहित हैं। बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां अयोध्या में इस ऐतिहासिक पल की साक्षी बनेंगी। कुछ अयोध्या नगरी पहुंच चुके हैं, तो कुछ आज पहुंच रहे हैं। अमिताभ बच्चन, कंगना रणौत समेत कई सितारे मंदिर पहुंच चुके हैं।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचे निरहुआ-आम्रपाली, जगद्गुरु रामभद्राचार्य का लिया आशीर्वाद

आज सोमवार, 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनने के लिए तमाम फिल्मी सितारे रामनगरी पहुंच चुके हैं। अमिताभ बच्चन से लेकर अनुपम खेर की तस्वीरें अयोध्या से सामने आ चुके हैं। वहीं अब भोजपुरी अभिनेता और बीजेपी सांसद दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ भी अयोध्या पहुंच चुके हैं, जहां से उनकी कई तस्वीरें सामने आई हैं।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मिले निरहुआ

रामनगरी पहुंचकर निरहुआ ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने पर खुश जाहिर की। निरहुआ ने अयोध्या पहुंचने के बाद जगद्गुरु रामभद्राचार्य से भी मुलाकात की। इस दौरान निरहुआ सफेद कुर्ता पायजामा में नजर आए। निरहुआ ने अभिनेत्री आम्रपाली के साथ जगद्गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की। उनकी तस्वीर भी वायरल हो रही है। तस्वीर में वे जगद्गुरु रामभद्राचार्य का आशीर्वाद लेते हुए नजर आ रहे हैं।

रक्त वाहिकाओं में जमाव-संकीर्णता को कम कर सकती हैं ये चीजें

सर्दियों का ये मौसम खाने-पीने की तरह-तरह की चीजों के लिए लोगों का जितना पसंदीदा होता है, सेहत के लिए उतना ही चुनौतीपूर्ण भी हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को ठंड से बचाव करते रहने और सेहत का ख्याल रखने की अपील करते हैं। ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज हो या हार्ट की समस्या, ये मौसम सभी लोगों के लिए समस्याएं बढ़ाने वाला हो सकता है। ऐसे में सिर्फ बच्चे और बुजुर्ग ही नहीं, सभी उम्र के लोगों के विशेष सतर्कता बरतते रहने की जरूरत होती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दी के दिनों में रक्त वाहिकाओं का संकीर्ण होना बड़ी समस्या है, ये ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज रोगियों की दिक्कतों को बढ़ाने वाली हो सकती है। ठंड के दिनों में होने वाली मौतों के लिए भी इसे प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। पर क्या आप जानते हैं कि कुछ चीजों का सेवन करके आप इस समस्या के खतरे को कम कर सकते हैं?

सर्दियों में संकीर्ण होने लगती हैं रक्त वाहिकाएं

डॉक्टर बताते हैं, अधिक ठंड के कारण त्वचा के कोल्ड रिसेप्टर्स उत्तेजित हो जाते हैं, इस स्थिति में हाथों और पैरों में वाहिकासंकुचन यानी कि रक्त वाहिकाओं के सख्त और संकीर्ण होने का खतरा काफी बढ़ जाता है। ठंड के कारण होने वाली वाहिका संकुचन से रक्तचाप और चिपचिपाहट भी बढ़ने लगती है इसके अलावा प्लाज्मा की मात्रा कम हो जाती है। ये स्थिति हृदय संबंधी कार्यों को कठिन बना सकती है, यही कारण है कि सर्दियों में हार्ट अटैक होने का खतरा अधिक रहता है।

आहार में कुछ चीजों को शामिल करके रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

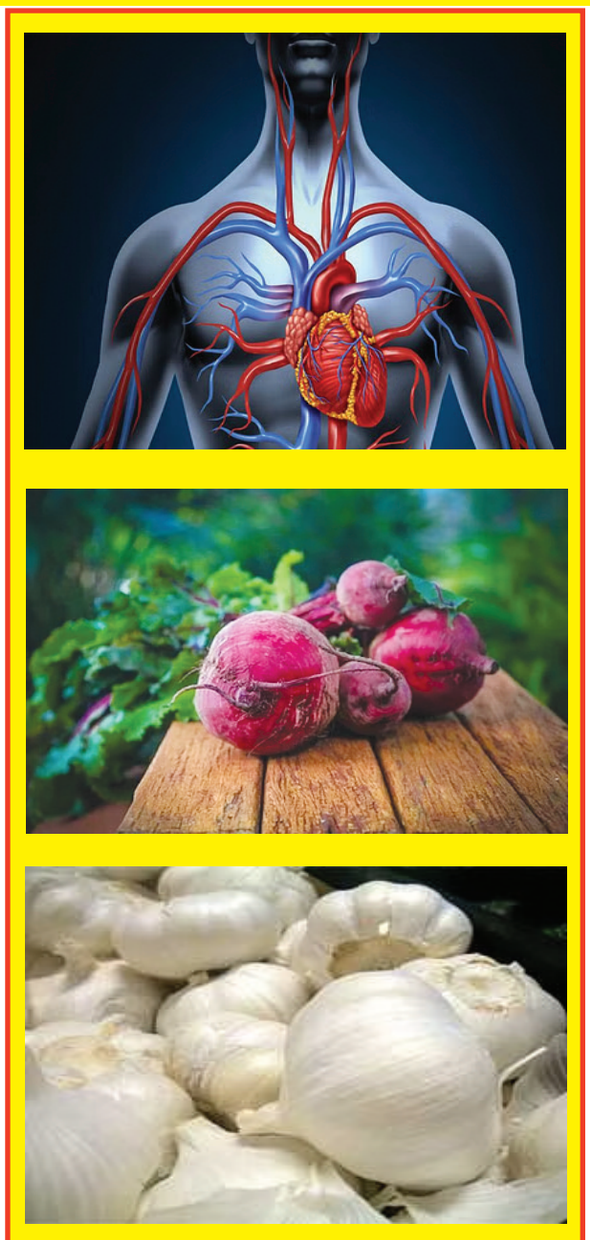

सर्दियों में करें चुकंदर का सेवन

रक्त वाहिकाओं को आराम देने और रक्तचाप को कंट्रोल रखने के लिए चुकंदर का सेवन काफी लाभकारी हो सकता है। जड़ वाली ये सब्जी नाइट्रेट से भरपूर होती है, जिसे हमारा शरीर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदल देता है। नाइट्रिक ऑक्साइड, रक्त वाहिकाओं को प्राकृतिक रूप से ढीला करने और रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करती है। चुकंदर का जूस आपके सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर को भी कम कर सकता है। इसको आहार का हिस्सा जरूर बनाएं। हालांकि लो ब्लड प्रेशर या ब्लड थिनर दवाओं का सेवन करने वाले लोगों को चुकंदर का सेवन कम या डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

मछलियां काफी लाभकारी

यदि आप हमेशा सोचते हैं कि मछली आपके हृदय के लिए अच्छी क्यों है? तो इसका एक कारण रक्त वाहिकाओं की सेहत को ठीक रखना है। फैटयुक्त मछलियां ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होती हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि ये यौगिक आपके रक्त परिसंचरण को बेहतर रखने में मददगार हैं। मछली खाने से न केवल आपका रेस्टिंग ब्लड प्रेशर कम रहता है, साथ ही यह धमनियों को साफ रखने और इनमें किसी जमाव को रोकने में भी मदद कर सकती है।

लहसुन भी बहुत फायदेमंद

लहसुन हर घर में मसाले के रूप में प्रयोग में लाया जाता है पर क्या आप जानते हैं कि रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने में इसके बहुत लाभ हैं? इसमें एलिसिन नामक सल्फर यौगिक होता है जो रक्त वाहिकाओं को आराम देता है। अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग लहसुन से भरपूर आहार खाते हैं, उनमें ब्लड सर्कुलेशन की समस्या कम होती है। इसका मतलब है कि हृदय को पूरे शरीर में रक्त पहुंचाने के लिए उतनी मेहनत नहीं करनी पड़ती है, जिससे आपका ब्लड प्रेशर भी काफी हद तक कंट्रोल में रहता है।

मोटापा ग्रस्त लोगों में हार्ट अटैक के साथ कैंसर का भी खतरा, कहीं आपका भी तो नहीं बढ़ा है वजन?

मोटापा, दुनियाभर में तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्या है, जिसका खतरा समय के साथ बढ़ता जा रहा है। बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक, सभी उम्र के लोगों में मोटापे की दिक्कत देखी जा रही है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जिन लोगों का वजन अधिक होता है या फिर मोटापे के शिकार हैं, उनमें समय के साथ कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी अधिक हो सकता है।

डॉक्टर कहते हैं, डायबिटीज से लेकर हार्ट की बीमारियों तक, आपका बढ़ा वजन सेहत के लिए बड़ी मुश्किलों का कारण बन सकता है, इसे कंट्रोल में करने के लिए जरूरी उपाय किए जाने चाहिए।

इस बीच एक हालिया शोध में वैज्ञानिकों ने आगाह करते हुए बताया है कि मोटापे की स्थिति आपमें जानलेवा कैंसर रोग के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। न्यूयॉर्क के शोधकर्ताओं ने पाया है कि मोटापे से मल्टीपल मायलोमा (प्लाज्मा कोशिकाओं का रक्त कैंसर) विकसित होने का खतरा

70 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकता है।

मोटापा और मल्टीपल मायलोमा का खतरा

अमेरिका के मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल की टीम ने कहा, धूम्रपान की आदतें मल्टीपल मायलोमा विकसित होने का प्रमुख कारक मानी जाती रही हैं, अब शोध में पाया गया है कि मोटापे के शिकार लोगों में भी इसका जोखिम हो सकता है।

ब्लड एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित शोध से पता चला है कि मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में मोनोक्लोनल गैमोपैथी ऑफ अनडेटरमिन्ड सिग्नीफिकेन्स (एमजीयूएस) का जोखिम अधिक हो जाता है। एमजीयूएस, रक्त की सामान्य स्थिति है जो अक्सर मल्टीपल मायलोमा से पहले होती है।

अध्ययन में क्या पता चला?

फरवरी 2019 से मार्च 2022 के बीच अमेरिका से 2,628 व्यक्तियों जिनमें हेमटोलोगिक विकृतियों का पारिवारिक इतिहास था, जिससे मल्टीपल मायलोमा विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है, उन्हें शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि सामान्य वजन वाले व्यक्तियों की तुलना में मोटापे के शिकार लोगों में एमजीयूएस होने की आशंका 73 प्रतिशत अधिक थी।

हालांकि टीम के मुताबिक जो लोग शारीरिक तौर पर सक्रिय थे (प्रतिदिन 45-60 मिनट रनिंग या जॉगिंग जैसे अभ्यास) उनमें एमजीयूएस का खतरा कम पाया गया।

जोखिम कारकों के बारे में जानना जरूरी

एमजीयूएस, प्लाज्मा कोशिकाओं द्वारा उत्पादित एक असामान्य प्रोटीन है और ये मल्टीपल मायलोमा के सबसे प्रमुख कारकों में से एक है। एमजीयूएस वाले अधिकांश लोगों में कोई महत्वपूर्ण लक्षण नहीं दिखते हैं, इस कारण यह शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचाता रहता है।

अध्ययनकर्ता बताते हैं, शोध के परिणाम से पता चलता है कि कैंसर के खतरे को कम करने के लिए वजन कंट्रोल रखने के साथ व्यायाम करना और धूम्रपान जैसे आदतों से बिल्कुल दूरी बनाकर रखना आवश्यक हो जाता है।

शाकाहारी या मांसाहारी, कौन सा आहार सबसे फायदेमंद?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आहार का स्वस्थ होना आवश्यक माना जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि आप जिस तरह के भोजन का सेवन करते हैं, उसका सीधा असर सेहत पर होता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक चीजों को खाने की सलाह देते हैं।

शाकाहारी या प्लांट बेस्ड आहार न सिर्फ आपको कई गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं, साथ ही इससे लंबी आयु भी प्राप्त की जा सकती है। इस तरह का आहार संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए लाभकारी पाया गया है।

किस तरह का आहार अधिक लाभकारी?

द अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित हुए शोध में विशेषज्ञों ने बताया, सोचने के कौशल, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार के साथ टाइप-2 डायबिटीज जैसी गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए प्लांट बेस्ड आहार का सेवन करना लाभकारी पाया गया है।

शोधकर्ताओं ने 1984 से 2016 तक

महिला स्वास्थ्य पेशेवरों पर ये अध्ययन किया, अध्ययन की शुरुआत में प्रतिभागी 38 से 59 वर्ष के बीच के थे और इन्हें किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य समस्या नहीं थी।

अध्ययन में क्या पता चला?

शोध के अंत में अध्ययन में शामिल हर तीन में से एक महिला को क्रोनिक बीमारियों से मुक्त पाया गया। लेकिन लगभग 85% महिलाओं में शारीरिक कार्य संबंधी दिक्कतें विकसित हुईं और लगभग दो-तिहाई महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति अच्छी नहीं थी।

टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक और प्रमुख अध्ययनकर्ता एंड्रेस अर्डिसन कोराट कहते हैं, मध्य जीवनकाल में प्रोटीन का सेवन वृद्धावस्था में स्वास्थ्य को बेहतर रखने में मददगार पाया गया है। हमने यह भी पाया कि प्रोटीन का स्रोत विशेष मायने रखता है। पौधों के स्रोतों से अधिकांश प्रोटीन प्राप्त करना अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु में सहायक हो सकता है।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में विशेष रूप से प्रोटीन के सेवन पर ध्यान दिया। सब्जियां, फल, अनाज, नट्स, बीन्स आदि से प्राप्त प्रोटीन को अधिक लाभकारी प्रभावों वाला पाया गया। विश्लेषण से पता चला कि प्लांट बेस्ड डाइट से प्रोटीन के साथ अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी प्राप्त होते हैं जिससे गंभीर और क्रोनिक बीमारियों का जोखिम कम किया जा सकता है।

पशु मांस से प्राप्त प्रोटीन की तुलना में पौधों से मिलने वाले प्रोटीन से स्वस्थ और लंबी आयु की संभावना 46% अधिक हो सकती है।

अंधेपन का कारण बन सकती है ये बीमारी सावधान- कहीं आप में भी तो नहीं हैं ऐसे लक्षण?

आंखें ईश्वर का वरदान हैं, इन्हीं की मदद से हम दुनिया के खूबसूरत नजारे ले पाते हैं। हालांकि दुर्भाग्यवश भारत में अनुमानित 4.95 मिलियन (49.5 लाख) से अधिक लोग अंधेपन का शिकार हैं, इनमें बच्चे भी शामिल हैं। दिनचर्या-आहार में गड़बड़ी के कारण समय के साथ इसका खतरा और भी बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को आंखों की गंभीरता से देखभाल करनी चाहिए। इसके लिए पौष्टिक आहार का सेवन, आंखों को चोट से बचाने के साथ दिनचर्या में कुछ बदलाव भी आवश्यक हैं।

दुनियाभर में बढ़ती आंखों की समस्या और अंधेपन का एक कारण

ग्लूकोमा को माना जाता है। ग्लूकोमा, आंखों की बीमारियों का एक समूह है जो ऑप्टिक नर्व नामक तंत्रिका को नुकसान पहुंचाकर दृष्टि हानि और अंधापन का कारण बन सकती है। तेजी से बढ़ती इस बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से साल के पहले महीने, जनवरी को 'ग्लूकोमा अवेयरनेस मंथ' के रूप में मनाया जाता है।

आइए इस गंभीर समस्या के बारे में सरलता से समझते हैं।

कहीं आपको भी तो नहीं हो रही हैं ऐसी समस्याएं?

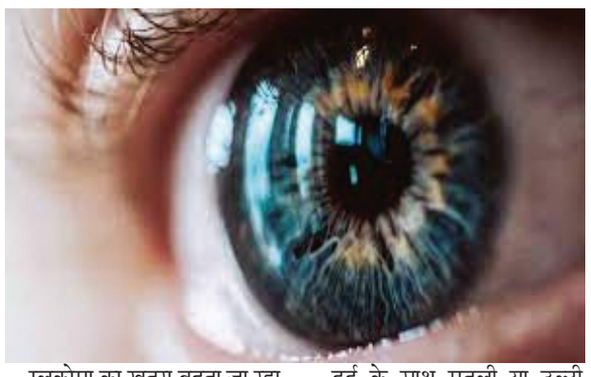

ग्लूकोमा का खतरा बढ़ता जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इसके लक्षण इतने धीरे-धीरे शुरू हो सकते हैं कि अक्सर लोग उन पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। आपको ग्लूकोमा है या नहीं, इसका पता लगाने का एक मात्र उपाय समय-समय पर आंखों की जांच कराते रहना है। हालांकि कुछ संकेत हैं जिनपर ध्यान देकर आप खतरे को पहचान सकते हैं। अगर आपको भी इस तरह की दिक्कतें हो रही हैं तो सावधान हो जाइए।

धीरे-धीरे आपकी दृष्टि में हर जगह धब्बे दिखाई देने लगते हैं।

चीजों को देखने में कठिनाई होती है, अधिक जोर लगाने की जरूरत हो सकती है।

अक्सर सिरदर्द- आंखों में तेज दर्द रहना।

दर्द के साथ मतली या उल्टी जैसा लगना।

धुंधली दृष्टि।

रोशनी के चारों रंगीन छल्ले नजर आना।

आंखों का अक्सर लाल रहना।

लक्षण दिखते ही तुरंत कराएं जांच

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यदि आप इनमें से दो-तीन लक्षणों का अनुभव करते हैं यथाशीघ्र उपचार की आवश्यकता है। किसी नेत्र चिकित्सक से मिलकर आंखों की जांच कराएं। मोतियाबिंद और आंखों की कुछ और बीमारियों में भी इस तरह की दिक्कत हो सकती है, इसलिए समय पर जांच और उपचार शुरू करना आवश्यक हो जाता है। इसके अलावा आंखों को स्वस्थ रखने और ग्लूकोमा जैसी बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आहार और दिनचर्या में बदलाव बहुत आवश्यक है।

आहार में बढ़ाएं पौष्टिक चीजों की मात्रा

डॉक्टर बताते हैं स्वस्थ और पौष्टिक चीजों का सेवन आपको ग्लूकोमा और आंखों की अन्य बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकता है। ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजें ग्लूकोमा के रोगियों के लिए फायदेमंद होती हैं क्योंकि ये इंट्राओकुलर आंखों पर पड़ रहे दबाव को कम करने, नेत्र में रक्त प्रवाह को बढ़ाने और ऑप्टिक न्यूरोप्रोटेक्टिव फंक्शन में सुधार करने में सहायक हैं। ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थों में वसायुक्त मछली, अंडे, नट्स और सीड्स शामिल होते हैं। इसके अलावा आहार में विटामिन-ए वाली चीजों को भी शामिल करें।

लाइफस्टाइल में ये बदलाव जरूरी

संतुलित आहार तो ग्लूकोमा के प्रबंधन में लाभ प्रदान करता ही है साथ ही आपको दिनचर्या में भी सुधार करने की जरूरत है। इसके लिए नियमित व्यायाम करें, धूम्रपान से बिल्कुल दूरी बनाएं और वजन को कंट्रोल में रखना भी जरूरी है। आंखों की सेहत में सुधार के लिए स्क्रीन टाइम को कम करना बहुत आवश्यक है। मोबाइल-कंप्यूटर से निकलने वाली नीली रोशनी से आंखों की समस्याओं के बढ़ने का खतरा रहता है।

मोटापे के कारण कौन-कौन से रोग हो सकते हैं?

प्रश्न : मेरी उग्र 28 वर्ष है। कब्ज़ से तंग आ गया हूं। हमेशा सुस्ती बनी रहती है। सिर में भारीपन रहता है । कृपाकर आयुर्वेदिक इलाज बताएं।

- प्रवीण भाई मेहता, हैदराबाद

उत्तर : पचने में भारी पदार्थ, तले पदार्थ, अनियमित खाने से और मानसिक दबाव के कारण जाठराग्नि पर असर पड़ता है। अग्नि मंद होने लगती है। मंदाग्नि से पीड़ित व्यक्ति को भूख नहीं लगती । आलस आने लगता है, अरूचि होने लगती है। आंतें समय पर कचरा बाहर न निकाले तब शरीर में, खासकर सिर में, भारीपन आ जाता है। प्रसिद्ध लोकोक्ति है - आंत भारी, तो माथ भारी! ऐसी स्थिति में रात सोते समय निरोग लेवें। यह चूर्ण कब्जियत दूर करता है, पेट में गैस के प्रकोप को शांत करता है। यह पाचन क्रिया को सुधार कर पाचन संस्थान को सुदृढ़ करता है । यह सुरक्षित और आदत रहित चूर्ण है। औरा लैक्झोल पाउडर भी उतना ही असरकारक है। यदि कोष्ठ मृदु हो- ऐसी स्थिति में आप लैक्झोल पाउडर ५-७ ग्राम रात सोते समय गुनगुने पानी से ले सकते हैं ।

भोजन के बाद ऊंझा पंचासव का प्रयोग पाचन क्रिया को सुधारता है। साथ ही खून की कमी का नाश कर बल और ताजगी लाता है। यदि साथ ही आध्मान की शिकायत हो तब पंचासव के साथ ही गैसहर वटी का प्रयोग निरापद और तुरंत असरकारक होता है।

चिकित्सा के दौरान फास्टफूड ,जंकफुड,दावतों का भोजन, भोजन पर भोजन, गरिष्ठ भोजन का त्याग करें। भोजन के आधे घंटे बाद पानी पिए । और उषापान याने सुबह खाली पेट पानी पीने की आदत डालें।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है मुझे बार बार सर्दी होती है, छींके आती है, और नाक बहने लगता है। डॉक्टर से एलर्जी कहते हैं। सेट्रीजन और एंटीकोल्ड गोलियां खा कर थक चुका हूं। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- प्रमोद कुमार अग्रवाल, सिकंदराबाद

उत्तर : आपको अनुर्जता हो गई है। हमारी जीवन शैली में बदलाव, स्वस्थ वृत्त के विपरीत रहन-सहन, धूम्रपान करने और अक्सर जीवाणुओं के संक्रमण से ग्रसित होते रहने से रोग प्रतिरोधक शक्ति प्रभावित होती है। जैसे ही इम्यूनिटी कमजोर पड़ती है - बार बार जुकाम, छींक आना, नाक बहना, कंठ में सूजन आना, फुफ्फुसावरण की सूजन आदि से शरीर में अनुर्जता के लक्षण उत्पन्न होने लगते है। ऐसे लक्षणों को बड़ी आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है। एलेक्जी सिरप या टेबलेट जिसमें निम्ब, खदीर, उशिर, विडंग, हरिद्रा, सप्तपर्ण, शिरीष, पिप्पली जैसी अमूल्य जड़ी बूटियां मिली है, अनुर्जताजन्य स्तिथियों में बेहतरीन काम करती है।

हरिद्रा खंड भी परम उपयोगी है। ज़ुकाम की स्थिति में ऊंझा लक्ष्मी विलास रस, कफ केतु रस या चंद्रामृत रस इसके संग जोड़ा जा सकता है। जिन कारणों से एलर्जी हो रही है आप उनसे दूर ही रहे तो ज्यादा आसानी से चिकित्सा हो सकती है।

प्रश्न : मेरा वजन 125 किलो है। मैं अपने मोटापे से परेशान हूं। मोटापे के कारण कौन-कौन से रोग हो सकते हैं? कृपया बताएं! इस स्थूलता को दूर करने के उपाय भी बताएं।

- श्रीनिवास गुप्ता, सिद्दीपेट

उत्तर : आपने अपनी उम्र नहीं बताई । यह तो तय है कि आपका वजन 125 किलो कोई सामान्य वजन तो नहीं है। मोटापा कई रोगों की जननी है। आयुर्वेद में वर्णित अष्टनिन्दित पुरुषों में मोटा व्यक्ति अति निन्दितों में अग्रगण्य है। मोटापे के कारण उच्च रक्तचाप, हृदय के रोग, रक्त संचरण के रोग, पक्षाघात, हृदय शूल, संधिवात, यूरिक एसिड बढ़ने से गठिया, पित्ताश्मरी आदि होने की संभावना रहती है। रजोनिवृत्ति के बाद मोटी स्त्रियों में स्तनार्बुद, अंडार्बुद, गर्भाशय का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। मोटे लोग अक्सर मानसिक दबाव के शिकार हो जाते हैं। चलने- फिरने , उठने- बैठने में दिक्कत होने से रोगी चलना कम कर देता है और शारीरिक श्रम के नहीं होने के कारण भी मोटापा बढ़ने लगता है। स्थूलता का शिकार व्यक्ति अपने भूख प्यास के नियंत्रण में अक्षम हो जाता है । और ज्यादा खाने से अधिक मोटा होने लगता है।

आयुर्वेद में इसका उपचार है। भोजन पर नियंत्रण आवश्यक है। गरिष्ठ भोजन, मिठाईयां, तैल -घी के बने पदार्थ , तले पदार्थ, दूध, मक्खन, पनीर आदि का प्रयोग और आरामपसंद जीवनशैली मोटापा बढ़ाते हैं। जंक फुड, फास्ट फुड से बचें। व्यायाम जरूरी है । रोज सुबह टहले। मॉर्निंग वाक कैलोरीज़ खर्च करवाता है । अतः इसे नित्य करें। सुबह उठते ही गुनगुना पानी पिएं। भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु और मेदोहर विडंगादि लौह टिकिया गुनगुने पानी से लें। भोजन के बाद आरोग्यवर्धिनी वटी व चंद्रप्रभा वटी लेवें। शुद्ध गूगल, नवक गुग्गुलु, वृक्षाम्ला घन,ताप्यादि लौह नंबर 1 का प्रयोग भी गुणकारी है। औषधि सेवन योग्य वैद्य के संरक्षण में ही करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

इनकम टैक्स पर मिलेगी छूट या बढ़ेगा बोझ

अर्थशास्त्रियों को बजट से है बडी उम्मीदें

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिन में आम बजट पेश करेंगी। बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर मुख्य रूप से इनकम टैक्स के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है। अर्थशास्त्रियों की राय इसपर अलग-अलग है। कुछ का कहना है कि सरकार आम चुनावों से पहले अगले महीने पेश होने वाले अंतरिम बजट में स्टैंडर्ड कटौती की राशि बढ़ाकर टैक्सपेयर्स को राहत देने के साथ महिलाओं के लिए अलग से कुछ टैक्स छूट दे सकती है। हालांकि, कुछ यह भी मानते हैं कि यह अंतरिम बजट है, ऐसे में आयकर मामले में बदलाव की उम्मीद नहीं है।वित्त मंत्री सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज के चेयरमैन सुदिप्तो मंडल कहते हैं कि अंतरिम बजट में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को आयकर मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकती है। मानक कटौती की राशि बढ़ाकर कुछ राहत दिये जाने की उम्मीद है, लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि गरीब और निम्न मध्यम वर्ग आयकर नहीं देता है।

अभी इतना मिलता है छूट

फिलहाल स्टैंडर्ड कटौती के तहत 50,000 रुपये की छूट है। टैक्सपेयर्स को राहत से जुड़े सवाल के जवाब में लखनऊ स्थित गिरि विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रमोद कुमार ने कहते हैं कि इसके बारे में कुछ कहना मुश्किल है। यह आर्थिक कारकों के अलावा कई अन्य चीजों पर भी निर्भर करता है। हालांकि, इस तथ्य को देखते हुए कि यह आम चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश किया जा रहा है, टैक्सपेयर्स के वोट को आकर्षित करने के लिए कुछ रियायतें दी जा सकती हैं।

बदलाव की उम्मीद कम

अर्थशास्त्री और वर्तमान में बेंगलुरु के डॉ। बी आर आंबेडकर स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स यूनिवर्सिटी के कुलपति एन आर भानुमूर्ति बताते हैं कि यह अंतरिम बजट होगा। ऐसे में टैक्स व्यवस्था में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्योंकि इसका मकसद पूरे साल का बजट पेश होने तक केवल व्यय बजट पर मंजूरी लेने का होता है। वैसे भी कर व्यवस्था और संरचना में बार-बार बदलाव से अनुपालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, मुझे आयकर व्यवस्था में किसी भी तरह के बदलाव की उम्मीद नहीं है।

निवेश लिमिट में सुधार की है जरूरत

टैक्स की बात आती है तो आमतौर पर एक्सपर्ट इनकम टैक्स पर बात कर पूर्ण विराम लगा देते हैं, लेकिन एक बड़ी आबादी आज भी कॉर्पोरेट में निवेश से जुड़े सुधार को लेकर अपनी लड़ाई लड़ रही है। कुछ हद तक सरकार उनकी मांग पर अमल भी कर चुकी है, लेकिन अभी भी कई सारे बदलाव होने बाकि हैं। आरएसडी बजाज ग्लोबल लॉ फर्म के फाउंडर और एडवोकेट वरुण बजाज कहते हैं कि सरकार वेंचर कैपिटलिस्ट द्वारा स्टार्टअप में निवेश करने के मिनिमम इंवेस्टमेंट लिमिट पर अभी तक कोई बदलाव नहीं कर पाई है। अभी के नियम के मुताबिक, कोई निवेशक 1 करोड़ से कम निवेश के साथ अपनी भागीदारी कंपनी में सुनिश्चित नहीं कर सकता है। यही कारण है कि छोटे निवेशक किसी अच्छी कंपनी में आईपीओ आने से पहले निवेश नहीं कर पाते हैं। सरकार को इस लिमिट पर विचार कर उसे कम करने के बारे में सोचना चाहिए। वहीं इस फर्म की फाउंडर और एडवोकेट शिवआरती बजाज कहती हैं कि सरकार को इसमें निवेश करने वाले निवेशकों के लिए टैक्स छूट की व्यवस्था करनी चाहिए। जैसे घर खरीदने या म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर टैक्स छूट प्रोवाइड करती है।

भारतीय शेयर बाजार से एफआईआई ने तीन दिन में निकाले 24 हजार करोड़

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।भारतीय शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने तीन दिन (17-19 जनवरी) में 24,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। हालांकि, पूरे जनवरी महीने में 13,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। इससे पहले इन निवेशकों ने दिसंबर में 66,134 करोड़ और नवंबर में 9,000 करोड़ के शेयरों की खरीदी की थी। इन निवेशकों ने डेट में जनवरी में 15,647 करोड़ रुपये का निवेश किया है। दिसंबर में डेट में 18,302 करोड़ व नवंबर में 14,860 करोड़ निवेश किया था। डेट मे इसलिए निवेश बढ़ रहा है क्योंकि जेपी मॉर्गन जून से अपने बेंचमार्क में भारतीय बॉन्ड को शामिल करेगा। एफआईआई ने भारत के अलावा अन्य उभरते देशों ताइवान, दक्षिण कोरिया और हॉन्गकॉन्ग के बाजारों से भी निकासी की है। अमेरिकी बॉन्ड की ब्याज दर में वृद्धि से एफआईआई ने बाजारों से पैसे निकाले हैं।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहन फरवरी से महंगे हो जाएंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि हर मॉडल की औसतन 0.7 फीसदी तक कीमतें बढ़ेंगी। इसमें इलेक्ट्रिक वाहन भी होंगे। इनपुट और अन्य लागत बढ़ने से कंपनी ने यह फैसला किया है। इससे पहले जनवरी में भी कंपनी ने अपने सभी उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की थी। शेयर बाजार में शीर्ष 10 कंपनियों में से पांच की पूंजी पिछले हफ्ते 1.68 लाख करोड़ घट गई। सबसे ज्यादा एचडीएफसी बैंक को नुकसान हुआ। इस दौरान बीएसई में 1,145 अंकों की गिरावट रही। एचडीएफसी बैंक की पूंजी 1.22 लाख करोड़ घटकर 11.22 लाख करोड़ रुपये रही। शेयर 12% से ज्यादा गिरकर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज की पूंजी 18,199 करोड़ घटकर 18.35 लाख करोड़, एचयूएल की पूंजी 17,845 करोड़ घटकर 5.80 लाख करोड़ रही।वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश से वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 2023 में मामूली 0.4% बढ़कर 765.6 अरब डॉलर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, निर्यात को इलेक्ट्रॉनिक, दवा, सूती धागा, कपड़े, सिरेमिक उत्पाद, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पाद, फल-सब्जियां व आईटी से मदद मिली है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले कैलेंडर साल में वस्तुओं का निर्यात 4.71 फीसदी घटकर 431.9 अरब डॉलर पर आ गया। हालांकि, सेवाओं का निर्यात 7.88 फीसदी बढ़कर 333.8 अरब डॉलर पहुंच गया।

तरुण खुल्बे जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड के सीईओ नियुक्त, उड़ान के सीएफओ ने छोड़ी कंपनी

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने पूर्णकालिक निदेशक तरुण खुल्बे को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि पिछले सप्ताह कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक में यह निर्णय किया गया। वहीं, बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी उड़ान के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदित्य पांडे तीन साल के कार्यकाल के बाद कंपनी से अलग हो रहे हैं।बयान के अनुसार, "निदेशक मंडल ने तरुण खुल्बे को मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक के रूप में पदोन्नत करने को मंजूरी दे दी है। वह मई 2018 से कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। कंपनी ने कहा कि वह सीईओ के अलावा इस पद पर बने रहेंगे। खुल्बे के पास व्यवसाय विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, लोगों की प्रथाओं और आईटी सक्षमता में लगभग 35 वर्षों का उद्योग अनुभव है। कंपनी ने कहा, दीर्घकालिक व्यापार रणनीतियों को तैयार करने और संचालन और बिक्री के सभी पहलुओं को मजबूत करने में उनका अनुभव सराहनीय रहा है।ऐसे समय में जब कंपनी अपने अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम लिंकेज का विस्तार और परिपक्वता कर रही है, खुल्बे का संचालन हमारी विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। खुल्बे अक्तूबर 2004 में हरियाणा के हिसार में कोल्ड रोलिंग मिलों के महाप्रबंधक के रूप में जेएसएल में शामिल हुए थे। ओ पी जिंदल समूह का हिस्सा जिंदल स्टेनलेस भारत का सबसे बड़ा स्टेनलेस स्टील निर्माता है।

उड़ान के सीएफओ ने कंपनी छोड़ी

बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी उड़ान के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदित्य पांडे तीन साल के कार्यकाल के बाद कंपनी छोड़ रहे हैं।

बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) ई-कॉमर्स कंपनी उड़ान के मुख्य वित्तीय अधिकारी आदित्य पांडे तीन साल के कार्यकाल के बाद कंपनी छोड़ रहे हैं। कंपनी ने अन्य वरिष्ठ स्तर के संगठनात्मक परिवर्तनों की भी घोषणा की, जिसके तहत समूह के वित्त नियंत्रक किरण थडिमारी को कार्यकारी प्रबंधन टीम में पदोन्नत किया गया।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले गौतम अडानी ने किया दिल छू लेने वाला ट्वीट

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।पूरे देश में अयोध्या स्थित राम मंदिर में होने वाली प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह है। देशभर के मंदिरों में आयोजन हो रहे हैं। अयोध्या में प्रधानमंत्री के अलावा, देश के प्रमुख कारोबारी, फिल्मी सितारों के अलावा और भी कई लोग पहुंचे हुए हैं। वहीं दूसरी ओर देश और एशिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी ने अयोध्या प्राण प्रतिष्ठा से पहले दिल को छू लेने वाला ट्वीट किया है। खास बात तो ये है कि पिछले साल इन्हीं दिनों में गौतम अडानी और उनकी कंपनी के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट सामने आई थी। जिसमें उनके खिलाफ दुनिया का सबसे बड़ा अकाउंटिंग फ्रॉड और शेयरों में हेरफेर का आरोप लगा था। आइए आपको बताते हैं कि आखिर गौतम अडानी ने ट्वीट से देश के लोगों का दिल कैसे जीत लिया।एशिया और देश के दूसरे सबसे बडे अमीर कारोबारी और अडानी ग्रुप के चेयरमैन औतम अडानी ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से पहले अपने ट्वीट से आम लोगों का दिल छू लिया। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि आज इस पावन मौके पर जब अयोध्या के राम मंदिर के पट खुलेंगे तो इसे देश-विदेश के लिए ज्ञान और शांति का प्रवेश द्वार बनने दें। गौतम अडानी और उनके परिवार के अलावा अंबानी परिवार और देश के जाने मानें कारोबारी भी अयोध्या में पहुंचे हुए हैं।जफरीज की फ्रेश रिपोर्ट के अनुसार अयोध्या और राम मंदिर के रूप में देश के टूरिज्म इकोसिस्टम को नया हॉट स्पॉट मिल गया है। अयोध्या के मेकओवर में करीब 80 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होने का अनुमान है। जिसके तहत अयोध्या में एयरपोर्ट से लेकर रेलवे के साथ होटल के भी निर्माण हो रहा है।

राम के नाम का कमाल, दोना-पत्तल बनाने वाली कंपनी ने किया मालामाल

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। देश में जिस भी कंपनी का नाम राम मंदिर से जुडा, उसके शेयर रॉकेट हो गए और निवेशकों को मालामाल करने में कोई कसर नहीं छोडी। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर आज हम आपको ऐसी ही कंपनी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दोने-प्लेट बनाने का काम करती है, लेकिन कंपनी के एक शेयर में बीते तीन हफ्तों में 144 रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है। जबकि एक महीने में कंपनी के शेयर में 150 रुपए की बढोतरी देखने को मिली है। आइए आपको भी इस कंपनी के बारे में जानकारी देते हैं।

कब लिया गया था फैसला

इस कंपनी का नाम पक्का लिमिटेड है। जोकि राम मंदिर में कंपोस्टेबल प्लेट और दोने सप्लाई की है। जब से राम मंदिर ट्रस्ट और कंपनी के बीच टाईअप हुआ है । तब से कंपनी के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। जानकारी के अनुसार कंपनी को मंदिर में 2 लाख प्लेट और दोने सप्लाई करने का ऑर्डर मिला है। प्रसाद परोसने के लिए दोने और प्लेट लेने का फैसला पिछले साल 12 नवंबर को पक्का के प्रमोटर और वाइस प्रेसीडेंट वेद कृष्ण की राम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के साथ बैठक के बाद लिया गया।

रॉकेट बने कंपनी के शेयर

राम मंदिर से मिले कांट्रैक्ट से कंपनी में निवेशकों की काफी दिलचस्पी देखने को मिली। जनवरी के महीने में ही कंपनी के शेयर में 143.80 रुपए का इजाफा देखने को मिला है और कंपनी का शेयर 382.50 रुपए पर आ गया है। अगर बात बीते एक महीने की करें तो एक शेयर की कीमत में करीब 150 रुपए का इजाफा देखने को मिला था। वहीं 12 नवंबर के बाद से कंपनी के शेयर 136.3 रुपए का इजाफा देखने को मिला है। एक समय था जब पक्का लिमिटेड के शेयर 2021 में 107 रुपए थे जोकि 2022 में 240 रुपए पर आ गए। कंपनी के मुताबिक, शेयर की कीमत पिछले कुछ समय से बढ़ रही है।

कितना है कंपनी का टर्नओवर

2021-22 में कंपनी का टर्नओवर 300 करोड़ रुपए था और 2022-24 तक इसके 500 करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें से यह पहले ही 400 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। 1981 में स्थापित और पहले यश लिमिटेड के नाम से जानी जाने वाली कंपनी का नाम बदलकर पक्का लिमिटेड कर दिया गया है। इसने 2005 में पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक होने की दिशा में कदम उठाया। राम मंदिर से जुड़ने के बाद कंपनी को जो लोकप्रियता मिली है, उससे आगे बढ़ते हुए अब कंपनी 650 करोड़ रुपए का टारगेट बना रही है।

कितने बाउल्स और प्लेट का मिला है ऑर्डर

पक्का के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर गौतम घोष के अनुसार, नए निवेश की घोषणाओं के साथ, कंपनी के शेयर की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि और राम मंदिर के साथ गठजोड़ ने निश्चित रूप से उस तरह के व्यवसाय को बढ़ावा दिया है जो हम पैदा कर रहे हैं। राम मंदिर टाइअप के बारे में बात करते हुए, घोष ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि हम प्लास्टिक-फ्री कंपोस्टेबल आइटम्स तैयार कर रहे हैं। मंदिर में यूज होने वाली सभी डिस्पोजेबल आइटम हमारी कंपनी की होंगी। सोमवार से पहले कंपनी ने 50,000 प्लेटें और कटोरे भेजे हैं। सोमवार को प्रसाद के लिए, लगभग 10,000 स्पेशल 350 मिलीलीटर कंटेनर बाउल्स राम मंदिर में स्पलाई होंगे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर..	06-21 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	कुंभ...	08-11 बजे
मंगल	धनु	में	मीन ..	09-49 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-25 बजे
गुरु-	मेष	में	वृष--	13-10 बजे
शुक्र-	धनु	में	मिथुन..	15-10 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	17-22 बजे
राहु-	मीन	में	सिंह...	19-34 बजे
केतु-	कन्या	में	कन्या..	21-41 बजे
			तुला.....	23-46 बजे
			वृश्चिक	00-57 बजे
			धनु.....	04-14 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-53
भोग्य कलि वर्ष-426876 सूर्यास्त. - 18-02
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 20 :39 - तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - पौष शुक्ल पक्ष , मंगलवार 23 January
नक्षत्र - आर्द्रा - 06 - 26 - पूर्ण दिन-रात तक
योग - ऐन्द्र - 08 - 03 - तक उप वैधृति
करण- कौलव - 08 :12 - तक उप- तैतिल
विशेष:- भौम प्रदोष व्रत-उपवास
व्रत -त्योहार - नेताजी सुभाषचंद्र ज.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 15:16 से 16:41 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
रोग	06:53 - 08:15	अशुभ	काल.	18:02 - 19:41 अशुभ
उत्पात	08:15 - 09:39	अशुभ	लाभ	19:41 - 21:16 शुभ
चंचल	09:39 - 11:04	शुभ	उत्पात	21:16 - 22:52 अशुभ
लाभ	11:04 - 12:28	शुभ	शुभ	22:52 - 24:28 शुभ
अमृत	12:28 - 13:52	शुभ	अमृत	24:28 - 02:04 शुभ
काल	13:52 - 15:16	अशुभ	चंचल	02:04 - 03:39 शुभ
शुभ.	15:16 - 16:41	शुभ	रोग	03:39 - 05:15 अशुभ
रोग	16:41 - 18:02	अशुभ	काल	05:15 - 06:53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है । आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे । इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे । आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आपका मूड बदलता रहेगा । आप खुद भी यह नही समझ पायेंगे कि आप ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं और इस स्थिति को कैसे बदलें ? आपके इस प्रकार के व्यवहार से दुसरे भी उलझन में रहेंगे । फिर भी,किसी भी स्थिति में इमानदार बने रहें क्योंकि इसी से आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में मदद मिलेगी । आज सब चीजों को हल्के में लें और खुद को बस निरीक्षक की भूमिका तक सीमित रखें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा। अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे । आपको अपने इस काम में किसी घटना से भी मदद मिलेगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं।आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है। अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें । आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं । आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं । आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा । हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो यह सब उल्टा -पुल्टा भी हो सकता है । कई सारी विशेष घटनाएँ और ऑफिस की पार्टीज आपके पाचन को खराब कर सकती हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओं की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

समय कुछ बहादुरी भरे कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत । इसके स्थान पर ,मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये । इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो । पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

आस्था का सैलाब और अरबों की कमाई का मौका... अयोध्या में यूं ही नहीं लगा है धनकुबेरों का तांता

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में आज प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपन्न हो गया। दुनियाभर के हिंदुओं श्रद्धालुओं के साथ-साथ उद्योगपतियों और निवेशकों की नजर इस कार्यक्रम पर थी। इस मौके पर कारोबारी जगत की कई जानी मानी हस्तियां भी अयोध्या पहुंची थीं। माना जा रहा है कि अयोध्या का कायाकल्प करने के लिए 85,000 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। साथ ही राम मंदिर के बनने से उत्तर प्रदेश की भी तस्वीर बदलने की उम्मीद की जा रही है। यूपी देश में सबसे ज्यादा आबादी वाला राज्य है। यही वजह है कि देश-विदेश की कंपनियों की नजर इस राज्य पर है।अयोध्या में राम मंदिर बनने का असर दलाल स्ट्रीट पर भी दिख रहा है। राम मंदिर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में अक्टूबर से ही भारी उछाल दिख रहा है। रिटेल निवेशक इन कंपनियों में जमकर निवेश कर रहे हैं। इनमें अलाइड डिजिटल सर्विसेज, थॉमस कुक, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) और ईजी ट्रिप प्लानर्स के शेयरों में काफी तेजी आई है। इसी तरह दोना-पत्ता बनाने वाली अयोध्या की कंपनी पक्का लिमिटेड के शेयरो में इस महीने अब तक 150 फीसदी तेजी आ चुकी है। जैफरीज ने एक नोट में कहा है कि पर्यटन बढ़ने से अयोध्या में एफएमसीजी, कंज्यूमल स्टैपल्स और क्विक सर्विस रेस्टोरेंट्स की मांग में भारी बढ़ोतरी का अनुमान है।

कोका-कोला ने बदला रंग

अनुमानों के मुताबिक आने वाले दिनों में अयोध्या में एक निवासी पर 10 टूरिस्ट होंगे। 2022 में 2.21 करोड़ से अधिक श्रद्धालु अयोध्या आए थे। यही वजह है कि अयोध्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए बड़ी कंपनियों ने पूरी तरह कमर कस ली है। लखनऊ, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में अपने ब्रांड्स को शोकेस करने के लिए कंपनियां वहां की दुकानों के साथ हाथ मिला रही हैं। इसे इस बात से समझा जा सकता है कि कोका-कोला ने अपने परंपरागत लाल रंग को मंदिर की थीम पर बदल दिया है और कई दुकानों पर कम से कम 50 वेंडिंग मशीनें लगा रखी हैं। डाबर ने अपने हाजमोला ब्रांड को पुश करने के लिए उत्तर प्रदेश के हाइवेज पर ढाबों के साथ हाथ मिलाया है। साथ ही अपने हेयर ऑयल और टी प्रॉडक्ट्स को प्रमोट करने के लिए कई कदम उठाए हैं।रिलायंस इंडस्ट्रीज की कंज्यूमर कंपनी ने भी अपने कैंपा सॉफ्ट ड्रिंक, स्नैक्स और इंडिपेंडेंस ब्रांड के प्रॉडक्ट्स को प्रमोट करने के लिए कई उपाय किए हैं। कंपनी अयोध्या में श्रद्धालुओं को इंडिपेंडेंस वाटर मुफ्त में देने की योजना बना रही है। गौतम अडानी की कंपनी अडानी विल्मर ने अपने फॉर्च्यून ब्रांड को प्रमोट करने के लिए ढाबों के साथ जुगलबंदी की है। इसके लिए कई जगह होर्डिंग्स और कियोस्क लगाए गए हैं। राम मंदिर के उद्घाटन से पहले दीयों, राम पटका और पूजा सामग्री की भारी मांग देखी गई। कैट का दावा है कि इस दौरान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का बिजनस हो चुका है। बिंल्किट, स्विगी, इंस्टामार्ट, बीबी नाउ और जेप्टो जैसे ऐप्स दिया, फूल, फल, मिठाई और मूर्तियों जैसी पूजा सामग्री को पुश कर रहे हैं।अयोध्या में हाल में रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे का उद्घाटन किया गया है। साथ ही 15,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है। एसबीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक राम मंदिर के कारण फाइनेंशियल ईयर 2025 में उत्तर प्रदेश सरकार को 25,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई हो सकती है। मास्टर प्लान 2031 के मुताबिक अयोध्या के पुनर्विकास का काम अगले दस साल में पूरा होगा। इस पर 85,000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। शहर में अभी केवल दो ब्रांडेड होटल हैं। लेकिन आने वाले दिनों में ताज होटल्स और आईटीसी होटल्स ने शहर में बड़े पैमाने पर निवेश करने की तैयारी में है।

कौन देता है डायरेक्ट-इनडायरेक्ट टैक्स? ,तो क्या इस उलझन में समझ नहीं आता आपको बजट

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)।1 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। यह अंतरिम बजट होगा। सरकार चुनाव से पहले के खर्चे को पूरा करने के लिए इसे पेश करेगी। मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में जब पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था तब कई सारी नई योजनाओं की घोषणा की गई थी। इस बार भी उम्मीद की जा रही है कि सरकार जनता के हित को ध्यान रखते हुए नई योजनाओं को लॉन्च कर सकती है। बात जब जनता के हित से जुड़ी होती है तो कई लोग टैक्स पर बातचीत शुरू कर देते हैं। उसमें से हजारों लोग ऐसे होते हैं जो डायरेक्ट और इनडायरेक्ट के बीच अंतर को लेकर कंफ्यूज रहते हैं। आज की स्टोरी में हम आपके इस कंफ्यूजन को दूर करने वाले हैं।टैक्स का आसान मतलब है एक टैक्स जो हर सामान्य व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, ताकि सरकारी योजनाएं संचालित रह सकें। सामान्य भाषा में टैक्स को दो कैटेगरी में विभाजित किया जाता है – डायरेक्ट टैक्स और इनडायरेक्ट टैक्स। डायरेक्ट टैक्स वह है जो सीधे व्यक्ति से वसूला जाता है, जैसे कि इनकम टैक्स, शेयर या प्रॉपर्टी की आय पर लगने वाला टैक्स, कॉर्पोरेट टैक्स और विरासत में मिली संपत्ति पर लगने वाला टैक्स। इसके बावजूद, इनडायरेक्ट टैक्स भी होता है, जो व्यक्ति से सीधे नहीं लिया जाता है, लेकिन उसे किसी तरह से भुगतना होता है, जैसे कि एक्साइज टैक्स, जीएसटी और कस्टम टैक्स।

17000 करोड़ में 10 बड़े मंदिरों का पुनर्निर्माण

छत्तीसगढ़ में अयोध्या जैसा बनेगा कौशल्या मंदिर
800 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर का कायाकल्प

माता कौशल्या मंदिर

रायपुर, 22 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। छत्तीसगढ़ में 32 करोड़ रुपए की लागत से सदियों पुराने माता कौशल्या मंदिर का रेनोवेशन किया जाना है, जिसका एक हिस्सा अयोध्या के राम मंदिर जैसा होगा। इसी तरह, केरल में भगवान विष्णु के 5 हजार साल पुराने थिरुनेली मंदिर का कायाकल्प भी किया जा रहा है। केरल-कर्नाटक सीमा पर ब्रह्मगिरि पहाड़ियों में स्थित इस मंदिर को दक्षिण का काशी कहा जाता है। इसके रेनोवेशन पर 10 करोड़ रुपए खर्च होने की संभावना है। कर्नाटक में 200 ऐतिहासिक स्मारकों और मंदिरों के रेनोवेशन के लिए 20 साल से प्रोजेक्ट चल रहा है, जिसके लिए 35.37 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

देश के 10 राज्यों में कई बड़े मंदिरों-तीर्थों के निर्माण और रेनोवेशन के लिए बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिनमें करीब 17 हजार करोड़ रुपए खर्च होने हैं

काशी-विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की तर्ज पर असम में कामाख्या देवी मंदिर परिसर में भी कॉरिडोर बनाने की चर्चा हो रही है। वहीं, नौगांव में बटाद्रवा प्रोजेक्ट के लिए बजट तय हो चुका है। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट का प्लान 'असम दर्शन' के तहत तैयार किया है।

उत्तर प्रदेश में अयोध्या के बाद अब प्रयागराज में भी एक विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। अगले साल महाकुंभ से पहले वहां के कई मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जाना है।

हिमाचल सरकार बिलासपुर के डूबे मंदिरों को पानी से ऊपर उठाने की तैयारी में है। बिलासपुर बीजेपी प्रेजिडेंट जेपी नड्डा का गृहनगर भी है। यहां धार्मिक और हेरिटेज टूरिज्म को प्रमोट करने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

ओडिशा की पटनायक सरकार पुरी में 800 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर समेत पूरे राज्य के कई मंदिरों का कायाकल्प कर रही है। वहां हर गांव में 'जगन्नाथ संस्कृति' के संरक्षण का काम किया जाएगा। ओडिशा की ऐतिहासिक विरासत को संजोने, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने के साथ ही आर्किटेक्चर का डेपलपमेंट भी किए जाने का प्लान है।

जगन्नाथ मंदिर कॉरिडोर का हाल ही में उद्घाटन हो चुका है, जिसमें ग्रीन बफर जोन, पैदल पथ, रिसेप्शन सेंटर, कल्चरल सेंटर, लाइब्रेरी और जगन्नाथ बल्लभ तीर्थ क्षेत्र का निर्माण किया गया है।

राजस्थान चुनाव से पहले 2023 में राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वहां के 2 मंदिरों के कायाकल्प की घोषणा की थी। जयपुर और डूंगरपुर के इन मंदिरों का ऐतिहासिक महत्व भी है।

'भारत राष्ट्र समिति' की देखरेख में तेलंगाना के नरसिम्हा स्वामी मंदिर का मेकओवर किया गया। यह मंदिर नृसिंह अवतार को समर्पित है, जिन्होंने हिरण्यकश्यप का संहार किया था। इस प्राचीन मंदिर में ज्वाला नरसिम्हा, गंडभेरुंड नरसिम्हा, योगानंद नरसिम्हा, उग्र नरसिम्हा और लक्ष्मी नरसिम्हा के दर्शन होते हैं।

पहले छोटी सी गुफा में स्थित मंदिर को मेकओवर के बाद भव्य स्वरूप मिला है। सिकंदराबाद-दिल्ली मार्ग से गुजरने वाली ट्रेनों में बैठे यात्री भी अब मंदिर के दर्शन कर सकते हैं।

बिहार में बन रहा विराट रामायण मंदिर कंबोडिया के 800 साल पुराने अंगकोरवाट मंदिर की याद दिलाएगा। इसकी वास्तुकला अंगकोर वाट मंदिर, रामेश्वरम के रामनाथस्वामी मंदिर और मदुरै के मीनाक्षी सुंदरेश्वर मंदिर से प्रेरित है। 'महावीर मंदिर मंदिर ट्रस्ट' के मुताबिक यहां दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग भी होगा। मंदिर में 20 हजार लोगों के बैठने की जगह होगी।

पश्चिम बंगाल में भी प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ नए मंदिरों का निर्माण हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्य सरकार ने कोलकाता के हुगली के किनारे स्थित दक्षिणेश्वर मंदिर, सागर द्वीप के कपिल मुनि मंदिर, तारापीठ मंदिर और कंकलीतला मंदिर समेत 150 से ज्यादा मंदिरों के लिए बजट आवंटित किया है। 51 शक्तिपीठों में शामिल कालीघाट मंदिर के साथ ही जलपाईगुड़ी के देवी चौधुरानी मंदिर के रेनोवेशन का काम शुरू हुआ। हालांकि, अब कालीघाट मंदिर का जीर्णोद्धार मुकेश अंबानी के रिलायंस फाउंडेशन की तरफ से कराया जा रहा है।

अभी अमरनाथ तीर्थयात्रा बहुत कठिन मानी जाती है। मंदिर तक पहुंचने के दो रास्ते हैं- पहला पहलगाम होते हुए और दूसरा बालटाल से। सबसे पुराना और ऐतिहासिक रूट पहलगाम से होकर जाता है। पहलगाम से पवित्र गुफा की दूरी करीब 48 किमी है। इस रूट से गुफा तक पहुंचने में 3 दिन लगते हैं। जबकि, 14 किमी लंबा बालटाल रूट काफी छोटा है, लेकिन यह रास्ता ज्यादा मुश्किल है।

5000 किलो बेर से बनाई गई भगवान श्रीराम की रंगोली

डिप्टी सीएम अरुण साव ने लोरमी के हाई स्कूल में बनवाया

मुंगेली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर छत्तीसगढ़ में जश्न और उत्साह का माहौल है। इसी बीच मुंगेली जिले के लोरमी में 5 हजार किलो बेर से श्रीराम की रंगोली बनाई गई है। जिसमें दो किस्मों के बेर का उपयोग किया गया है। इस बेर को महाराष्ट्र के नागपुर से मंगवाया गया है।

दरअसल, डिप्टी सीएम अरुण साव ने लोरमी के हाई स्कूल मैदान में यह रंगोली बनवाई है। बताया जा रहा है कि रायपुर के रंगोली कलाकार प्रमोद साहू और उनकी 23 कलाकारों की टीम ने 24 घंटे में 5 हजार वर्गफीट में रंगोली तैयार की है। दावा किया गया है कि प्रभु राम की बेर से विश्व की सबसे बड़ी रंगोली बनाई गई है। इस रंगोली में दो किस्मों के बेर का उपयोग किया गया है। जिसमें लगभग 4 टन बेर महाराष्ट्र के नागपुर और 1 टन बेर छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जगहों से मंगाया गया था। इस अनोखी बेर से बनी रंगोली की ड्रोन वीडियो भी सामने आया है। जिसमें आप देख सकते हैं कि भगवान राम की कितनी आकर्षक रंगोली बेर से उकेरी गई है।

झारखंड हाईकोर्ट का अहम फैसला

मां की नौकरी के बाद भी पिता पर बच्चों की जिम्मेदारी, हर महीने 5 हजार देने का फैसला

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा है कि मां भले ही नौकरी करती हो, लेकिन पिता भी बच्चों के पालन पोषण के लिए जिम्मेदार है।

जस्टिस सुभाष चंद की कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए पिता को हर महीने 5 हजार रुपए देने का आदेश दिया है। साथ ही नाबालिग बच्चों के भरण-पोषण का आदेश देते हुए पिता की उस याचिका का खारिज कर दिया जिसमें पत्नी के नौकरी करने का जिक्र था।

फैमिली कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती

पति रघुवर सिंह ने हजारीबाग की फैमिली कोर्ट के उस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी जिसमें कोर्ट ने बच्चों के पालन के लिए हर महीने पांच हजार रुपए देने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने इस फैसले को बरकरार रखा।

फैमिली कोर्ट में निभा सिंह ने अपने पति खिलाफ दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। उसने यह भी आरोप लगाया कि बच्चों के भरण-पोषण में भी लापरवाही की जा रही है। पत्नी ने बताया था कि पति को वेतन के साथ- साथ पैतृक कृषि भूमि से भी आय होती है।

पति ने बताया मैं बेरोजगार, पत्नी की नौकरी

पति ने याचिका दायर करते हुए खुद को बेरोजगार बताया जबकि पत्नी नौकरी कर रही है। कोर्ट ने इस मामले में पाया कि रघुवर सिंह पहले बैंक में लोन मैनेजर था और वर्तमान में एनजीओ में नौकरी कर रहा है। कोर्ट ने इस मामले में कहा, पत्नी को 12 से 14 हजार रुपए मिल रहे हैं। पत्नी बच्चों का भरण-पोषण कर रही है। इसकी जिम्मेदारी पिता रघुवर सिंह की भी है। दोनों नाबालिग बच्चों के लिए प्रति माह 5 हजार देने के फैमिली कोर्ट आदेश को बरकरार रखा गया और पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी गई।

पुलिस कैंप पर हमला, गोलीबारी में 3 नक्सली ढेर

माओवादियों ने जारी की साथियों की तस्वीर, सालों से संगठन में कर रहे थे काम

जगदलपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में धर्माराम पुलिस कैंप पर 16 जनवरी को नक्सलियों ने हमला कर दिया था। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में पुलिस ने तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया है। 21 जनवरी को नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर मारे गए नक्सलियों की तस्वीर जारी की है। तीनों बड़े कैडर के नक्सली बताई जा रहे हैं, जो पिछले कई सालों से मावा संगठन से जुड़कर काम कर रहे थे।

दरअसल, नक्सली प्रवक्ता समता ने प्रेसनोट जारी किया है। जिसमें कहा कि, 16 जनवरी को धर्माराम पुलिस कैंप पर नक्सलियों की पीएलजीए ने हमला किया था। कई घंटे तक गोलीबारी भी हुई थी। लेकिन पुलिस की गोली लगने से उनके साथी करटम देवा, मड़कम देवा, मुचाकी चंदा को गोली लगी। ये तीनों नक्सली मारे गए।

सीएम साय ने शिवरीनारायण पहुंचकर की भगवान नर नारायण की पूजा की

ओम माथुर भी रहे मौजूद

जांजगीर चांपा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का शिवरीनारायण पहुंचने पर हेलीपैड में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामवासियों ने आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री बनने के बाद साय का पहला जांजगीर-चांपा जिला आगमन है। मुख्यमंत्री श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में हो रहे कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री के साथ ओम माथुर, गौसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष राजेश्री महंत, डॉ रामसुंदर दास भी पहुंचे। सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिवरीनारायण स्थित भगवान नर नारायण मंदिर में दर्शन पूजन किया। मुख्यमंत्री ने भगवान नर नारायण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के गौरवशाली क्षण में राममय है माता शबरी की भूमि शिवरीनारायण। त्रेता युग में इसी भूमि में श्रीराम को जूठे बेर माता शबरी ने खिलाये थे। आज शिवरीनारायण की धरती वैसी ही पुलकित है। आज श्रीराम पुनः अयोध्या धाम में पधारे हैं। आज इस शुभ क्षण को देखने शिवरीनारायण के हजारों लोगों की उपस्थिति दूर तक दिख रही है।

शुभ शंखनाद और राम रतन धन पायो के स्वर लहरियों के साथ श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के विलक्षण पल के साक्षी बन रहे हजारों लोग। जय जय श्रीराम का हो रहा लगातार उद्घोष। पायो जी मैंने राम रतन धन पायो की इस धुन में छत्तीसगढ़ का तंबूरा भी शामिल है। भगवान श्रीराम के aदर्शन मात्र से सभी लोग धन्य हो गये हैं।

भगवान श्रीराम के इस अद्भुत रूप को देखकर सभी मुग्ध हैं। खुशी का पारावार नहीं है। आज भारत के लोगों के लिए छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए ऐतिहासिक दिन है। शिवरीनारायण के इस पवित्र धाम से यह सुंदर दृश्य निहारना लोगों को चमत्कृत कर रहा है।

माता शबरी धैर्य और भक्ति का प्रतीक हैं। उनके इस पवित्र शिवरीनारायण धाम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अयोध्या धाम में होने वाले श्री रामलला प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर पहुँचे हैं। जिस तरह माता शबरी बरसों तक तपस्या कर श्रीराम का रास्ता निहारती रहीं। उसी तरह श्रीराम के ननिहाल के लोग छत्तीसगढ़ के निवासी भी श्रीराम का रास्ता बरसों से ताक रहे हैं।

श्रीराम की प्राणप्रतिष्ठा होने के बाद अब प्रदेश के करोड़ों लोगों को गहरे आनंद का अनुभव होगा। माता शबरी प्रतीक हैं छत्तीसगढ़ के लोगों के अपने भांजे श्रीराम के प्रति गहरे स्नेह की। अपनी भक्ति में उन्होंने जूठे बेर श्रीराम को खिलाए। आज सभी छत्तीसगढ़वासी राम भक्ति का स्वाद चख रहे हैं और इस शुभ अवसर पर बहुत पुलकित हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा-झारखंड के मंदिरों में विशेष पूजा

जमशेदपुर में विश्व की सबसे बड़ी श्रीराम रंगोली, शहरों से लेकर गांव तक भगवा पताका

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में आज माहौल भक्तिमय है। राज्य में हर तरफ राम के नाम की गूंज है। कई जिलों में भजन-कीर्तन और पूजा-भंडारा का आयोजन हो रहा है। अयोध्या के नए मंदिर में भगवान श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा होगी तो राज्य भर में मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया गया है। जमशेदपुर में विश्व की सबसे बड़ी श्रीराम रंगोली बनाई गई है। जमशेदपुर के युवा कलाकार विवेक मिश्र ने 18,500 स्क्वायर फीट से ज़्यादा एरिया में रंगोली बनाकर रिकॉर्ड बनाया है।

रांची के मेन रोड स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में सुबह नौ बजे से सुन्दर कांड, हनुमान चालीसा एवं रामरक्षा मंत्र का पाठ होगा। 12 बजे अयोध्या से एलईडी पर भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा सीधा प्रसारण के बाद महा आरती होगी। पूरे दिन भंडारा का आयोजन किया गया है।

ऑफिस की बात पर हुआ झगड़ा, सिर में मारी गोली

रामगढ़ में युवक की हत्या, साथ काम करने वाले दो लोगों से हुई थी बहस

बोकारो, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ में ऑफिस की किसी बात पर हुई लड़ाई में एक युवक की हत्या कर दी गई। युवक के सिर में गोली मारी गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वारदात जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र में रविवार शाम 6.30 बजे हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल से पिस्तौल बरामद कर लिया है। मृतक की पहचान हुवाग-बलसगरा के रहने वाले शोएब के तौर पर हुई हैं। वह भारत फाइनेंस के ऑफिस में काम करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच जारी है।

गुस्से में साथ काम करने वाले ने ही मारी गोली

शोएब की भारत फाइलेंस कंपनी में साथ काम करने वाले दो लोगों से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। बहस इतनी बढ़ गई कि शोएब पर गोली चला दी गई। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद दोनों फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

कंपनी के कैशियर से पूछताछ

हत्या की वजह दफ्तर का ही विवाद बताया जा रहा है। हालांकि किस बात पर लड़ाई हुई थी, ये स्पष्ट नहीं है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। रामगढ़ एसडीपीओ किशोर कुमार रजक और वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी बलवंत दुबे ने शोएब के शव को अपने कब्जे लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। पुलिस भारत फाइनेंस के ब्रांच कैशियर को पूछताछ कर रही है।

ओपी प्रभारी बलवंत दुबे ने इस संबंध में बताया कि विवाद में गोली चली है। जिसमें एक कर्मी को गोली लगी है उसे सदर अस्पताल भेजा गया है। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हम पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ से अयोध्या तक चलेगी 'आस्था स्पेशल ट्रेन'

दुर्ग, 22 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए 'श्री रामलला दर्शन योजना' शुरू की है। छत्तीसगढ़ में 'आस्था स्पेशल ट्रेन' भक्तों का पहला जत्था लेकर दुर्ग रेलवे स्टेशन से 7 फरवरी को रवाना होगी। जिसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय हरी झंडी दिखाएंगे। दूसरे चरण के दर्शन यात्रा के लिए ट्रेन 29 फरवरी को रवाना होगी। इसलिए 1400 रुपए शुल्क लगेगा। जानकारी के मुताबिक, प्रदेश संयोजक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने एक समिति का गठन किया है। यह समिति भक्तों के पंजीयन, व्यवस्था और उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने की व्यवस्था का कार्य देखेगी। कौशिक ने संभाग के सभी जिला अध्यक्षों सहित 20 विधानसभा सीटों के महत्वपूर्ण नेताओं की बैठक लेकर इसकी कार्ययोजना तैयार की है।

धरमलाल कौशिक ने बताया कि रामलला दर्शन योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आस्था ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन पूरे भारत से अयोध्या राम मंदिर के दर्शन के लिए चलेगी। केंद्र सरकार ने दर्शन योजना बनाई है, उसमें भाजपा द्वारा विशेष रूपरेखा तैयार की गई है।

जिसके तहत दर्शनार्थियों का पहला जत्था 7 फरवरी को सुबह दुर्ग रेलवे स्टेशन से आस्था स्पेशल ट्रेन के माध्यम से रवाना होगा। जिसे हरी झंडी दिखाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश शासन के अन्य मंत्री और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे।

इस योजना में शामिल होने के लिए प्रति दर्शनार्थी 1400 रुपए का पंजीयन शुल्क देना होगा। इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर अयोध्या राममंदिर दर्शन समिति का गठन किया जा चुका है। जिला समिति के समक्ष पंजीयन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 24 जनवरी रहेगी। इसके बाद यह सूची रेलवे को प्रेषित कर दी जाएगी।

रेलवे प्रत्येक यात्री को एक अलग यात्रा कार्ड जारी करेगा। केवल पंजीकृत दर्शनार्थी ही ट्रेन में सवार हो सकेंगे। यात्रा के दौरान खान-पान और अयोध्या पहुंचने के बाद यातायात, ठहरने और खाने पीने की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। दूसरे चरण की दर्शन यात्रा 29 फरवरी को होगी।

राम मंदिर दर्शन समिति के प्रदेश संयोजक धरमलाल कौशिक ने बताया कि ट्रेन में अधिकतम 1440 लोगों का पंजीयन होगा। संभाग के तहत 8 जिलों की 20 विधानसभाओं से 1440 लोग इस जत्थे में शामिल होंगे। दुर्ग संभाग की प्रत्येक विधानसभा से 72 राम भक्त जाएंगे। ट्रेन का यात्रा प्रभारी अजय तिवारी को बनाया गया। इस ट्रेन में कुल 20 कोच रहेंगे, प्रत्येक कोच के लिए अलग-अलग कोच प्रभारी बनाए गए।

चरवाहा हत्याकांड मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

डिप्टी सीएम शर्मा ने पीड़ित परिजनों से की मुलाकात

कबीरधाम, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कवर्धा शहर में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात चरवाहा साधराम यादव (50) की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपी को पकड़ा है, जिसमे एक नाबालिग है। सोमवार को कवर्धा विधायक व डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान डिप्टी सीएम से परिजनों ने आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। इसके अलावा घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आर्थिक मुआवजा देने की मांग की है। इस पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। विजय शर्मा ने मृतक के पत्नी को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी। मौके पर यादव समाज के प्रमुखों व ग्रामीण मौजूद रहे।

कवर्धा कोतवाली थाना क्षेत्र के लालपुर कला गांव में रविवार की सुबह एक अधेड़ व्यक्ति की शव मिली थी। मृतक का नाम साधराम यादव (50), जो कवर्धा के एक गोशाला में चरवाहा का काम करता था। घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने रविवार को हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस ने 5 आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक नाबालिग है।

शनिवार रात के समय घटना स्थल पर मृतक व इन आरोपियों के बीच विवाद हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी थी व मौके से फरार हो गए। कबीरधाम एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने बताया कि आरोपियों का नाम सुफियान पिता इजराइल कुरैशी उम्र 21 निवासी एकता चौक, इदरीश पिता खलील खान उम्र 27, निवासी वार्ड क्रमांक 05, आदर्श नगर, अयाज पिता तफज्जुल खान उम्र 29, निवासी वार्ड क्रमांक 18, बीच पारा व महताब पिता अनवर खान उम्र 22निवासी नवाब मोहल्ला व एक नाबालिग शामिल है। चार ओरोपी को रविवार देर रात जेल दाखिल किया गया है। नाबालिग लड़के को बाल सुधार गृह भेज दिया है। ये सभी आरोपी कवर्धा शहर के रहने वाले हैं।

बंद ऑफिस के अंदर मिला युवती का शव

धनबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद में बंद ऑफिस के अंदर एक युवती का शव मिला है। युवती इस दफ्तर तक कैसे पहुंची और किसने उसकी हत्या की। पुलिस इसकी पड़ताल कर रही है। युवती का डेड बॉडी बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के श्रीराम प्लाजा बिल्डिंग में प्राइवेट म्यूचुअल फंड कंपनी के कार्यालय में मिला है। 7 दिसंबर 2023 को निशा कुमारी की शादी रांची में हुई थी। शादी से पहले युवती टाटा म्युचुअल फंड में 4 साल तक काम की। इस दौरान ब्रांच मैनेजर नीरज आनंद था। शादी से 15 दिन पहले उसने नौकरी छोड़ दी थी। शादी के बाद वह पहली बार अपने धनबाद स्थित घर आई थी। सहेली के साथ शॉपिंग करने गई थी, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटी।

एक्ट्रेस अमीषा ने पैसे लौटाने के लिए मांगा समय

शिकायतकर्ता बोला-टालने की है कोशिश, रांची सिविल कोर्ट में चेक बाउंस केस में सुनवाई

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री अमीषा पटेल के चेक बाउंस मामले की रांची सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अभिनेत्री अमिषा पटेल की ओर से कहा गया कि वह पैसे लौटाने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए समय दिया जाए। अभिनेत्री के वकील की ओर से ऐसा कहे जाने का शिकायतकर्ता अजय कुमार सिंह के वकील विजय लक्ष्मी ने विरोध किया। शिकायतकर्ता के वकील की ओर से अदालत को कहा गया कि अभिनेत्री अमिषा पटेल मामले को टालने की कोशिश में लगी हुई है। इसलिए इस तरह की बात कह रही है। सुनवाई ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट डीएन शुक्ला की अदालत में हुई। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट डीएन शुक्ला ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 29 जनवरी को अगली सुनवाई की तारीख रखी है। अभिनेत्री अमीषा पटेल ने रांची के रहने वाले अजय कुमार से ढाई करोड रुपए लिए थे। यह पैसा उन्होंने फिल्म बनाने के नाम पर लिया था। लेकिन फिल्म नहीं बनी। इसके बाद उन्होंने यह राशि दो चेक के माध्यम से लौटाया, लेकिन चेक बाउंस कर गया। जिसके बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। अजय सिंह और अमीषा पटेल के बीच जो समझौता हुआ था, उसके मुताबिक फिल्म जून, 2018 में रिलीज हो जाना था। जब पैसे लौटाने को लेकर अभिनेत्री की ओर से टालमटोल की गई तब अजय सिंह ने 17 नवंबर 2018 को सीजेएम कोर्ट में शिकायत वाद दाखिल किया था। चेक बाउंस मामले में सुनवाई चल रही है। इस मामले में गवाह संख्या एक अजय कुमार सिंह की दोबारा गवाही हो चुकी है।

सऊदी किंग मक्का जा सकते हैं तो मोदी 'राममय' क्यों नहीं हो सकते

पाकिस्तानी विशेषज्ञ ने विरोधियों को फटकारा

इस्लामाबाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तमाम तीर्थस्थलों पर जाने की सोशल मीडिया में जमकर चर्चा हो रही है। पीएम मोदी प्राण प्रतिष्ठा को देखते हुए लगातार व्रत रख रहे हैं। पीएम मोदी के इस रामभक्ति की दुनियाभर में काफी चर्चा है, वहीं पाकिस्तानी विशेषज्ञ भी इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। पाकिस्तानी विश्लेषक कमर चीमा कहते हैं कि अगर सऊदी प्रिंस मक्का जा सकते हैं, पाकिस्तानी पीएम मस्जिद जा सकते हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन शपथ लेने से पहले चर्च जा सकते हैं तो पीएम मोदी की भक्ति और उनके अयोध्या जाने पर क्यों हायतौबा हो रही है। कमर चीमा ने पीएम मोदी की भक्ति की आलोचना करने वालों को करारा जवाब दिया है।

कमर चीमा ने कहा कि यह पीएम मोदी का निजी हक है कि वह हिंदू धर्म को मानें। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को यह देखना चाहिए कि पीएम मोदी उनके खिलाफ क्या कर रहे हैं और हमारे पक्ष में क्या कर रहे हैं। अगर मोदी पाकिस्तान के खिलाफ कर रहे हैं तो हमें अपनी चीजों को उस हिसाब से व्यवस्थित करना चाहिए न कि पीएम मोदी के धर्म की आलोचना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें इसे अपने राष्ट्रीय हित के हिसाब से देखना चाहिए। हमें अपने मजहब पर काम करना चाहिए, उन्हें अपने धर्म पर काम करना चाहिए। कमर ने कहा कि यह अगर भारत के प्रधानमंत्री कर रहे हैं तो वह उनका अपना हित है।

'भारत को अपना रही दुनिया, निंदा न करें पाकिस्तानी'

पाकिस्तानी विश्लेषक ने अपनी सरकार और लोगों को सलाह दी कि हमें भारत के कश्मीर में उठाए कदम की आलोचना करनी चाहिए। आज भारत की एक बड़ी तादाद में जनता पीएम मोदी का समर्थन कर रही है तो हमें इससे कोई दिक्कत नहीं होना चाहिए। कमर चीमा ने कहा कि जो बाइडन, इमैनुअल मैक्रां, सऊदी प्रिंस, चीन का राष्ट्रपति सभी भारत के साथ अच्छे रिश्ते करके बैठे हैं। इसकी वजह यह है कि उन्हें पता है कि भारत उनके लिए कितना महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानियों को यह समझना चाहिए कि उन्हें आलोचना करने से कोई फायदा नहीं होगा। कमर चीमा ने कहा कि पाकिस्तानी आलोचना कर रहे हैं लेकिन सऊदी और यूएई में हिंदुओं को समर्थन किया जा रहा है। यूएई में तो मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के लिए अयोध्या सबसे बड़ा धर्मस्थल बन रहा है। यह भारत में हिंदुओं का वेटिकन सटी बन रहा तो हमें इससे कोई दिक्कत नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह लोगों को पर छोड़ देना चाहिए ताकि इसका फैसला खुद कर सकें। कमर चीमा ने कहा कि पीएम मोदी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक और सामाजिक एकता लाना चाहते हैं। वे विकास पर भी फोकस कर रहे हैं ताकि फिर से सत्ता में आ सकें। उन्होंने भारत के मुस्लिमों को सलाह दी कि वे इससे फायदा उठाएं न कि राजनीति करें। चीमा ने कहा कि पीएम मोदी भारत में बहुत लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं। वह तीसरी बार सत्ता में आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने अयोध्या को विकास से भी जोड़ दिया है। पाकिस्तानियों को इससे दिक्कत नहीं होना चाहिए। भारत में 15 फीसदी मुस्लिम हैं लेकिन 85 प्रतिशत तो हिंदू हैं, हमें उनका भी सम्मान करना चाहिए।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले मैक्सिको को मिला पहला राम मंदिर

भारत से लाई गईं मूर्तियां

मैक्सिको, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर की प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। दुनियाभर के देशों में इस कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। अमेरिका, मैक्सिको, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया के मंदिरों में भी सुंदरकाण्ड, रामचरितमानस का पाठ किया जा रहा है। इसी बीच, मैक्सिको को पहला राम मंदिर मिल गया है। मैक्सिको के शहर क्वेरेटारो बने नए राम मंदिर को लेकर सोशल मीडिया में तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

भारत से लाई गई मूर्तियां

मैक्सिको में बने मंदिर में भारत से लाई गई मूर्तियों को स्थापित किया गया। इस दौरान एक अमेरिकी भारतीय पुजारियों में विधि विधान के साथ प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम किया। इस दौरान प्रवासी भारतीयों द्वारा भजन, कीर्तन, शास्त्रीय संगीत का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय के साथ-साथ मैक्सिको के नागरिकों ने भी शिरकत की।

'मैक्सिको में पहला राम मंदिर'

मैक्सिको में भारतीय दूतावास ने पोस्ट साझा करते हुए कहा तकि मैक्सिको में पहला भगवान राम मंदिर। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह की पूर्व संध्या पर क्वेरेटारो शहर को पहला भगवान राम मंदिर मिला। क्वेरेटारो में पहले भगवान हनुमान मंदिर की भी मेजबानी की गई है।

अयोध्या में भी कड़े सुरक्षा इंतजाम

इसी बीच अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में मौजूद है। अयोध्या की सड़कों पर जमकर जय श्री राम के नारे लगाए जा रहे हैं। अयोध्या के कई स्थानों पर सुंदरकांड और रामचरितमानस का पाठ किया जा रहा है। इस विशेष कार्यक्रम में पीएम मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को घोषणा की कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह 'मंगल ध्वनि' संगीत कार्यक्रम से कार्यक्रम का आगाज होगा।

क्या नेपाल में है असली अयोध्या?

पूर्व पीएम ओली के बयान से मच गई थी खलबली, मंदिर बनवाने का किया था दावा

काठमांडू, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या की धरती आज भगवान राम का स्वागत करने को तैयार है। श्रीराम के लाखों भक्त देश के कोने-कोने से अयोध्या पहुंचे हैं। लंबे समय तक चले मुकदमे के बाद हिंदुओं को राम मंदिर की जगह मिली है। लेकिन यहां सिर्फ विवाद मंदिर और मस्जिद का नहीं रहा है। बल्कि असली और नकली अयोध्या का भी रहा है।

असली और नकली अयोध्या का विवाद नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने शुरू किया था। दरअसल जब वह नेपाल के पीएम थे, तो चीन की गोद में बैठकर बयान देते थे। तब वह ऐसे बयान देते थे, जो भारत को परेशान करने वाला हो। 13 जुलाई 2020 को अपने सरकारी आवास पर एक समारोह में उन्होंने कहा, 'भगवान राम का राज्य अयोध्या नेपाल के बीरगंज के पश्चिम में स्थित है और भारत ने एक विवादित अयोध्या बनाई है।'

इजराइली सैनिकों ने फिलिस्तीनियों के 16 कब्रिस्तान तोड़े

नेतन्याहू बोले- जंग नहीं रोकेंगे, गाजा में अब तक 25 हजार लोगों की मौत

तेल अवीव, 22 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने गाजा में कम से कम 16 कब्रिस्तानों में फिलिस्तीनियों की कब्र तोड़ी। अमेरिकी मीडिया हाउस सीएनएन के मुताबिक उन्होंने कई वीडियोज और सैटेलाइट तस्वीरें देखी हैं। इनमें इजराइली सैनिकों की तोड़ी गई कब्रें दिखाई दे रही हैं।

सैनिकों ने मारे गए लोगों को कब्र से भी निकाला। संयुक्त राष्ट्र संघ ने कहा है कि गाजा में जो कुछ हो रहा है वो किसी जनसंहार से कम नहीं है। गाजा में 7 अक्टूबर से शुरू हुई जंग में अब तक 25 हजार फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। दूसरी तरफ, नेतन्याहू ने जंग रोकने से इनकार कर दिया है। हमास ने बंधकों के बदले जंग रोकने की मांग की थी। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें अलग फिलिस्तीन देश की मांग मंजूर नहीं है। वहीं, इजराइली सेना ने रविवार को लेबनान में आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए। इसमें अब तक दो आतंकियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, इस आतंकी संगठन को आर्थिक तौर पर जबरदस्त नुकसान हुआ है।

इजराइल और हमास के बीच 7 अक्टूबर 2023 से जंग जारी है। ये वही दिन था, जब हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर हमले किए थे और इसमें 1200 इजराइली नागरिक मारे गए थे। 234 लोगों को किडनैप किया गया था। इनमें से 130 अब भी हमास की कैद में हैं। हमास ने पहली बार इस हमले पर बयान दिया है। 16 पेज के इस बयान के मुताबिक- इजराइल गाजा और फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ कई साल से साजिश रच रहा है और 7 अक्टूबर को पहली बार इसका जवाब दिया गया। बयान में आगे कहा गया- ऑपरेशन अल अक्सा फ्लड के दौरान हंगामा हुआ और इसकी वजह से कुछ गलतियां भी हुईं। इजराइली सेना भी परेशान हो गई थी। हम अपना टारगेट हासिल नहीं कर पाए। इजराइल के पास अब भी वक्त है कि वो सीजफायर के लिए तैयार हो जाए। हम तब तक जंग जारी रखेंगे।

अंग्रेजी और अरबी में जारी बयान में हमास ने कहा- इजराइल के खिलाफ एक्शन जरूरी था, क्योंकि उसने फिलिस्तीन के इलाकों पर कब्जा कर रखा है। इजराइल को गाजा में कार्रवाई फौरन बंद करनी चाहिए। वहां नरसंहार किया जा रहा है। गाजा के फ्यूचर के बारे में इजराइल या दुनिया की दूसरी ताकतें फैसला नहीं कर सकतीं।

फिलिस्तीन के लोग खुद अपने फ्यूचर के बारे में फैसला करेंगे। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' की एक रिपोर्ट के मुताबिक- अमेरिका, कतर, इजिप्ट और तुर्किये एक सीक्रेट डिप्लोमैटिक मिशन में जुटे हैं। इसका मकसद ये है कि गाजा में जल्द से जल्द सीजफायर कराया जाए।

हालांकि, इस सीक्रेट बातचीत की ज्यादातर प्रस्ताव इजराइल ने खारिज कर दिए हैं और इसकी वजह से ही बंधकों की रिहाई का मामला अटक रहा है।

चीनी कंपनी ने महिला कर्मचारी को दी मूड लीव

बॉस बोला- मन दुखी हो तो छुट्टी लेने में बुराई नहीं, बर्फबारी नहीं होने से उदास थी एम्प्लॉई

बीजिंग, 22 जनवरी (एजेंसियां)। चीन की एक कंपनी ने अपनी महिला कर्मचारी को मूड लीव दी है। इसके बाद से कंपनी और महिला दोनों ही सुर्खियां बटोर रहे हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक बर्फबारी नहीं होने के चलते फीमेल एम्प्लॉई उदास थी। रिपोर्ट में लिखा गया- झेजियांग प्रांत के हांग्जो शहर में रहने वाली एक महिला कर्मचारी इस बात से उदास थी कि वो जहां रहती है वहां बर्फबारी नहीं हुई, इसलिए उसने मूड लीव अप्लाई कर दी। उसके बॉस ने लीव अप्रूव भी कर दी। चीनी सोशल मीडिया साइट्स पर इस महिला का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

चीन के युन्नान प्रांत में भूस्खलन

18 घर मलबे में दबे, 500 लोगों को निकाला गया, 47 अभी भी लापता

बीजिंग, 22 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण पश्चिम चीन के पर्वतीय युन्नान प्रांत में सोमवार को भूस्खलन में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी और 40 से अधिक अन्य लोग लापता हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, यह हादसा बीजिंग के समयानुसार सुबह पांच बज कर 51 मिनट पर झाओतोंग शहर के लियांगशुई गांव में हुआ। सरकारी टेलीविजन ने बताया कि भूस्खलन प्रभावित इलाकों से 500 से अधिक लोगों को निकाला गया है। आपदा न्यूनीकरण के लिए प्रांतीय आयोग ने आपदा राहत के वास्ते तीसरे स्तर की आपात प्रतिक्रिया सक्रिय की है। आधिकारिक मीडिया के अनुसार, भूस्खलन के बाद मलबे में दबे लोगों को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भूस्खलन के बाद लापता दो लोग मृत पाए गए हैं। बचाव अधिकारियों ने बताया कि 18 मकानों में दबे 47 पीड़ितों की तलाश की जा रही है। दमकल के 33 दमकल वाहनों और 10 लोडिंग मशीन के साथ 200 से अधिक बचावकर्मियों को लापता लोगों की तलाश में लगाया गया है। चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग ने भी लियांगशुई में हरसंभव बचाव प्रयास का आदेश दिया और इलाके की ऊंचाई और जातीय विविधता को ध्यान में रखते हुए सामाजिक स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जेएमएम का आरोप-ईडी पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ जवानों ने की सीएम आवास में घुसने की कोशिश

रांची, 22 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को प्रवर्तन निदेशालय सीएम हेमंत सोरेन से पूछताछ कर रही थी। इस दौरान, ईडी से पूछताछ के दौरान 500 सीआरपीएफ जवान सीएम आवास में घुसने की कोशिश करने लगे। सीआरपीएफ की इसी कार्रवाई पर सत्तारूढ़ दल ने इसकी आलोचना की है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सीआरपीएफ जवानों की कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने कहा यह अवैध था।

झामुमो महासचिव सुप्रिया भट्टाचार्य और विनोद कुमार पांडे ने एक बयान जारी कर कहा कि पूछताछ के दौरान 2000 सुरक्षाकर्मी तैनात थे। सीएम आवास के आसपास सीआरपीसी की धारा-144 लागू किया गया था। तभी बसों में लगभग 500 सीआरपीएफ बिना अनुमति सीएम आवास में घुसने की कोशिश करने लगे। यह अवैध और उत्तेजक है। यह एक साजिश है।

सरकार से जांच की मांग

झामुमो ने कहा कि हम चाहते हैं कि सरकार मामले की उच्च स्तरीय जांच का आदेश दे, जिससे सीआरपीएफ अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। अगर कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी आंदोलन का रास्ता अपनाएगी।

रांची में सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद-फरोख्त मामले का खुलासा करने के क्रम में ईडी ने रांची के बड़गाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद को गिरफ्तार किया था। भानु प्रताप प्रसाद के आवास से भारी मात्रा में सरकारी दस्तावेज मिले थे। इसके साथ ही उसके मोबाइल से भी कई संदिग्ध दस्तावेज मिले थे। दस्तावेजों की छानबीन और उनसे जुड़े तथ्यों के सत्यापन को लेकर ईडी मुख्यमंत्री से पूछताछ कर रही है।

सीएम को सात बार समन कर चुकी ईडी

गौरतलब है कि इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी मुख्यमंत्री को सात बार समन कर चुकी है। ईडी के आठवें समन पर मुख्यमंत्री ने ईडी को पूछताछ के लिए 20 जनवरी का समय दिया है। बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से 20 जनवरी को होने वाली पूछताछ के मद्देनजर ईडी ने राज्य पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखकर सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने को कहा था।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर वर्ल्ड मीडिया

बीबीसी ने लिखा- जहां मस्जिद ढहाई वहीं मंदिर का उद्घाटन, अलजजीरा ने लिखा- मुस्लिमों में डर बढ़ा

वॉशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की। दुनिया भर की मीडिया ने इस कार्यक्रम को अपने-अपने नजरिए से कवर किया। ब्रिटेन के मीडिया हाउस बीबीसी ने अपनी हेडलाइन में लिखा- भारत के प्रधानमंत्री ने ढहाई हुई मस्जिद की जगह मंदिर का उद्घाटन किया।

वहीं, कतरी मीडिया हाउस अलजजीरा ने राम मंदिर की खबर को ये हेडलाइन दी- मोदी ने राम मंदिर का उद्घाटन किया, मुस्लिमों को अपने भविष्य का डर बढ़ा।

गल्फ में तनाव बढ़ना खतरनाक

सऊदी विदेश मंत्री बोले- हूती विद्रोहियों पर हमलों से टेंशन बढ़ा, समुद्री रास्ते सभी के लिए खुले हों

रियाद, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव से सऊदी अरब भी परेशान है। इसके विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने कहा है कि हूती विद्रोहियों पर हमले और उसका अमेरिका-ब्रिटेन से टकराव हालात और बिगाड़ सकता है।

सीएनएन को दिए इंटरव्यू में फैसल ने कहा- समुद्री रास्ते सभी के लिए खुले होने चाहिए और यहां हर किसी को बेरोकटोक सफर की आजादी होनी चाहिए। हम इसके लिए आवाज पहले भी उठाते रहे हैं।

सऊदी डिप्लोमैसी पर दबाव

प्रिंस फैसल ने भले ही यमन के हूती विद्रोहियों पर खुलकर कुछ नहीं कहा हो, लेकिन ये माना जा sरहा है कि उनकी सरकार हूती विद्रोहियों से दोबारा टकराव नहीं चाहती, क्योंकि पूर्व में दोनों के बीच टकराव का नुकसान सऊदी अरब को ही हुआ था। दूसरी तरफ, अमेरिका और ब्रिटेन को भी सऊदी अरब नाराज नहीं कर सकता, क्योंकि वो हूती विद्रोहियों से समंदर को बचाना चाहते हैं। ये विद्रोही कार्गो और पैसेजर शिप्स को हाईजैक करने के बाद फिरौती मांगते हैं।

फैसल ने कहा- पश्चिम एशिया और खाड़ी में जिस तरह के हालात बन रहे हैं, वो बेहद खतरनाक हैं। इससे हर हाल में जल्द से जल्द निपटना होगा और कोई तरीका ऐसा खोजना होगा, जिससे जहाजों को भी खतरा न हो। यही वजह है कि हम हर दिन इस तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

एक सवाल के जवाब में फैसल ने कहा- कौन नहीं चाहता कि समुद्र में फ्री नेविगेशन होना चाहिए। समुद्री रास्तों पर किसी का अधिकार कैसे हो सकता है। लेकिन, इसके लिए तरीके बहुत समझदारी से खोजने होंगे।

फैसल ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया कि अमेरिका और ब्रिटेन को हूती विद्रोहियों पर हमले करने चाहिए या नहीं। वो इस सवाल को टाल गए।

इजराइल को टारगेट करना चाहते हैं हूती विद्रोही

पिछले महीने हूती विद्रोहियों ने लाल सागर और उसके आसपास 100 से ज्यादा हमले किए हैं। करीब एक महीने पहले हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक कर लिया था। यह जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाईजैक किया था।

वारदात से पहले हूती समूह ने इजराइली जहाजों पर हमले की चेतावनी दी थी। हूती विद्रोहियों के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा था कि इजराइल की तरफ से चलने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाया जाएगा।

कौन हैं हूती विद्रोही

साल 2014 में यमन में गृह युद्ध शुरू हुआ। इसकी जड़ शिया-सुन्नी विवाद है। कार्नेजी मिडल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरुआत से गृह युद्ध में बदल गया। 2014 में शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे। हादी ने अरब क्रांति के बाद लंबे समय से सत्ता पर काबिज पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह से फरवरी 2012 में सत्ता छीनी थी। हादी देश में बदलाव के बीच स्थिरता लाने के लिए जूझ रहे थे। उसी समय सेना दो फाड़ हो गई और अलगाववादी हूती दक्षिण में लामबंद हो गए। अरब देशों में दबदबा बनाने की होड़ में ईरान और सउदी भी इस गृह युद्ध में कूद पड़े। एक तरफ हूती विद्रोहियों को शिया बहुल देश ईरान का समर्थन मिला। तो सरकार को सुन्नी बहुल देश सउदी अरब का।

देखते ही देखते हूती के नाम से मशहूर विद्रोहियों ने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। 2015 में हालात ये हो गए थे कि विद्रोहियों ने पूरी सरकार को निर्वासन में जाने पर मजबूर कर दिया था।

रामास्वामी के बाद डी-सेंटिस भी नहीं लड़ेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव

कहा- ट्रम्प के सामने मेरी जीत नामुमकिन, वो निक्की हेली और बाइडेन से बेहतर

वॉशिंगटन, 22 जनवरी (एजेंसियां)। भारतवंशी विवेक रामास्वामी के बाद अब फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी-सेंटिस रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की रेस से हट हो गए हैं। उन्होंने रविवार को चुनाव न लड़ने की घोषणा की। इसके साथ ही डी-सेंटिस ने घोषणा की कि वो चुनाव के लिए ट्रम्प को सपोर्ट करेंगे।

डी-सेंटिस ने कहा- मेरे और ट्रम्प के बीच कई मुद्दों जैसे कोरोना और चीफ मेडिकल एड्वाइजर एंथनी फॉसी को लेकर मतभेद रहा है। लेकिन फिर भी वो जो बाइडेन से बेहतर ही हैं। इसलिए मैंने उन्हें सपोर्ट करने का फैसला किया है। मैं निक्की हेली को समर्थन नहीं दे सकता क्योंकि उसकी विचारधारा पुराने रिपब्लिकन नेताओं जैसी हैं। उसके पास देश के लिए कुछ नया नहीं है। डी-सेंटिस के हटने के बाद अब रिपब्लिकन पार्टी में ट्रम्प और हेली के बीच सीधा चुनाव है। सीएनएन के मुताबिक, इस वीकेंड पर यह साफ हो गया था कि रॉन डी-सेंटिस के पास चुनाव लड़ने के लिए फंड्स नहीं बचे थे। इसके बाद उन्होंने रविवार सुबह अपने कैंपेन के सबसे बड़े डोनर्स को फोन करके चुनाव न लड़ने की बात बताई। उन्होंने कहा- ट्रम्प के होते हुए मेरे पास इलेक्शन जीतने का कोई रास्ता नहीं है। मेरे कैंपेन में लगातार लोग मुझसे यही कह रहे हैं कि अगर ट्रम्प नहीं होते तो हम आपको ही वोट देते। यह सब देखते हुए मैंने पैसे और समय बर्बाद नहीं करने का फैसला किया है। डी-सेंटिस की घोषणा के बाद, ट्रम्प के समर्थकों ने सभी रिपब्लिकन से उनके सपोर्ट में रैली करने की अपील की। साथ ही उन्होंने पूर्व यूएन एम्बेसडर निक्की हेली को वैश्विकवादी और डेमोक्रैट्स का उम्मीदवार बताया, जो अमेरिका फर्स्ट आंदोलन को रोकने के लिए कुछ भी कर सकती है। वहीं हेली ने कहा कि वो इकलौती ऐसी कंजर्वेटिव उम्मीदवार हैं, जो बाइडेन को हरा सकती हैं। इससे पहले 16 जनवरी को अमेरिका के आयोवा राज्य में हुए रिपब्लिकन पार्टी के चुनावों में ट्रम्प ने जीत हासिल की थी। इसमें 21% वोटों के साथ डी-सेंटिस दूसरे और 19% वोट के साथ हेली तीसरे नंबर पर रही थीं। चौथे पायदान पर रहे भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी ने नतीजों के बाद चुनाव न लड़ने की घोषणा की थी। रॉन डी-सेंटिस अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के गवर्नर हैं। 44 साल के डी-सेंटिस एलजीबीटीक्यू+, गर्भपात, नस्लीय भेदभाव जैसे कई मुद्दों पर अपनी राय रखकर विवादों में रह चुके हैं। उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार बाइडेन के सबसे बड़े प्रतिद्वंदी के तौर पर देखा जा रहा था। वो कई बार चीन का सामना करने के लिए भारत के साथ को जरूरी बता चुके हैं। ट्रम्प ने कुछ दिन पहले ही सोशल मीडिया पर अपना नया कैंपेन वीडियो रिलीज किया था।

रूस के कब्जे वाले दोन्तेस्क में 25 लोगों की मौत

कीव, 22 जनवरी (एजेंसियां)। रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के इलाके दोन्तेस्क में रविवार को बमबारी में 25 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- 20 लोग घायल हुए हैं और इनमें से ज्यादातर की हालत काफी गंभीर है।

रूस के एक अफसर ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन की सेना ने आम लोगों को निशाना बनाया। ज्यादातर लोग उस वक्त अपने काम पर जा रहे थे। इस इलाके में रहने वाले ज्यादातर लोग किसान या फैक्ट्री मजदूर हैं। यूक्रेन ने अब तक कुछ नहीं कहा है।

फायरिंग या बमबारी

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यूक्रेन की सेना ने मशीनगन से फायरिंग की। दूसरी तरफ, लोकल मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सुबह करीब 10 बजे इस इलाके में यूक्रेन की एयरफोर्स ने बमबारी की।

रूस की फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा- दोन्तेस्क पर हमला एक तरह से हमारे इलाके पर हमला है और हम इसका जवाब देंगे। हम अब तक जिस मसले को डिप्लोमैटिक तरीके से सुलझाना चाहते थे, वो अब जंग का मुद्दा बनता जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यूक्रेन के ड्रोन्स ने रविवार को ही रूस के एक कैमिकल प्लांट पर हमला किया। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं हुआ है कि इस प्लांट में कितना नुकसान हुआ।

यूक्रेन ने दावा किया है कि रूसी सैनिकों में एक रहस्यमयी बीमारी फैल रही है। इसके चलते सैनिकों की आंखें लाल हो रही और वो उल्टियां कर रहे हैं। उनकी किडनी भी फेल हो रही है।

सीएम भजनलाल बोले- कारसेवा के दौरान मैं भी जेल गया

राम मंदिर के जश्न में जयपुर में सड़कों पर लड्डू बांटे गए, ऊंट-घोड़ों के साथ निकली शोभायात्रा

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के साथ ही जयपुर में भी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाया जा रहा है। इसका जश्न मनाने सीएम भजनलाल शर्मा देव दर्शन पर हैं। सभी मंत्री और विधायक अलग-अलग मंदिरों में पूजा-अर्चना कर रहे हैं। जयपुर में जगह-जगह शोभायात्रा निकाली जा रही है। इस दौरान बड़ी चौपड़ से लेकर रामगंज चौपड़ तक ऊंट-घोड़ों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। जयपुर की सड़कों पर लड्डू बांटे गए। वहीं, प्राण प्रतिष्ठा देखकर सीएम भजनलाल ने मीटिया से कहा- कारसेवा के दौरान मैं भी जेल गया था।

अल्बर्ट हॉल पर राम मंदिर के जैसा 35 फीट ऊंचा भव्य राम मंदिर का स्वरूप बनाया गया है। बंगाल से आए 150 कारीगर ने इसका निर्माण किया है। मंदिर की यह झांकी लोगों के लिए 3 दिन तक रहेगी। आज के इस खास दिन पर शाम को अल्बर्ट हॉल परिसर में 300 ड्रोन से हवा में भगवान श्रीराम का स्वरूप बनाया जाएगा। सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार का आयोजन पहली बार हो रहा है, जिसे 3 से 4 किमी तक की दूरी से लोग देख सकेंगे। कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और दोनों डिप्टी सीएम दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा को निमंत्रण दिया गया है।

वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा देव दर्शन पर हैं। उन्होंने न्यू सांगानेर रोड स्थित रामजानकी मंदिर, प्रतापनगर के सेक्टर-18 के देहलावास बालाजी मंदिर, प्रतापनगर के प्रेम मंदिर के दर्शन किए। सीएम ने प्रेम मंदिर में ही प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम देखा। इस दौरान वे भावुक हो गए। दूसरी तरफ दीया कुमारी ने सिटी पैलेस में पूजा की।

इस दौरान सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- मुझे दो बार कार सेवा में जाने का मौका मिला। जब मैं विद्यार्थी परिषद में था। उस समय शिला पूजन कार्यक्रम होते थे। 1989-90 में कार सेवा में जाने का मुझे मौका मिला। वहीं, 1990 में जो कार सेवा हुई। उसमें भी मुझे जाने का मौका मिला। मैं दूसरी कारसेवा में गया तो वहां हमें रोका गया। मैं जेल में भी रहा। यह टेंपररी जेल होती थी। उसमें दो-तीन दिन रखते थे और फिर छोड़ देते थे। फिर हम आगे बढ़ते थे। जयपुर में रिद्धि सिद्धि चौराहे पर प्राण प्रतिष्ठा के जश्न में एक पतासी वाला फ्री में लोगों को गोलगप्पे खिला रहा है। आयुष नाम के पतासी वाले का कहना है कि मैं रामनवमी को आज इसी प्रकार से मनाना चाहता था। राम के नाम से ही दुकान चल रही है।

जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में राम लक्षण सीता हनुमान के बाल स्वरूप की झांकी सजाई गई। महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद बाल स्वरूप का पूजन कर आरती की। जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में राम लक्षण सीता हनुमान के बाल स्वरूप की झांकी सजाई गई। महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद बाल स्वरूप का पूजन कर आरती की। जयपुर के गंगापोल में रामलला मंदिर की पांच प्रतिष्ठा की खुशी में स्थानीय लोगों के द्वारा 11000 किलो लड्डू बनवाकर बांटे जा रहे हैं। सड़क से गुजरने वाले हर वाहन चालक को राहगीर को रोक कर लड्डू खिलाया जा रहा है। जयपुर के गंगापोल में रामलला मंदिर की पांच प्रतिष्ठा की खुशी में स्थानीय लोगों के द्वारा 11000 किलो लड्डू बनवाकर बांटे जा रहे हैं। सड़क से गुजरने वाले हर वाहन चालक को राहगीर को रोक कर लड्डू खिलाया जा रहा है। जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में लोग नए कपड़ों में सज धजकर पहुंचे। इस दौरान राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोग भावुक भी हुए। उन्होंने कहा- 500 साल के बाद ऐसा अवसर देखने को मिला है। कई कारसेवकों के बलिदानों और पूर्वजों के संघर्षों के पश्चात यह अवसर आया है।

सरकार खरीदेगी 2400 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेंहू

किसान के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में आज से गेंहू खरीद के लिए किसान रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। राज्य सरकार की अलग-अलग एजेंसियां 10 मार्च से गेहूं की खरीद शुरू करेगी, जो 30 जून तक चलेगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई, जो 25 जून तक चलेगी। खरीद प्रदेश में अलग-अलग जगह बने 470 केन्द्रों पर की जाएगी।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से जारी आदेशों के मुताबिक केन्द्र सरकार ने जो समर्थन मूल्य 2275 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, उसके ऊपर राज्य सरकार किसानों को 125 रुपए प्रति क्विंटल का बोनस देगी। इस तरह सरकार गेंहू की खरीद 2400 रुपए प्रति क्विंटल करेगी।

जयपुर जिले की बात करें तो यहां 5 सेंटरों पर खरीद होगी। इसमें अचरोल, चाकसू में बने राजफेड के सेंटर और बस्सी, कोटपूतली और गांधी नगर में एफसीआई के सेंटर पर खरीद होगी। आपको बता दें कि इस बार रबी की फसल में गेंहू का रकबा 31 लाख हैक्टेयर बुवाई का टारगेट रखा है।

जो किसान अपना गेंहू सरकार को बेचना चाहते है वह आज से फूड डिपार्टमेंट की साइट पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। इसके लिए विभाग की साइट पर अलग-अलग जिलों में बने खरीद सेंटर्स की लिस्ट है, जिस पर रजिस्ट्रेशन होगा। फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) के अलावा तिलम संघ, नाफेड, राजफेड और एनसीसीएफ के जरिए गेंहू खरीदा जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा 211 सेंटर राजफेड के है, जबकि सबसे कम 9 सेंटर एनसीसीएफ के है।

रजिस्ट्रेशन के लिए ये जरूरी

जो किसान गेंहू बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाना चाहता है उसे अपना जनआधार कार्ड, बैंक की पासबुक और किराये की जमीन या बटाई या अनुबंध के एग्रीमेंट की कॉपी और भूमि मालिक का जनआधार कार्ड की कॉपी लगानी अनिवार्य है।

राममंदिर दर्शन के लिए सातों संभाग से चलेगी रोडवेज बसें

5 जिलों में विकसित होंगे श्रीराम-जानकी औद्योगिक क्षेत्र; आवासीय योजना भी होगी शुरू

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में राज्य सरकार ने देर रात कई घोषणाएं की। राम मंदिर के लिए अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्रदेश के सातों संभागों से रोडवेज बस सेवा शुरू करने की घोषणा की। साथ ही वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत 31 मार्च 2024 तक 3000 लोगों को अयोध्या में राम मंदिर के दर्शन करवाए जाएंगे। अयोध्या के लिए प्रदेश से रेल सेवा भी शुरू की जाएगी।

श्रीराम-जानकी औद्योगिक क्षेत्र और आवासीय योजना

प्रदेश के पांच जिलों में 6 'श्रीराम-जानकी औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। यह औद्योगिक क्षेत्र कुंज बिहारीपुरा (जयपुर), सत्तासर (बीकानेर), बलारिया (सवाई माधोपुर), जटलाव (सवाई माधोपुर), रामसर (बाड़मेर) और राजास (नागौर) में विकसित किए जाएंगे।

सरकार ने इस अवसर पर घोषणा की है कि सीतामाता वन्य जीव अभ्यारण्य, प्रतापगढ़ में वनपथ, पुलिया निर्माण तथा पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विकास कार्य करवाए जाएंगे। वहीं भिवाड़ी इंटीग्रेटेड विकास प्राधिकरण (बीडा) भिवाड़ी द्वारा नवीन ₹श्रीराम जानकी आवासीय योजना₹ में विभिन्न आय वर्ग के 208 भूखण्ड भी आवंटित किए जाएंगे।

संत-महंत एवं पुजारियों का सम्मान करेगी सरकार

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर प्रदेश में देवस्थान विभाग के 593 मंदिरों में विद्युत सज्जा, रामायण पाठ, दीप दान, महाआरती आदि कार्यक्रम आयोजित करने के साथ ही संत-महंत एवं पुजारियों का सम्मान करेगा।

वहीं आयुष्मान भव के तहत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 75000 स्वास्थ्य मेलों का आयोजन 3 महीने में किया जाएगा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत 1 करोड़ पात्र सदस्यों की ईकेवाईसी का काय पूरा कर कार्ड वितरण का कार्य शुरू किया जाएगा।

बीजेपी मुख्यालय में राम से गले मिले पीएम मोदी!

बीजेपी मुख्यालय में श्रीराम की जीवनी आधारित प्रदर्शनी प्रदर्शित

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी मुख्यालय में यहां हर किसी की नजर एक तस्वीर पर पड़ी तो हर कोई एक बार यहां रुक कर इसे निहारने लगा। दरअसल बीजेपी मुख्यालय में आयोजित पेंटिंग प्रदर्शनी में श्री राम से गले मिलते पीएम मोदी की तस्वीर आकर्षण का केंद्र रही। यह पेंटिंग आर्टिस्ट संत कुमार बिश्नोई ने बनाई है। संत कुमार बिश्नोई मूलतः श्रीगंगानगर के रहने वाले हैं और 10 सालों स जयपुर में रह रहे हैं। यह रेनबो आर्ट अकैडमी के नाम वैशाली नगर में बच्चों को पेंटिंग सिखाते हैं।

भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर बीजेपी सांस्कृतिक व पर्यटन प्रकोष्ठ ने रेनबो पैलेट के साथ मिलकर भाजपा कार्यालय जयपुर में मंगलवार को पेंटिंग प्रदर्शनी आयोजित हुई। प्रदर्शनी में कलाकार संत कुमार बिश्नोई और उनके 22 स्टूडेंट्स ने श्री राम की बाल रूप से लेकर उनके पूरे जीवन के हर रूप की 50 से ज़्यादा भाव भंगिमाएं प्रदर्शित की। यहां 5 साल की नन्ही बच्ची सहित 22 युवा कलाकारों ने भगवान श्रीराम के बाल्य स्वरूप से लेकर सियाराम और भक्त हनुमान की तस्वीरों को कैनवास पर उकेरा।

बीजेपी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सदस्य ललित चतुर्वेदी ने बताया कि इस अवसर पर आर्टिस्ट संत कुमार बिश्नोई, लालचंद कांवलिया, कपिल कुमार और एडवोकेट विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में जयपुर के 22 विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के अनेक स्वरूप को कैनवास पर

उकेर कर प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था व भावनाओं का चित्रण किया।

जयपुर के 22 विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के अनेक स्वरूप को कैनवास पर उकेर कर प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था व भावनाओं का चित्रण किया।

जयपुर के 22 विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम के अनेक स्वरूप को कैनवास पर उकेर कर प्रभु श्रीराम के प्रति आस्था व भावनाओं का चित्रण किया।

प्रदर्शनी के दौरान मुख्य आर्टिस्ट संत कुमार बिश्नोई ने प्रभु श्रीराम के बालस्वरूप का चित्रण किया। वहीं पांच वर्षीय नन्ही कलाकार वृद्धी अग्रवाल ने प्रदर्शनी स्थल पर ही सीता राम के प्रति अपने मन की भावनाओं को तस्वीर बनाकर व्यक्त किया।

श्रीराम के बाल्यकाल सहित अनेक स्वरूपों को अक्षिता शर्मा, अंकित सैन, विकास जाबडोलिया, किरण टाटावत, अनुश्री, चितवन शर्मा, पलक सैनी, ऋतिका चौधरी, पूजा गोयल, रिद्धी थोरेचा, मोनिका अग्रवाल, भानूप्रभा, नीलू कुमावत, पूजा, महक बुड़िया, निकिता कुमावत, पाखी पाराशर, रिद्धी जैन, वृद्धी अग्रवाल, प्रीति बागड़ी, लक्षिता तंवर और रविन्द्र कुमार ने मनमोहक आकृतियों को कैनवास पर उकेरा।

इस दौरान बीजेपी संगठन मंत्री चंद्रशेखर और पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक मनीष पारीक सहित उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शिनी का अवलोकन किया।

तेज रफ्तार जीप पलटी, 5 दोस्तों की मौत

बाजार से लौट रहे थे युवक; उदयपुर हाईवे पर सुरंग से निकलते ही डिवाइडर से टकराई

उदयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। तेज रफ्तार जीप अनियंत्रित होकर पलटने से 5 दोस्तों की मौत हो गई। सभी बाजार से घर लौट रहे थे और पांचों नशे में थे। हादसा उदयपुर के बेकरिया इलाके में गोगुंदा-पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे-27 पर उखलिया सुरंग के पास रविवार रात 8 बजे हुआ।

थानाधिकारी प्रभु सिंह चुंडावत ने बताया कि हादसे में घाटा नाड़ी निवासी पूना (20), मनोज (22), आक्यावड़ निवासी नाथू (23), देवला निवासी भीमा (25) और अन्य दोस्त की मौत हुई है। शाम को पांचों दोस्त गोगुंदा से अपने गांव देवला की ओर आ रहे थे। सभी नशे में थे और जीप तेज रफ्तार में थी। जीप जैसे ही उखलिया सुरंग से बाहर निकली। तभी ड्राइवर गाड़ी पर संतुलन खो बैठा। जिसके चलते जीप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर हाईवे पर तीन से चार बाद पलटी खाकर बीच रोड पर ही पलट गई।

पांचों युवक जीप में बुरी तरह से फंस गए। युवकों के सिर और हाथ-पैर बुरी तरह से कुचल गए। पुलिस ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला। तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि दो घायलों ने हॉस्पिटल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ा।

थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में मरने वाले सभी युवक देवला क्षेत्र के रहने वाले हैं। सूचना के बाद रात एक बजे कलेक्टर अरविंद पोसवाल और एसपी भुवन भूषण यादव घटना स्थल पहुंचे थे। थानाधिकारी ने कहा- नाथू अपने परिवार में इकलौता था। उसके कोई भाई-बहन नहीं है। नाथू के पिता खेता गरासिया ने कहा कि हमारे परिवार का चिराग ही बुझ गया।

आईएएस को रिश्वत देने बाइक बेच 35 हजार लाया ठेकेदार

अधिकारी बोला था- ठेके का 20-30 प्रतिशत देना पड़ता है, यह नई बात नहीं

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। मछली पालन का लाइसेंस लेने के लिए ठेकेदार 2 महीने से विभाग के डायरेक्टर प्रेमसुख बिश्नोई और असिस्टेंट डायरेक्टर राकेश देव के ऑफिस के चक्कर लगा रहा था। रिश्वत नहीं मिलने के कारण दोनों अधिकारी ठेकेदार को लाइसेंस नहीं दे रहे थे। पीड़ित ने अपनी शिकायत में बताया कि मछली ठेकेदार इन दोनों अधिकारियों के आगे खूब गिड़गिड़ाया कि मैंने पूरी पूंजी ठेके में लगा दी, अब मेरे पास कुछ नहीं है। उधर तालाब में पानी भी कम है, जिसके कारण मछलियां मर रही है। अगर मछलियां मर जाएगी तो मैं बर्बाद हो जाऊंगा, लेकिन अधिकारियों ने उसकी एक नहीं सुनी और कहा कि पैसा तो देना ही पड़ेगा।

थक हारकर 18 जनवरी को उसने इन अधिकारियों से कहा कि मैं बाइक बेचकर पैसा ला सकता हूं और 31 हजार रुपए देने की

बात कही। इस पर असिस्टेंट डायरेक्टर राकेश दवे ने 35 हजार रुपए लाने के लिए कहा। इसके बाद मछली ठेकेदार एसीबी ऑफिस पहुंचा और शिकायत दी। एसीबी ने शिकायत सुनने के बाद 18 जनवरी को ही सत्यापन कराया, जिसमें शिकायत सही मिली। इसके बाद एसीबी ने 19 जनवरी को इन अधिकारियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

दरअसल, टोंक में अन्नपूर्णा तालाब में मछली पकड़ने के ठेके के लिए अगस्त में आवेदन हुए थे। मछली ठेकेदार मोहम्मद रफीक पुत्र मुनीर खान ने आवेदन के साथ ही लाइसेंस की फीस भी जमा करवा दी थी, लेकिन 2 महीने बाद भी उसे लाइसेंस नहीं दिया गया। जब उसने मत्स्य विभाग के डायरेक्टर प्रेमसुख बिश्नोई और असिस्टेंट डायरेक्टर राकेश देव से बात की तो उन्होंने 1 लाख रुपए रिश्वत मांगी थी। इस पर ठेकेदार ने कहा था कि मेरे डॉक्युमेंट पूरे हैं तो आप किस बात के पैसे मांग रहे हो। असिस्टेंट डायरेक्टर ने ठेकेदार को कहा था कि जितने रुपए में ठेका छूटता है तो उसका 20-30 प्रतिशत तो देना ही पड़ता है, यह कोई नई बात नहीं है।

18 जनवरी को पीड़ित ठेकेदार आखिरी बार असिस्टेंट डायरेक्टर राकेश देव से मिलने गया तो उसने कहा कि अगर रिश्वत का पैसा नहीं दोगे तो डायरेक्टर साहब गाड़ी भेज देंगे। जिसका मतलब आप समझते हैं। इस पर पीड़ित ठेकेदार रफीक ने डायरेक्टर प्रेमसुख बिश्नोई से मिलने की बात कही तो राकेश देव ने उसे डायरेक्टर से मिलने भेजा। पीड़ित ने ऑफिस के बाहर खड़े ऑफिस बॉय को पर्ची दी तो बिश्नोई ने उसे बुलाया। रफीक ने अपनी परेशानी बताई तो बिश्नोई ने कहा कि पैसा तो देना पड़ेगा और चपरासी को बुलाकर राकेश देव के पास भेज दिया था।

लोकसभा अध्यक्ष कर रहे पदयात्रा

रामजानकी मंदिर से पदयात्रा शुरू

कोटा, 22 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में श्रीरामलला के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देशभर में उल्लास है। इस उल्लास के रंग में शिक्षा नगरी भी रंगी हुई है। कोटा में मंदिरों में रामनाम संकिर्तन के साथ राम उत्सव शुरू हुआ।

आज सुबह 11 बजे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सानिध्य में रामलला शुभ आगमन पद यात्रा का भी आयोजन किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में पदयात्रा केशवपुरा स्थित स्थित रामजानकी मंदिर से शुरू हो चुकी है। पदयात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी राम के जयकारे लगाते चल रहे हैं। पदयात्रा केशवपुरा चौराहा, तीन बत्ती सर्किल, दादाबाड़ी छोटा चौराहा, राम धाम होते हुए गोदावरी धाम बाला जी पहुंचकर सम्पन्न होगी। यहां सब महाआरती में सम्मिलित होकर विशाल एलईडी पर सामूहिक रूप से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव देखेंगे। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कंपीटिशन कॉलोनी रंगबाड़ी रोड़ स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह 11 बजे से अयोध्या में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण एलईडी के माध्यम से किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में लोग आयोजन को देख रहे है। इसके बाद 1 बजे से आम भंडारा आयोजित होगा। वहीं शाम को महाआरती के बाद भव्य आतिशबाजी की जाएगी।

कोटा के बजरंग नगर स्थित गायत्री विहार श्री राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्री राम नाम संकीर्तन यात्रा का आयोजन

किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्री राम नाम का संकीर्तन किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष पूरणमल शर्मा एवं पूर्व पार्षद बृजेश शर्मा नीटू ने बताया कि शाम को सुंदरकांड का आयोजन किया जाएगा। रात को विशाल भंडारा होगा।

पूरे शहर में दीवाली जैसा माहौल है। शहर के प्रमुख चौराहे, बाजार रोशनी से नहाए हुए थे। शहर के बाजारों में सजावट की गई है। रामलला के स्वागत में झिलमिलाती रोशनी पूरे शहर में नजर आ रही थी। वहीं अयोध्या में कार्यक्रम के साथ ही कोटा में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। मंदिरों में पूजा पाठ के साथ साथ शहरवासियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों की तरफ से भी पूजा, प्रसाद वितरण, हनुमान चालीसा का पाठ, भंडारे समेत कई कार्यक्रम हो रहे है।

शुद्धाद्वैत प्रथम पीठ श्री मथुराधीश मन्दिर पाटनपोल में दीपोत्सव मनाया जाएगा। प्रथम पीठ युवराज गोस्वामी मिलन कुमार बावा ने बताया कि अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मथुराधीश मन्दिर पर भी पुष्टिमार्गीय परम्परा से विविध आयोजन होंगे।

सूचना सहायक भर्ती में डमी कैंडिडेट समेत तीन पकड़े गए

दलाल बोला- मैं भी परीक्षार्थी, मैंने भी डमी भेजा; 6 लाख में सौदा किया

जयपुर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। कर्मचारी चयन बोर्ड की रविवार को हुई सूचना सहायक भर्ती परीक्षा में कालवाड़ के एक परीक्षा केंद्र पर डमी कैंडिडेट को एसआईटी व पुलिस ने पकड़ा है।

गिरफ्तार प्रेमसिंह बिश्नोई बाड़मेर के धोरीमन्ना का है। वह 6 लाख रु. में सौदा कर रैणी (अलवर) के विजय मीणा की जगह परीक्षा देने बैठा था।

एसआईटी प्रभारी एडीजी वीके सिंह ने बताया कि केंद्र अधीक्षक भंवरसिंह राठौड़ ने केस दर्ज कराया है। आरोपी ने पूछताछ में दलाल मुकेश मीणा व मदन बिश्नोई के जरिए 6 लाख रुपए में सौदा तय होना बताया।

50 हजार एडवांस मिले थे। पुलिस ने दलालों को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बिश्नोई ने मूल अभ्यर्थी का आधार कार्ड एडिट कर खुद की फोटो लगा ली थी ताकि वीक्षक पकड़ नहीं पाए।

इधर जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ के अनुसार प्रेमसिंह के दलाल मुंडावर (दौसा) निवासी मुकेश कुमार मीणा ने पूछताछ में बताया कि वह तो खुद परीक्षार्थी था। उसे सोडाला स्थित रावत पब्लिक स्कूल में परीक्षा देनी थी लेकिन उसकी जगह बाड़मेर निवासी अशोक बिश्नोई ने परीक्षा दी है। उसके बाद पुलिस ने देर रात अशोक को भी हिरासत में ले लिया। अब पुलिस आरोपियों का पूरा नेटवर्क खंगाल रही है।

सरकारी टीचर पर नाबालिग स्टूडेंट के रेप-मर्डर का आरोप

11वीं की छात्रा का शव टांके में मिला; फोन पर कहा- नशे में अपराध हुआ

बाड़मेर, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर में सरकारी स्कूल के टीचर पर 11वीं क्लास की छात्रा से रेप करने और मर्डर करने का आरोप लगा है। जिल के बाखासर थाना इलाके में रविवार को छात्रा का शव टांके (वाटर टैंक) में मिला था। रविवार को शव को सेड़वा हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

चौहटन डीएसपी सुखराम विश्नोई ने बताया- नाबालिग स्कूली छात्रा के परिजनों ने छात्रा के टीचर

प्रहलाद राम (30) पर रेप और मर्डर का आरोप लगाया है। बाखासर थाना इलाके के एक गांव में रहने वाले परिजन ने रिपोर्ट में बताया कि शनिवार को परिवार के लोग एक शादी कार्यक्रम में गए थे। पीछे से घर पर लड़की, उसका छोटा भाई और उसकी बुजुर्ग दादी घर पर थे। शनिवार टीचर प्रहलाद रात 12 बजे घर में घुस आया और छात्रा को डरा धमकाकर रेप किया। फिर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। लड़की ने विरोध किया तो मर्डर कर शव को खेत में बने टांके में डाल दिया।

पुलिस को दी रिपोर्ट में परिजनों ने बताया- टीचर प्रहलाद राम (30) पुत्र आम्बाराम हिंदी लेक्चरर था। स्कूल में पीड़िता के साथ बीते कुछ दिनों से वह अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ कर रहा था।

धम्माईगुडा स्थित राजस्थानी मित्र मंडल के तत्वावधान में श्रीरामलला मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर आयोजित विशाल बाईक रैली में उपस्थित मंडल के पदाधिकारी, सदस्य व भक्तगण।

अभिषेक समारोह पर हैदराबाद में जश्न का माहौल

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सोमवार की सुबह उत्सव जैसा माहौल रहा, क्योंकि सांस्कृतिक संगठन, मंदिर, स्वयंसेवी समूह और जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग, अयोध्या राम मंदिर में निर्धारित 'प्राण प्रतिष्ठा' (अभिषेक) समारोह से कुछ घंटे पहले राष्ट्रव्यापी उत्सव में शामिल हुए।

सोमवार सुबह से, पूरे हैदराबाद के रामालयों ने भक्तों के लिए विशेष अनुष्ठान और पूजा का आयोजन किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अयोध्या में अभिषेक समारोह का आनंद ले सकें। हैदराबाद के लगभग सभी प्रमुख मंदिरों ने, जिन्होंने प्रतिष्ठा समारोह से पहले विस्तृत योजनाएँ बनाई थीं, उसमें भक्तों की भारी भीड़ देखी गयी। रामालयों को अनूठी सजावट से सजाया गया था, और मंदिर परिसर के भीतर पूरे दिन विभिन्न समय पर गौ पूजा आयोजित की गई थी। विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों के स्वयंसेवकों, जिनमें से कुछ ने भगवान राम की वेशभूषा धारण की थी, ने हैदराबाद के प्रमुख जंक्शनों पर विशेष रैलियाँ निकालीं। कुछ स्कूलों ने विशेष रैलियां भी निकालीं, जिनमें बच्चे भगवान राम की वेशभूषा धारण कर जुलूस में शामिल हुए, जबकि अन्य ने 'प्रसादम' वितरित किया गया। सांस्कृतिक संगठनों ने भी जंक्शनों पर बड़ी स्क्रीनें लगाईं ताकि लोग सोमवार दोपहर को प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लाइव देख सकें। संगठनों ने विशेष दीपोत्सव कार्यक्रम भी आयोजित किए जिसमें भक्त शाम को रामालय में दीपक जलाए।

पारसीगुटा श्री आईमाता मंदिर स्थित अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर सीरवी समाज द्वारा आयोजित पुजा-अर्चना, सुन्दरकान्ड, भोजन-प्रसादी व दीपोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष जे.सी. चोलाराम हाम्बड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, किशनसिंह राठौड़, सजनराज सोलंकी, जसवन्त देवड़ा, महिला सचिव निर्मला देवड़ा, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा पर मित्रा यूथ एसोसिएशन, छत्रिनाका में एमवाईए महासचिव एस.पी.क्रांति कुमार, संयुक्त सचिव बी कोटेश, एमवाईए प्रतिनिधि बी.कार्तिक चारी, बी.वेंकटेश, श्याम द्वारा भगवान श्रीराम की विशेष पूजा की गई।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता बडेर में श्री राम मंदिर मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित पुजा-अर्चना, लाईव दर्शन, भजन-कीर्तन, भोजन-प्रसादी व दीपोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित उपाध्यक्ष 1 बकताराम पंवार, उपाध्यक्ष 2 राजाराम पंवार, कोषाध्यक्ष पोकरराम पंवार, सहसचिव राजाराम गेहलोत, समाज बन्धु व महिलाएं।

माधापूर पुलिस थाने में लगी आग

हैदराबाद, 22 (स्वतंत्र वार्ता) : शहर के माधापुर पुलिस थाने में सोमवार शाम को आग लग गई, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, आग पुलिस स्टेशन के पिछले हिस्से में लगी जहाँ कुछ ज्वलनशील पदार्थ और एलपीजी सिलेंडर, जो विभिन्न मामलों के दौरान जब्त कर संग्रहित किए गए थे। एसफओ फजलने कहा कि, कोई पटाखा सिलेंडर पर गिरने की वजहसे आग लगने का हमें संदेह है।

'राम के नाम' की स्क्रीनिंग के दौरान 3 लोगों की गिरफ्तारी पर ओवैसी ने हैदराबाद पुलिस की आलोचना की

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने डॉक्यूमेंट्री 'राम के नाम' की स्क्रीनिंग के लिए तीन लोगों को गिरफ्तार करने के लिए तेलंगाना पुलिस की आलोचना की है।

हैदराबाद के सांसद ने रचकोंडा पुलिस आयुक्त से यह बताने को कहा कि वृत्तचित्र राम के नाम की स्क्रीनिंग बीच में ही क्यों रोक दी गई और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। ओवैसी ने कहा एक पुरस्कार विजेता वृत्तचित्र की स्क्रीनिंग कैसे अपराध है? अगर ऐसा है तो फिल्म को पुरस्कार देने के लिए भारत सरकार और फिल्मफेयर को भी जेल भेजा जाना चाहिए।' कृपया बताएं कि क्या हमें फिल्म देखने से पहले पुलिस से प्री-स्क्रीनिंग प्रमाणपत्र की आवश्यकता है।

'एक्स' पर असदुद्दीन ओवैसी की टिप्पणी पुलिस द्वारा सैनिकपुरी के एक रेस्तरां में डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग रोकने और आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद आई है। डॉक्यूमेंट्री अयोध्या में बाबरी मस्जिद के विध्वंस के आसपास की घटनाओं के बारे में है।यह मामला रूथविक नामक व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसने आरोप लगाया था कि डॉक्यूमेंट्री देखने वाले कुछ लोगों की स्क्रीनिंग और चर्चा ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। शिकायतकर्ता को वृत्तचित्र देखने के लिए आमंत्रित लोगों में से एक बताया गया था, जिसे 'हैदराबाद सिनेफाइल्स' समूह द्वारा प्रदर्शित किया गया था।पुलिस वहां पहुंची और स्क्रीनिंग रुकवा दी। कार्यकर्ताओं के खिलाफ नेरेडमेट पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 290 (सार्वजनिक उपद्रव) और 295ए (किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना) 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने कहा कि स्क्रीनिंग बिना अनुमति के आयोजित की गई थी।

अयोध्या धाम में श्री राम प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर हनुमान मंदिर मित्र संघ द्वारा संकट मोचन हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ-सुंदर कांड पाठ, 1000 दीपों का दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इस मौके पर क्षत्रीय समाज के कुंदन सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कोमाटिरेड्डी ने अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए बीआरएस विधायक पर हमला बोला

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी पर हमला बोला। सोमवार को यहां मीडिया से बात करते हुए कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि शराबबंदी के दौरान अवैध रूप से शराब बेचने के आरोप में जगदीश रेड्डी जेल गए थे, उनके बारे में बात करना बहुत अजीब था। मैंने अलग तेलंगाना राज्य की मांग के लिए अपने मंत्री पद फेंक दिए। जगदीश रेड्डी को मेरे बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि वह एक अहंकारी व्यक्ति हैं और उन्हें लोगों की समस्याओं को हल करने की कोई परवाह नहीं है। वह मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। यदाद्री बिजली संयंत्र घोटाले, भद्राद्री संयंत्र की अनियमितताओं और छत्तीसगढ़ बिजली खरीद घोटाले को उजागर करने के लिए, कोमाटिरेड्डी ने आरोप लगाया। मंत्री ने कहा कि सतर्कता जांच रिपोर्ट आने के बाद कोई भी हथकंडा जगदीश रेड्डी को जेल जाने से नहीं रोक सकता। कोमाटिरेड्डी ने कहा, तेलंगाना राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्यों के बाद जेल जाने वाले वह दूसरे व्यक्ति हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि लोग जगदीश रेड्डी पर हंस रहे थे जिनकी लोगों के बीच कोई विश्वसनीयता नहीं है।

न्यूजक्लिक के एचआर हेड ने वापस ली याचिका

नई दिल्ली, 22 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजक्लिक के मानव संसाधन (एचआर) विभाग के प्रमुख अमित चक्रवर्ती ने सोमवार को याचिका वापस ली। उन्होंने यूएपीए के तहत अपनी गिरफ्तारी को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। दिल्ली की एक अदालत ने मामले में इस महीने की शुरूआत में उनको सरकारी गवाह बनने की अनुमति दी थी। आतंकवाद रोधी कानून के तहत न्यूज पोर्टल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

राज्यपाल एवं मंत्री किशन रेड्डी ने निज़ाम कॉलेज में 'प्राण प्रतिष्ठा' देखी

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, राज्यसभा सांसद के लक्ष्मण और अन्य भाजपा नेताओं ने सोमवार को बशीरबाग के निज़ाम कॉलेज ग्राउंड में अयोध्या के राम लला की 'प्राण प्रतिष्ठा' का सीधा प्रसारण देखा। शहर में भव्य समारोहों के बीच सोमवार को यहां नवनिर्मित मंदिर में राम लला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुष्ठान में भाग लिया।

हैदराबाद के चारों कोनों को एअरपोर्ट से जोडेगा मेट्रो

हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 के नए मार्गों को मिला अंतिम रूप

हैदराबाद : हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करते हुए हैदराबाद मेट्रो रेल के दूसरे चरण के विस्तार के लिए नए मार्गों को अंतिम रूप दे दिया गया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, जिन्होंने हाल ही में अधिकारियों को मेट्रो रेल के दूसरे चरण के विस्तार के लिए योजना तैयार करने का निर्देश दिया था। इस बारे में समझा जाता है कि उन्होंने सोमवार को उनके समक्ष रखे गए प्रस्तावों को अपनी मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने पहले ही पिछली सरकार द्वारा प्रस्तावित मेट्रो रेल मार्गों को रद्द करने का आदेश दिया था, क्योंकि वे शहर की आबादी के एक बड़े हिस्से की जरूरतों को पूरा नहीं कर रहे थे। तदनुसार, हैदराबाद मेट्रो रेल लिमिटेड (एचएमआरएल) ने एक वैकल्पिक मार्ग नेटवर्क तैयार किया। प्रस्तावित मेट्रो रेल मार्ग हवाई अड्डे को शहर के चारों कोनों से जोड़ेंगे ताकि हैदराबाद शहर में अधिकांश यात्रियों के लिए मेट्रो रेल सेवाएं उपलब्ध हों और परेशानी मुक्त परिवहन सुविधा तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। एचएमआरएल अधिकारियों ने कहा कि नई डिजाइन की गई मेट्रो रेल कनेक्टिविटी का मुख्य उद्देश्य कम लागत पर अधिक संख्या में लोगों को सार्वजनिक परिवहन प्रदान करना है।

आयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा क अवसर पर भाग्य नगर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थानी प्रगती समाज के महामंत्री गोविन्द नारायण राठी ने राम प्रतिमा का पूजन किया। हरियाणा के राज्यपाल बन्डारू दत्तात्रेय, सुमित राठी, धनश्याम तोष्णिवाल, श्रीनिवास लोया, नारायण लोया, विजय मोदाणी, रमेश अग्रवाल एवम् अन्य।

श्री गुरु गोबिंद सिंहजी का 358वां प्रकाश पर्व हैदराबाद में सिखों द्वारा हर्षोल्लास और भक्ति के साथ मनाया गया इस अवसर पर सिकंदराबाद क्लासिक गार्डन में विशाल दीवान का दृश्य।

अनुमति के बिना पेड़ काटने के मामले में हाईकोर्ट का एफआईआर रद्द करने से इनकार

मुंबई, 22 जनवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2014 में एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया है। दरअसल, व्यक्ति के खिलाफ नागरिक अधिकारियों की अनुमति के बिना पेड़ काटने और पक्षियों एवं उनके घोंसलों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में एफआईआर दर्ज किया गया था। जस्टिस एएस गडकरी और श्याम चंदक की पीठ ने 15 जनवरी को अमित धुतिया द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया था।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम का भाषण ...

किसी के भी मन को छुएंगे तो एकत्व की अनुभूति होगी। मुझे देश के कोने-कोने में रामायण सुनने का अवसर मिला।

राम भक्तों को नमन किया, कारसेवकों को याद किया

प्रधानमंत्री ने कहा, ऋषियों ने कहा है कि जिसमें रम जाएं, उसी में राम है। हर युग में लोगों ने राम को जिया है। हर युग में लोगों ने अपने-अपने शब्दों, अपनी-अपनी तरह राम को व्यक्त किया है। ये राम रस निरंतर बहता रहता है। आज के इस ऐतिहासिक समय में देश उन व्यक्तित्वों को भी याद कर रहा है, जिनकी वजह से शुभ दिन देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, हम उन अनगिनत कारसेवकों, संत-महात्माओं के ऋणी हैं। आज उत्सव का क्षण तो है ही, साथ ही ये क्षण भारतीय समाज की परिपक्वता का भी है। ये क्षण विजय ही नहीं, विनय का भी है। कई राष्ट्र अपने ही इतिहास में उलझ जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भी उन्होंने इतिहास की गांठें सुलझाने का प्रयास किया तो मुश्किल परिस्थितियां बन गईं। हम जिस गाठ को भावुकता और समझदारी के साथ खोला है, वो बताता है कि भविष्य बहुत सुंदर होने जा रहा है। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी।

राम मंदिर किसी आग को नहीं, ऊर्जा को जन्म दे रहा है। ये समन्वय, उज्ज्वल भविष्य के पथ पर बढ़ने की प्रेरणा लेकर आया है। राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, राम समाधान हैं। राम सिर्फ हमारे नहीं, सबके हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। ये मंदिर महज देव मंदिर नहीं, भारत की दृष्टि-दर्शन का मंदिर है। राम भारत का विचार-विधान है। राम भारत का चिंतन, चेतना, प्रवाह, प्रभाव, नेति, निरंतरता है। राम विश्व है, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की स्थापना होती है तो उसका प्रभाव हजारों वर्षों के लिए होता है। आज के युग की मांग है कि हमें अंत:करण को विस्तार देना होगा।

मां शबरी को भरोसा था- राम आएंगे :

मोदी बोले, हनुमान जी की भक्ति, उनका समर्पण ऐसे गुण हैं, जिन्हें बाहर नहीं खोजना पड़ता। यही तो देव से देश और राम से राष्ट्र की चेतना का विस्तार है। दूर कुटिया में जीवन गुजारने वाली मां शबरी का ध्यान आता है। वो हमेशा कहती थीं, राम आएंगे। ये सच हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा, निषादराज की मित्रता सब बंधनों से परे हैं। सब समान हैं। मैं तो बहुत सामान्य हूं, मैं तो बहुत छोटा हूं, कोई ये सोचता है तो उसे राम की मदद करने वाली गिलहरी का ध्यान करना चाहिए। सबका अपना योगदान होता है। यही दिव्य और समर्थ भारत बनने का कारण बनेगा।

मंदिर तो बन गया अब आगे क्या :

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें नित्य पराक्रम, पुरुषार्थ का प्रसाद प्रभु राम को चढ़ाना होगा। तभी भारत को वैभवशाली बना पाएंगे। आज भारत युवाशक्ति की ऊर्जा से भरा है। हमें अब झुकना नहीं है, अब बैठना नहीं है। मैं युवाओं से कहूंगा कि आपके सामने हजारों सालों की प्रेरणा है। युवाशक्ति चांद पर तिरंगा फहरा रही है तो 15 लाख किमी दूर अंतरिक्ष में यान पहुंचा रही है। आने वाला समय अब सफलता का है। आने वाला समय सिद्धि का है। ये राम मंदिर भारत के उत्कर्ष-उदय का साक्षी बनेगा। मंदिर सिखाता है कि लक्ष्य प्रमाणित हो तो उसे हासिल किया जा सकता है। शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद हम यहां पहुंचे हैं। अब हम रुकेंगे नहीं।

रामलला के साथ ...

भागवत ने कहा, हमें अच्छा व्यवहार रखने का तप-आचरण करना होगा। हमें भी सारे कलह को विदाई देनी होगी। छोटे-छोटे परस्पर मत रहते हैं, छोटे-छोटे विवाद रहते हैं। उसे लेकर लड़ाई करने की आदत छोड़नी पड़ेगी। सत्य कहता है कि सभी घटकों राम हैं। हमें समन्वय से चलना होगा। हम सबके लिए चलते हैं, सब हमारे हैं, इसलिए हम चल पाते हैं। आपस में समन्वय रखकर व्यवहार रखना ही सत्य का आचरण। करुणा दूसरा कदम है, जिसका मतलब है सेवा और परोपकार।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

इसके साथ ही स्पीकर ने कहा था कि शिंदे गुट ही असली शिवसेना है। इसी के खिलाफ उद्धव गुट ने 15 जनवरी को कोर्ट में याचिका दायर की थी।

उद्धव गुट के 14 विधायकों की सदस्यता भी बरकरार रखी थी :

महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने शिंदे गुट के 16 विधायकों के साथ उद्धव गुट के 14 विधायकों की सदस्यता भी बरकरार रखी थी। यानी महाराष्ट्र के सियासी घटनाक्रम में दोनों गुटों में किसी की विधायकी नहीं गई।

स्पीकर ने फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट से समय मांगा था :

14 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायकों की अयोग्यता पर फैसला लेने के लिए राहुल नार्वेकर को 10 दिन का और समय दिया था। नार्वेकर को पहले 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने डेडलाइन बढ़ाकर 10 जनवरी 2024 कर दी।

शिवसेना (उद्धव गुट) ने पार्टी तोड़कर जाने वाले विधायकों को अयोग्य घोषित करने के मामले में जल्द फैसला लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान नार्वेकर ने कोर्ट को बताया था कि विधायकों की अयोग्यता को लेकर 2 लाख 71 हजार से अधिक पन्नों के डॉक्यूमेंट्स दाखिल किए गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र भी चल रहा है। इसलिए फैसला लेने के लिए 3 हफ्ते का समय लगेगा।

स्पीकर नार्वेकर की दलील पर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा था कि विधानसभा स्पीकर ने फैसले में देरी के जो कारण बताए हैं, वो वाजिब हैं। हम अध्यक्ष को फैसला सुनाने के लिए 10 जनवरी तक का समय देते हैं।

16 विधायकों में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत अब्दुल सत्तार, संदीपन भुमरे, संजय शिरसाट, तानाजी सावंत, यामिनी जाधव, चिमनराव पाटिल, भरत गोगवे, लता सोनवणे, प्रकाश सुर्वे, बालाजी किनिकर, अनिल बाबर, महेश शिंदे, संजय रायमुलकर, रमेश बोरनारे और बालाजी कल्याणकर का नाम है।

फैसले के खिलाफ कोर्ट का सहारा लिया जा सकता है :

सुप्रीम कोर्ट के वकील सिद्धार्थ शिंदे ने कहा कि अगर ठाकरे या शिंदे गुट को विधानसभा अध्यक्ष का निर्णय स्वीकार्य नहीं है, तो दोनों समूह 30 दिन के अंदर हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं। अगर कोर्ट इस फैसले पर रोक लगाता है तो याचिकाकर्ताओं को राहत मिलेगी, लेकिन राष्ट्रपति के फैसले पर रोक लगवाना भी चुनौतीपूर्ण है।

81 प्रतिशत लोग ...

यानी मतदाता लोकसभा और राज्य के विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक ही दिन, एक ही समय पर या चरणबद्ध तरीके से अपना वोट डालेंगे।

आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे, लेकिन 1968 और 1969 में कई विधानसभाएं समय से पहले ही भंग कर दी गईं। उसके बाद 1970 में लोकसभा भी भंग कर दी गई। इस वजह से एक देश-एक चुनाव की परंपरा टूट गई। वन नेशन-वन इलेक्शन पर विचार कर रही पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी के पास इसका खाका तैयार है। विधि आयोग के इस प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से लागू होगा।

इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे। मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम इसमें शामिल नहीं हैं, क्योंकि इन राज्यों में इसी महीने चुनावी नतीजे आए हैं। इसलिए इन विधानसभाओं का कार्यकाल 6 महीने बढ़ाकर जून 2029 तक किया जाएगा। उसके बाद सभी राज्यों में एक साथ विधानसभा-लोकसभा चुनाव होंगे।

26 मई को हो सकता है आईपीएल फाइनल

5 दिन बाद टी-20 वर्ल्ड कप; भारत 17 साल से नहीं जीत सका खिताब

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएल का 17वां संस्करण 22 मार्च से शुरू हो कर 26 मई तक चल सकता है। इसके 5 दिन बाद ही 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो जाएगा। भारत इस टूर्नामेंट को 17 साल से नहीं जीत सका है, टीम को एकमात्र सफलता 2007 में मिली थी। टीम इंडिया आईपीएल फाइनल के ठीक बाद 3 बार वर्ल्ड कप खेलने उतरी और हर बार टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। इस बार भी टीम इंडिया के टी-20 स्क्वॉड में शामिल रहने वाले सभी खिलाड़ी आईपीएल में व्यस्त रहेंगे। ऐसे में सभी को एक साथ तैयारी का बहुत कम टाइम मिलेगा।

फाइनल शेड्यूल घोषित नहीं हुआ

आईपीएल के 17वें सीजन का ऑफिशियल शेड्यूल लोकसभा चुनाव की तारीखों के कारण अब तक घोषित नहीं हुआ है। लोकसभा चुनाव के दौरान आईपीएल प्लेयर्स की सिक्योरिटी का मुद्दा गरमाया रहता है। इसलिए बीसीसीआई ने अब तक शेड्यूल जारी नहीं किया।

क्रिकबज की रिपोर्ट अनुसार, बीसीसीआई ने आईपीएल की तारीखें तय कर ली हैं। टूर्नामेंट 22 मार्च से शुरू होकर 26 मई तक चलेगा। चुनाव की तारीखें सामने आते ही आईपीएल तारीखों को भी ऑफिशियल कर दिया जाएगा। टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स है।

आईपीएल के बाद कभी वर्ल्ड कप नॉकआउट नहीं खेल सका भारत

आईपीएल फाइनल अगर 26 मई को ही हुआ तो 5 दिन बाद ही टी-20 वर्ल्ड कप भी शुरू हो जाएगा। हालांकि, टीम इंडिया का पहला मैच 9 दिन बाद 5 नवंबर को होगा। लेकिन खिलाड़ियों को फिर भी टूर्नामेंट के लिए एक साथ प्रैक्टिस करने का बहुत कम समय ही मिलेगा।

टी-20 वर्ल्ड कप अब तक 8 बार खेला गया। इनमें 3 बार टूर्नामेंट आईपीएल फाइनल के 20 दिन के अंदर ही शुरू हो गया, तीनों बार टीम इंडिया ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। इसके अलावा 5 में से 4 बार टीम नॉकआउट स्टेज तक पहुंची। टीम 2 बार सेमीफाइनल से बाहर हुई, एक बार रनर-अप रही और एक ही चैंपियन भी बनी।

2012 में आईपीएल के 3 महीने बाद टूर्नामेंट होने के बावजूद टीम इंडिया सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी थी। टीम ने एकमात्र खिताब 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था। तब तक आईपीएल शुरू नहीं हुआ था।

विदेशी प्लेयर्स भी फाइनल तक भारत में रहेंगे

आईपीएल से पहले ही सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड ने कह दिया है कि उनके प्लेयर्स टूर्नामेंट खेलने के लिए फाइनल तक अवेलेबल रहेंगे। ऐसे में बाकी टीम के प्लेयर्स को भी एक साथ तैयारी करने के लिए कम ही समय मिलेगा। हालांकि प्लेऑफ में नहीं पहुंचने वाली टीमों के प्लेयर्स जरूर नेशनल टीम के साथ 26 मई से पहले ही जुड़ सकते हैं।

5 दिन पहले खत्म होगा डब्ल्यूपीएल

आईपीएल से पहले महिला प्लेयर्स का विमेंस प्रीमियर लीग भी होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टूर्नामेंट 22 फरवरी से 17 मार्च तक चल सकता है। इसके 5 दिन बाद ही आईपीएल के भी शुरू होने की संभावनाएं हैं। डब्ल्यूपीएल का ऑफिशियल शेड्यूल इसी सप्ताह घोषित किया जा सकता है। डब्ल्यूपीएल के सभी मैच बेंगलुरु और दिल्ली के 2 शहरों में होंगे लेकिन आईपीएल में सभी मैच 10 टीमों के 10 अलग-अलग स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

टेस्ट सीरीज खेलने हैदराबाद पहुंची इंग्लिश टीम

25 जनवरी से पहला मुकाबला खेला जाएगा, भारतीय खिलाड़ी पहले आ चुके

हैदराबाद, 21 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंग्लैंड की टीम भारत से 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने के लिए हैदराबाद पहुंच चुकी है। रविवार रात टीम के खिलाड़ी हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे। जहां प्लेयर्स का फूल-मालों के साथ स्वागत किया गया। मेजबान टीम के खिलाड़ी पहले ही हैदराबाद पहुंच चुके हैं। एक दिन पहले विराट कोहली पहुंचे थे।

भारत और इंग्लैंड को 25 जनवरी से टेस्ट सीरीज खेलनी है। यह सीरीज 7 मार्च तक चलेगी। पहला मैचों हैदराबाद स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम के खिलाड़ी मैच से पहले अभ्यास करेंगे।

दुबई में भारत जैसी पिचों पर अभ्यास कर रही थी इंग्लिश टीम

इंग्लैंड की टीम इससे पहले अबुधाबी में भारत जैसी पिचों पर अभ्यास कर रही थी। टीम के तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन ने कहा था कि मैं भारतीय पेसर मोहम्मद शमी के वीडियो देखकर 'सीम' का इस्तेमाल सीख रहा हूं। शमी भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है।

पिछली सीरीज में 2-2 से ड्रॉ खेला था

इंग्लैंड ने इससे पहले 2021 में भारत का दौरा किया था। तब 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। पिछली 5 सीरीज की बात करें तो दोनों टीमों ने 2-2 सीरीज जीती हैं, जबकि एक ड्रॉ रही है।

डब्ल्यूटीसी के लिहाज से अहम है यह सीरीज

यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है। अभी भारतीय टीम चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 7वें नंबर पर है।

पुजारा के 20 हजार फर्स्ट-क्लास रन पूरे, सौराष्ट्र जीता

रणजी में राजस्थान ने भी दर्ज की सीजन की पहली जीत

नागपुर, 21 जनवरी (एजेंसियां)। अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा (66 रन) की पारी और चिराग जानी (5 विकेट) की गेंदबाजी से सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी में विदर्भ पर 238 रन की जीत हासिल की। एक अन्य मुकाबले में राजस्थान ने महाराष्ट्र को 10 विकेट से हराया। दोनों टीमों ने सीजन में पहली जीत दर्ज की है।

एलीट ग्रुप-ए में सौराष्ट्र की ओर से पुजारा ने 66 रन की पारी खेलते हुए 20 हजार फर्स्ट क्लास रन का बेंचमार्क हासिल किया। वे सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बाद 20,000 प्रथम श्रेणी रन जुटाने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं।

रविवार को तीसरे दिन सौराष्ट्र के लिए नॉकआउट दौर की उम्मीद बरकरार रखने के लिए यह जीत राहत भरी रही, क्योंकि उसे पिछले लीग मैच में हरियाणा से करीबी हार झेलनी पड़ी थी और झारखंड के खिलाफ उसका सत्र का शुरुआती मुकाबला ड्रॉ पर छूटा था।

चेतेश्वर पुजारा (66 रन)

चिराग जानी ने झटके 5 विकेट

विदर्भ की टीम 373 रन के असंभव लक्ष्य का पीछा करते हुए जरा भी चुनौती पेश नहीं कर सकी और दूसरी पारी में महज 134 रन पर सिमट गई, जिसमें जानी ने 51 रन देकर 5 विकेट झटके। अर्थव तायड़े ने विदर्भ के लिए 54 रन बनाए, लेकिन मैच में दूसरी बार उनका बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया। पहली पारी में टीम 78 रन पर सिमट गई थी।

सौराष्ट्र की टीम का भी बल्लेबाजी क्रम चरमरा गया, जो पुजारा के अर्धशतक के बावजूद रात के तीन विकेट पर 205 रन के स्कोर से दूसरी पारी में 244 रन पर सिमट गई। टीम ने महज 39 रन पर 7 विकेट गंवा दिए, लेकिन तब तक उसकी कुल बढ़त 372 रन हो गई थी।

होम ग्राउंड पर जीता राजस्थान

जोधपुर में राजस्थान ने भी महाराष्ट्र को 10 विकेट से हराकर सत्र की पहली जीत दर्ज की। महाराष्ट्र ने एक विकेट पर 66 रन से खेलना शुरू किया, लेकिन भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद (19 रन देकर 4 विकेट) के सामने संघर्ष करती दिखी।

अहमद को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अनिकेत चौधरी (32 रन देकर तीन विकेट) का अच्छा साथ मिला। घरेलू टीम को जीत के लिए 104 रन की जरूरत और उसने बिना विकेट गंवाए यह लक्ष्य पूरा कर लिया। सलामी बल्लेबाज अभिजीत तोमर (नाबाद 53 रन) और यश कोठारी (नाबाद 52 रन) ने 30 ओवर में राजस्थान को जीत तक पहुंचा दिया।

दिल्ली में एक अन्य मैच में सेना की टीम कप्तान रजत पालीवाल (111 रन) और रवि चौहान (नाबाद 133 रन) के शतकों की बदौलत झारखंड पर पहली पारी की अहम बढ़त बनाने के करीब है।

प्रतिद्वंद्वी टीम को 316 रन पर समेटने के बाद सेना ने दो विकेट पर 128 रन से आगे खेलते हुए स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 315 रन बना लिए। चौहान और पालीवाल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी निभायी।

पाकिस्तान हॉकी टीम ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम

एफआईएच क्वालिफायर में न्यूजीलैंड ने 3-2 से हराया; पूर्व प्लेयर बोले-पीएचएफ कंगाल

ओमान, 21 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मेंस हॉकी टीम जुलाई-अगस्त में होने जा रहे पेरिस ओलिंपिक गेम्स के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है। टीम लगातार तीसरे ओलिंपिक गेम्स में हिस्सा नहीं ले सकेगी। टीम ने आखिरी ओलिंपिक गेम्स 2012 में लंदन में खेला था।

पाकिस्तानी टीम को ओमान में जारी एफआईएच ओलिंपिक क्वालिफायर में न्यूजीलैंड ने 3-2 से हराया। इससे पहले, टीम को सेमीफाइनल मुकाबले में 4-0 की हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट की टॉप-3 टीमों को ओलिंपिक गेम्स का टिकट मिला। यह पेरिस गेम्स का टिकट हासिल करने का टीम के पास आखिरी मौका था।

आखिरी 8 मिनट में 2 गोल खाए

पाकिस्तान की टीम गेम के 52वें मिनट तक 2-1 से आगे चल रही थी, लेकिन टीम ने आखिरी के 8 मिनट में दो गोल खाए और 3-2 से हार गई। मुकाबले में पाकिस्तान के महमूद अबु ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। उसके बाद 24वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल करके बढ़त को दोगुना कर दिया। इसी मिनट में न्यूजीलैंड ब्वॉइड स्क्वॉट ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और स्कोर 2-1 कर दिया।

हाफ टाइम के बाद मैच के तीसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं आया, लेकिन आखिरी 15 मिनट के खेल में न्यूजीलैंड ने जबर्दस्त वापसी की। 52वें मिनट में इंग्लिश ह्यूगो ने फील्ड गोलकर न्यूजीलैंड को 2-2 की बराबरी पर ला दिया। फिर 58वें मिनट में ब्वॉइड स्क्वॉट ने विजयी गोल दागा।

लंदन ओलिंपिक में 7वें नंबर पर रही थी टीम

पाकिस्तान की टीम लंदन ओलिंपिक गेम्स में 7वें नंबर पर रही थी। टीम ने लंदन में ही आखिरी ओलिंपिक गेम्स खेला था। उससे पहले टीम बीजिंग ओलिंपिक में 8वें नंबर पर रही थी। पाकिस्तानी टीम ने ओलिंपिक गेम्स में 8 मेडल जीते हैं। इनमें 1960, 1968 और 1984 ओलिंपिक गेम्स के गोल्ड मेडल शामिल हैं।

पूर्व खिलाड़ी बोले- आर्थिक संकट से गुजर रही है पीएचएफ

1994 की वर्ल्ड चैंपियन और चैंपियंस ट्रॉफी विनर टीम के सदस्य वसीम फिरोज ने कहा कि आप टीम से क्या उम्मीद कर सकते हो, जब टीम ने क्वालिफायर से पहले महज 18 दिन की ट्रेनिंग की हो। जबकि दूसरी टीमें 3-3 महीने की ट्रेनिंग करके आ रही हैं।

पाकिस्तान हॉकी आर्थिक संकट के कारण उदासीन है, क्योंकि न तो खिलाड़ी और कोचों को अलाउंस दिया जा रहा है और न ही कॉन्ट्रैक्ट और सैलरी। आर्थिक संकटों के कारण पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन इंटरनेशनल इवेंट से अपना नाम वापस लेने के लिए मजबूर है। दो महीने पहले फेडरेशन के अध्यक्ष खालिद सज्जाद खोखर हटा दिए गए हैं।

हैरी ब्रूक भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे

निजी कारणों से वापस इंग्लैंड लौटेंगे; 25 से खेला जाएगा पहला टेस्ट

नई दिल्ली, 21 जनवरी (एजेंसियां)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रुक भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे। ब्रुक निजी कारणों की वजह से इंग्लैंड वापस लौट रहे हैं और वह टेस्ट सीरीज खेलने के लिए भारत दोबारा नहीं आएंगे। इंग्लैंड क्रिकेट ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी।

ईसीबी ने हैरी ब्रुक के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया है। डैन लॉरेंस को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में खेला जाएगा।

ईसीबी ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया, हैरी ब्रुक इंग्लैंड लौट रहे हैं। वह व्यक्तिगत कारणों से टीम इंडिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं।

एशिया की पिचों पर ब्रूक का औसत 40 से ज्यादा का

एशिया की पिचों पर जो रूट और हैरी ब्रूक ही इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर में 40 से ज्यादा की औसत से रन बना सके हैं। रूट ने 49.23 और ब्रूक ने 93.60 की औसत से रन बनाए। ब्रूक ने सारे टेस्ट पाकिस्तान में ही खेले, जहां बैटर्स को मददगार पिचें ही थीं।

भारत में 12 साल से सीरीज नहीं जीता इंग्लैंड

इंग्लैंड ने भारत में आखिरी टेस्ट सीरीज 2012 में जीती थी। तब एलेस्टेयर कुक की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम करीब 15 दिन पहले भारत पहुंच गई थी। तब से टीम ने भारत में 2 टेस्ट सीरीज खेली, लेकिन एक में भी टीम को जीत नहीं मिली। टीम अपने घरेलू मैदान पर भी पिछली सीरीज जीत नहीं सकी, तब 5 टेस्ट की सीरीज भारत ने 2-2 से ड्रॉ कराई थी।

आईएलटी 20 डबल हेडर- अबूधाबी नाइट राइडर्स जीता

डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से हराया;अबू दूसरे मुकाबले में एमआई एमिरेट्स को मिली जीत

अबू धाबी, 21 जनवरी (एजेंसियां)। आईएलटी 20 में रविवार को लीग सीजन का पहला डबल हेडर मैच खेला गया। पहले मैच में आंद्रिस गौस ने 95 रन की पारी की बदौलत अबू धाबी नाइट राइडर्स ने डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से हराया। राइडर्स के बॉलर अली खान ने 3 विकेट लिए।

दुबई में राइडर्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग चुनी। वाइपर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 164 रन बनाए। नाइट राइडर्स ने 17.4 ओवर में ही 4 विकेट खो कर टारगेट चेज कर लिया।

वहीं, रविवार के दूसरे मुकाबले में एमआई एमिरेट्स ने गल्फ जायंट्स को 18 रन से हराया। जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग की। अबू धाबी में MI ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 179 रन बनाए। जवाब में गल्फ जायंट्स 9 विकेट पर 161 रन ही बना सका।

एमआई के कप्तान निकोलस पूरन ने 51 रन और टिम डेविड ने 15 बॉल में 41 रन की पारी खेली। वहीं, फजलहक फारूखी ने 4 विकेट लिए। वाइपर्स की ओर से बल्लेबाजी की शुरुआत कप्तान कोलिन मुनरो और एलेक्स हेल्स ने की। मुनरो 22 रन और हेल्स 11 रन बना सके। डेन लॉरेंस भी 19 रन ही बना सके। यहां से एडम होस और वनिंदु हसरंगा ने पारी संभाली और 57 रन की साझेदारी की। हसरंगा 24 रन बना कर आउट हुए।

शेन रदरफोर्ड खाता नहीं खोल सके और 0 रन पर आउट हुए। एक छोर पर टिके एडम होस अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 30 बॉल में 45 रन बना कर आउट हो गए।

बास डे लीडे 14 रन, मोहम्मद आमिलर 4 रन बना कर आउट हुए। वहीं रोहन मुस्तफा 13 रन और तनिश सुरी 5 रन बना कर नाबाद रहे।

राइडर्स की ओर से अली खान को 3 विकेट मिले। वहीं, सुनील नरेन को 2 विकेट हासिल हुए। जोश लिटिल, इमाद वसीम और डेविड विली को 1-1 विकेट मिला।

नाइट राइडर्स के गौस ने पारी संभाली और मैच फिनिश किया

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नाइट राइडर्स की ओर से आलिशान शराफु और आंद्रिस गौस पारी की शुरुआत करने उतरेष। आलिशान 1 रन बना कर आउट हुए। वहीं, गौस दूसरे छोर पर टिके रहे।

माइकल पेपर 36 रन, सैम हेन 1 रन, लौरी इवांस 21 रन ही बना सके। गौस ने दूसरे छोर ने पारी को संभाले रखा और 95 रन की पारी खेली और नाबाद रहते मैच जिता दिया। उनके साथ इमाद वसीम 4 रन बना कर नाबाद रहे।

वाइपर्स की ओर से टाइमल मिल्स को 2 विकेट मिले। वहीं, डेन लॉरेंस और शेल्डन कॉटरेल को 1-1 विकेट मिला।

एमआई की ओर से मोहम्मद वसीम और विल समीद ने पारी की शुरुआत की। वसीम 19 और समीर 1 रन बनाकर आउट हुए। आंद्रे फ्लेचर ने 28 रन की पारी खेली। इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन क्रीज पर आए और अंबाती रायडू ने उनका साथ दिया। रायडू 25 रन बनाकर आउट हुए, वहीं कप्तान ने 28 बॉल में 51 रन की पारी खेली।

आखिर में टीम डेविड ने इनिंग्स को मजबूत किया और 15 बॉल में 5 छक्के और 2 चौकों की मदद से 41 रन बना कर नाबाद रहे। ड्वेन ब्रावो उनके साथ एक रन बनाकर क्रीज पर थे। जायंट्स की ओर से क्रिस जॉर्डन को दो विकेट मिले। वहीं मुजीबुर रहमान जेमी ओवरटन और डोमिनिक ड्रैक्स को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

जायंट्स की ओर से जैमी स्मिथ और कप्तान जेम्स विंस ने पारी की शुरुआत की। स्मिथ 17 रन बनाकर आउट हुए वहीं कप्तान विनस दूसरे छत पर टिके रहे।

जॉर्डन कॉक्स पहली ही बॉल पर आउट हो गए और उस्मान खान 22 रन बनाए। जेमी ओवरटन ने 18 बॉल पर 41 रन की पारी खेली और उनके साथ कप्तान विंस ने 43 बॉल में 52 रन बनाए।

ओवरटन के आउट होने के बाद टीम की पारी बिखर गई। शिमरोन हेटमायर 15 रन करीम जनत एक रन और क्रिस जॉर्डन 0 रन बनाकर आउट हुए। मुजीब उर रहमान दो ही रन बना सके।

ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में फ्रेजर-मैगर्क को मौका

29 बॉल में लगा चुके हैं शतक, मैक्सवेल को आराम; स्टीव स्मिथ करेंगे कप्तानी

खेल डेस्क, 21 जनवरी (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने 2 अनकैप्ड प्लेयर्स को मौका दिया है। इनमें 21 साल के विस्फोटक बैटर जैक फ्रेजर मैगर्क और 25 साल के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट शामिल हैं।

सीरीज से ग्लेन मैक्सवेल को आराम दिया गया, वहीं बार्टलेट जाय रिचर्डसन की जगह टीम में शामिल हुए। रिचर्डसन इंजरी के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं।

वनडे स्क्वॉड की अनाउंसमेंट पहले ही हो गई थी, फिलहाल 2 नए प्लेयर्स को जोड़ा गया। 3 वनडे की सीरीज 2 फरवरी से शुरू होगी, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी स्टीव स्मिथ करेंगे। पैट कमिंस को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है।

फ्रेजर मैगर्क को इस समय ऑस्ट्रेलिया का बेस्ट युवा खिलाड़ी माना जा रहा है। उन्होंने देश के घरेलू वनडे टूर्नामेंट मार्श कप में महज 29 बॉल पर सेंचुरी लगा दी थी। जो लिस्ट-ए और टी-20 क्रिकेट में रिकॉर्ड है। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने आईपीएल में बेंगलुरु से खेलते हुए 30 बॉल पर सेंचुरी लगाई थी।

फ्रेजर मैगर्क ने साउथ ऑस्ट्रेलिया से खेलते हुए शतक लगाया था। वह पहले विक्टोरिया से खेलते थे, लेकिन करियर आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने टीम बदली। उन्होंने फर्स्ट क्लास करियर का पहला शतक भी विक्टोरिया के खिलाफ ही लगाया।

मैक्सवेल को वर्ल्ड कप के कारण आराम

फ्रेजर मैगर्क को वनडे स्क्वॉड में ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया गया। जिन्हें सीरीज से रेस्ट दिया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप और टी-20 सीरीज से पहले वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए मैक्सवेल को आराम दिया गया है। कंगारू टीम फरवरी में वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज भी खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के फ्रेंचाइजी टी-20 टूर्नामेंट बिग बैश लीग में फ्रेजर मैगर्क और जेवियर बार्टलेट दोनों ने ही शानदार प्रदर्शन किया। मैगर्क मेलबर्न रेनेगेड्स से खेलते हुए इस सीजन 158.64 के स्ट्राइक रेट से 257 रन बना चुक हैं। शनिवार को ही उन्होंने UAE में दुबई कैपिटल्स से खेलते हुए महज 25 बॉल पर 54 रन बना दिए थे।

दूसरी ओर, बार्टलेट ब्रिसबेन हीट से खेलते हैं और बिग बैश लीग में सीजन के टॉप विकेट टेकर हैं। उनकी टीम आज एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ टूर्नामेंट का चैलेंजर मुकाबला खेलेगी। जिसे जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी।

बार्टलेट को राइट आर्म पेसर जाय रिचर्डसन की जगह स्क्वॉड में शामिल किया गया। रिचर्डसन बिग बैश में पर्थ स्कॉर्चर्स से खेलते हुए इंजर्ड हो गए थे। बार्टलेट पावरप्ले और डेथ ओवर्स में विकेट ले रहे हैं, इसलिए उन्हें स्क्वॉड में मौका मिला।

बिग बैश में इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मैट शॉर्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में ओपनिंग करेंगे। वह डेविड वॉर्नर की जगह लेंगे, जिन्होंने इसी महीने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे और टेस्ट से रिटायरमेंट लिया। शॉर्ट के साथ ट्रैविस हेड ओपन करेंगे। पहले वनडे में लांस मॉरिस डेब्यू कर सकते हैं, वहीं आरोन हार्डी मार्कस स्टोयनिस की जगह प्लेइंग-11 में शामिल किए जाएंगे।

शिकायतों का समाधान एक सप्ताह के भीतर किया जाना चाहिए : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान जनता से प्राप्त शिकायतों का समाधान एक सप्ताह के भीतर किया जाना चाहिए।

विजयलक्ष्मी ने उप-महापौर श्रीलता शोभन रेड्डी के साथ सोमवार को यहां जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में लोगों से आवेदन प्राप्त किए। इस अवसर पर बोलते हुए, मेयर ने कहा कि लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए, जीएचएमसी सीमा के सभी जोनल और सर्कल कार्यालयों में प्रत्येक सोमवार को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1 बजे तक प्रजावाणी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को लोगों से प्राप्त शिकायतों का समाधान कर हर शनिवार को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन पर रसीद देने तथा प्राप्त प्रत्येक आवेदन का एक सप्ताह के अंदर निराकरण करने का भी निर्देश दिया गया। विजयलक्ष्मी ने कहा, अधिकारियों को याचिकाकर्ता को लिखित रूप में सूचित करना चाहिए कि ऐसे आवेदन का समाधान कितने दिनों में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी डबल बेडरूम योजना के लाभार्थियों को फोन कर रहे हैं। उन्हें गूगल पे और फोन पे के माध्यम से पैसे का भुगतान करने के लिए कह रहे हैं, जीएचएमसी महापौर ने लाभार्थियों से उनकी बातों पर विश्वास न करने और पैसे भेजकर धोखा न खाने का आग्रह किया।

भद्राद्रि में निकाली गई श्री राम रथ यात्रा

भद्राचलम, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को अयोध्या मंदिर में श्री राम की मूर्ति की चल रही स्थापना के मद्देनजर, तेलंगाना राज्य के भद्राचलम में प्रसिद्ध श्री राम मंदिर में विशेष पूजा और समारोह का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारियों ने इष्टदेव के कमल चरणों में सुनहरे फूल रखकर उनकी पूजा-अर्चना की। उन्होंने वेद मंत्रों के जाप, हरिदासों के कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच श्री राम रथम में इष्टदेवताओं की मूर्तियों के साथ मंदिर शहर में रथ यात्रा भी निकाली। भगवा झंडे थामे, भक्तों के जय श्री राम के नारे शहर में गूज रहे थे।

'सट्टा सट्टेबाजी' गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भवानीनगर पुलिस ने कथित तौर पर 'सट्टा सट्टेबाजी' का आयोजन करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया और रुपये जब्त किए। उनके पास से 35 हजार नकद मिले। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने तल्लाबकट्टा भवानीनगर निवासी सैयद जिलानी (47) और मोहम्मद उस्मान (41) को पकड़ा और पाया कि वे व्हाट्सएप के माध्यम से गेम का आयोजन कर रहे थे।

विदेश दौरे के बाद सीएम रेवंत हैदराबाद लौटे

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने पहले विदेश दौरे के सफल समापन के बाद सोमवार सुबह हैदराबाद पहुंचे। शहर के शमशाबाद हवाई अड्डे पर राज्य सरकार के सलाहकार (प्रोटोकॉल और जनसंपर्क) हरकारा वेणुगोपाल राव ने मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया।

रेवंत रेड्डी ने आईटी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू और कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भाग लिया और बाद में 56 किलोमीटर लंबे मुसी रिवर फ्रंट के विकास पर चर्चा के लिए लंदन और दुबई शहरों का दौरा किया। राज्य सरकार ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की दावोस यात्रा बेहद सफल रही और तेलंगाना ने डब्लूईएफ की वार्षिक बैठक के दौरान 40,232 करोड़ रुपये के नए निवेश सौदों पर हस्ताक्षर करने का रिकॉर्ड बनाया।

सीपीआई की भूमाता समिति ने सीसीएलए को प्रतिनिधित्व सौंपा

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य चाडा वेंकटरेड्डी और सीपीआई राष्ट्रीय समिति के सदस्यों ने तेलंगाना सीसीएलए कार्यालय में भूमाता समिति से मुलाकात की और भूमाता समिति और पिछली सरकार के धरणी पोर्टल की कमियों के बारे में सुझाव दिए। इस अवसर पर उन्होंने समिति के सदस्यों को एक ज्ञापन सौंपा। अपने अभ्यावेदन में उन्होंने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि नई सरकार और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने धरणी पोर्टल में कमियों को दूर करने के लिए तुरंत एक विशेष समिति का गठन किया। हालांकि पिछली सरकार ने वर्ष 2020 में यह कहकर धरणी पोर्टल लॉन्च किया था कि राजस्व सेवाएं पारदर्शी होनी चाहिए, लेकिन मुद्दों का समाधान नहीं हुआ। जब यह लागू हुआ तो लाखों एकड़ जमीन विवादों की ओर धकेल दी गई। हालांकि पूरे राज्य में ज़मीन लगभग तीन करोड़ एकड़ है, लेकिन यह धरणी रिकॉर्ड में पूरी तरह से दर्ज नहीं है। तेलंगाना में भूमि सर्वेक्षण 90 साल पहले किया गया था। पिछले शासकों ने समाधान की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया, भले ही तब तय की गई सीमाओं में कुछ कमियां थीं। इसलिए, धरणी पोर्टल में वन, सरकार, देवस्वओम, वक्फ बोर्ड और भूदान भूमि को अलग किया जा रहा है। पिछली सरकार ने भूमि सर्वेक्षण कराने की घोषणा की थी, लेकिन दो साल हो गए, लेकिन यह पूरा नहीं हुआ। हमें उम्मीद है कि वर्तमान सरकार लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान खोजने और गरीब और मध्यम वर्ग के किसानों की कठिनाइयों को दूर करने के लिए तुरंत एक व्यापक भूमि सर्वेक्षण करेगी। नेताओं ने यह भी कहा कि धरणी पोर्टल के साथ रिकॉर्ड शुद्धिकरण ने कई तरह के विवादों को जन्म दिया है और कहा कि रिकॉर्ड बदलने के नाम पर अनियमितताओं के कारण कई किसानों ने आत्महत्या कर ली है। धरणी पोर्टल के नाम पर राजस्व रिकॉर्ड के पंजीकरण में कई बदलाव किए गए हैं। इसके तहत अब किसान के नाम पर हर साल पंजीकरण कराने की अवधि खत्म कर दी गई है। हम भूमाता समिति की स्थापना और राजस्व के मामले में किसानों के सामने आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के उनके प्रयासों के लिए सीएम को बधाई देते हैं। हम अनुरोध करते हैं कि भूमाता समिति के माध्यम से निम्नलिखित मुद्दों की जांच और समाधान के लिए सुझाव दिए जाने चाहिए।

बीआरएस कार्यालय ढहाया गया

यदाद्रि-भोंगीर, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस के सहयोग से राजस्व अधिकारियों ने सोमवार सुबह 2 बजे यागागिरिगुट्टा मंडल के मल्लापुरम में बीआरएस पार्टी कार्यालय को ध्वस्त कर दिया। आधी रात के बाद 100 पुलिसकर्मियों के साथ राजस्व अधिकारी बीआरएस कार्यालय पहुंचे और बुलडोजर से उसे ध्वस्त कर दिया।

इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए, बीआरएस यादगिरिगुट्टा मंडल अध्यक्ष कर्रे वेंकटैया ने कहा कि पार्टी मंडल कार्यालय का निर्माण लगभग दो साल पहले मल्लापुरम में 150 गज में किया गया था। बिना कोई नोटिस जारी किए बीआरएस कार्यालय को ध्वस्त करने के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों की उन्होंने कड़ी आलोचना की।उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के कुछ अधिकारी सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने बीआरएस कार्यालय के विध्वंस में अलेयर विधायक बीरला इलैया (कांग्रेस) की भूमिका पर भी संदेह जताया है।

यूरोपीय संघ के राजदूत ने आईआईआईटी हैदराबाद की स्मार्ट सिटी लिविंग लैब का दौरा किया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फ़िन, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों के साथ (पियरिक फ़िलोन-आशिदा, प्रथम परामर्शदाता, अनुसंधान और नवाचार अनुभाग के प्रमुख, भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल और सारा) जेनारो, व्यापार और आर्थिक मामलों के परामर्शदाता, भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में आईआईआईटी हैदराबाद की स्मार्ट सिटी लिविंग लैब का दौरा किया। एमईआईटीवाई, स्मार्ट सिटी मिशन और तेलंगाना सरकार के समर्थन से स्थापित, आईआईटीएच की स्मार्ट सिटी लिविंग लैब स्मार्ट शहरों के लिए पानी, ऊर्जा, सौर, प्रदूषण, मौसम और अधिभोग/भीड़ प्रबंधन जैसे विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करती है। यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, यूरोपीय आयोग के संचार, नेटवर्क, सामग्री और प्रौद्योगिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रथम परामर्शदाता, बेनोइट सॉवेरोचे ने कहा, जब यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुझसे पूछा कि क्या हैदराबाद में सिर्फ एक जगह है जहां वे जा सकते हैं, जो होना चाहिए, तो मैंने सिफारिश की आईआईआईटी हैदराबाद में स्मार्ट सिटी लिविंग लैब। प्रयोगशाला में विभिन्न पहलुओं के लिए सेंसर नोड्स वाला एक संदर्भ स्टैक है। 5जी, 4जी, वाईफाई, लोरावन और वाई-सन जैसे संचार प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है। कम लागत वाले सेंसर प्रदर्शित किए गए, जो पीएम2.5, पीएम10, जल स्तर और मात्रा जैसे वायु गुणवत्ता मानकों की निगरानी करते हैं। जल प्रबंधन के लिए एक रेट्रोफिट मॉडल भी समझाया गया, जिसमें जल प्रवाह की निगरानी और मूल्य भेजने के लिए एनालॉग मीटर पर एक छोटी टोपी शामिल है। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में सवाल उठाए और इसके सामाजिक महत्व पर जोर दिया। बैठक में स्टार्टअप्स और नए विचारों के प्रति आईआईआईटी के खुलेपन पर चर्चा हुई, जिसमें जल निगरानी पर केंद्रित हाइड्रोवर्स नामक स्टार्टअप पर प्रकाश डाला गया। डॉ. आफताब हुसैन ने वाई-सन तकनीक, मेश टोपोलॉजी के उपयोग और इसकी तुलना लोरावन से करने पर चर्चा की। वाई-एसयूएन की स्केलेबिलिटी और सेल्फ-हीलिंग नेटवर्क सुविधाओं पर प्रकाश डाला गया, जो विशेष रूप से

पूर्व मंत्री ने श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पूजा कार्यक्रमों में भाग लिया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सनत नगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में आयोजित पूजा कार्यक्रमों में भाग लिया। तलसानी श्रीनिवास यादव ने संबंधित क्षेत्रों में सीताराम की पूजा-अर्चना कर दान कार्यक्रम की शुरुआत की। अमीरपेट डिवीजन के कुम्मारी बस्ती में तहसीलदार कार्यालय में हनुमान मंदिर के नवनिर्मित शेड का उद्घाटन करने के बाद, विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने स्वामीवरों की पूजा की। इस कार्यक्रम में बीआरएस नेता संतोष, बेटी नरसिम्हा, कर्णकर रेड्डी, गुलाब सिंह, सुमित सिंह, ललिता, गोपीलाल चौहान और अन्य ने भाग लिया। सनत नगर मंडल के सुभाष नगर, तुलसी नगर एवं उदय नगर में आयोजित पूजा कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी तरह अशोक कॉलोनी स्थित हनुमान मंदिर में भी मंदिर के विद्वानों ने विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद दिया और तीर्थप्रसाद सौंपा। प्रबंधकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में नगरसेवक कोलानु लक्ष्मी बाल रेड्डी, बीआरएस डिवीजन अध्यक्ष कोलानु बाल रेड्डी, महासचिव शेखर, नेता सराफ संतोष, राजेश, श्रीनिवास रेड्डी, लक्ष्मण पटेल और अन्य ने भाग लिया।

सिंगरेनी कोयला खदान दुर्घटना में एक मजदूर घायल

पेद्दापल्ली, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, गोदावरीखानी, रामागुंडम-I, 2ए इनलाइन कोयला खदान में हुई एक दुर्घटना में एक कोयला खदान कर्मचारी सैमी रेड्डी घायल हो गए।यह घटना तब हुई जब खनन सरदार सम्मी रेड्डी सुबह की पाली में भूमिगत कोयला खदान के दूसरे सीम में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे। अन्य श्रमिकों ने खदान अधिकारियों को सतर्क किया, जिन्होंने सैमी रेड्डी को गोदावरीखानी सिंगरेनी क्षेत्र के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया, जहां घायल खनिक का इलाज चल रहा है।

दिए गए वादे तब तक नहीं छोड़े जाएंगे जब तक उन्हें लागू नहीं किया जाता : केटीआर

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा कि कई समूह पहले ही कांग्रेस पार्टी से दूर जा चुके हैं। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगामी संसदीय चुनाव में इस स्थिति को अनुकूल रूप से बदलने का आह्वान किया गया है। केटीआर ने नलगोंडा लोकसभा चुनाव क्षेत्र की तैयारी बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया। केटीआर ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता नायक हैं। यह उनकी वजह से वर्षों से मजबूत है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि पार्टी और सरकार के बीच तालमेल की कमी के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। फरवरी के पहले सप्ताह से विधानसभा क्षेत्रों की समीक्षा शुरू होगी। हमने अभी पूरी तरह से बात करना भी शुरू नहीं किया है। केटीआर ने कहा कि कांग्रेस को सत्ता में आने की उम्मीद नही थी। इसलिए उन्होंने कई आश्वासन दे डाले जिससे मतदाता प्रभावित होकर सत्ता पर कब्जा दे दिया। सत्ता में आने के बाद सरकार इन्हें लागू करने से बच रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक इसे लागू नहीं किया जाता तब तक बीआरएस संघर्ष करती रहेगी।

सिकंदराबाद में सैनिक स्कूल

हैदराबाद 22जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार का इरादा सिकंदराबाद छावनी में सैनिक स्कूल स्थापित करने का है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी वहां स्कूल स्थापित करने में रुचि दिखा रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कुछ दिन पहले केंद्रीय रक्षा मंत्री के साथ मिलकर एक ज्ञापन भी सौंपा था। बताया जाता है कि मंत्री ने प्रस्ताव दिया है कि सैनिक स्कूल को मंजूरी देने के साथ ही स्कूल के लिए जरूरी 50 एकड़ जमीन आवंटित की जाये और उसके बदले रक्षा विभाग को कहीं और जमीन दी जाएगी। चूंकि केंद्र भी इच्छुक है इसलिए सरकार की मुख्य सचिव शांतिकुमारी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से चर्चा की। उम्मीद है कि स्कूल एक पूर्ण गुरुकुलम की शैली में स्थापित किया जाएगा। अधिकारी केंद्र को सौंपने के लिए प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। वरंगल को छह साल पहले सैनिक स्कूल के लिए मंजूरी दी गई थी। अधिकारियों का अनुमान है कि जगह के अलावा 100 करोड़ रुपये के बजट की जरूरत होगी। अब इसके और बढ़ने की उम्मीद है।

राम मंदिर उद्घाटन समारोह में तेलुगु फिल्मों के कई अभिनेता शामिल

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश भर से सभी उद्योगों, क्षेत्रों और जीवन के क्षेत्रों के कुछ सबसे बड़े नाम सोमवार को 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के लिए अयोध्या पहुंचे हैं। इसी तरह, दोनों तेलुगु राज्यों के अभिनेताओं, राजनेताओं और खिलाड़ियों सहित कई लोकप्रिय हस्तियों ने भी समारोह में भाग लिया और अभिषेक के दौरान 'राम लला' का आशीर्वाद लिया।

भगवान हनुमान के भक्त माने जाने वाले मेगास्टार चिरंजीवी अपनी पत्नी सुरेखा कोनिडाला और बेटे राम चरण के साथ अयोध्या में राम मंदिर पहुंचने वाले सबसे लोकप्रिय लोगों में से एक थे। चिरंजीवी के छोटे भाई, अभिनेता-राजनेता, जन सेना प्रमुख पवन कल्याण भी सोमवार को कार्यक्रम में उपस्थित थे। एक अन्य लोकप्रिय अभिनेता सुमन भी उपस्थित थे। इस समारोह में हैदराबाद की प्रमुख खेल हस्तियां भी शामिल हुईं। शटलर पुलेला गोपीचंद और साइना नेहवाल और पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान मिताली राज ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने समारोह में भाग लिया और मंदिर में अन्य मेहमानों के साथ बातचीत करते देखे गए। राम मंदिर के अभिषेक में सुपरस्टार रजनीकांत, धनुष और कंतारा अभिनेता ऋषभ शेट्टी सहित दक्षिणी फिल्म सितारे भी नजर आए।

जीएसटी के नाम पर धोखाधडी

हैदराबाद, 22जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। व्यापार के नाम पर कई लोग फर्जी बिल बनाकर सरकारी खजाने को चूना लगा रहे हैं । कुछ लोग अवैध लेनदेन करके जीएसटी की चोरी कर रहे हैं। पिछले डेढ़ माह से किए जा रहे औचक निरीक्षण में ऐसे कई मामले सामने आए हैं।

पता चला है कि सरकारी खजाने को करीब 270 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। अब तक, जीएसटी संग्रह और रिफंड पर ज्यादा जांच नहीं हुई है। पिछले महीने वाणिज्यिक कर आयुक्त का पदभार संभालने वाली श्रीदेवी ने औचक निरीक्षण के लिए विशेष टीमों का गठन किया है। मैदान में उतरते ही अनियमितताएं सामने आने लगी हैं। बताया जा रहा है कि अब तक किए गए निरीक्षणों में 50 से अधिक फर्जी व्यावसायिक प्रतिष्ठान पाए गए हैं।

हाल ही में 8 व्यापारियों ने 45.67 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड पाने के लिए वाणिज्यिक कर विभाग में बिल दाखिल किया। अधिकारियों ने इन बिलों पर व्यवसायों के पते की जांच की क्योंकि वे संदिग्ध थे। इन व्यापारियों ने बिलों में दिखाया है कि उन्होंने इलेक्ट्रिक बाइक के लिए आवश्यक स्पेयर पार्ट्स (आपूर्ति) खरीदे हैं और कुछ पर 18 प्रतिशत और कुछ पर 28 प्रतिशत की दर से जीएसटी का भुगतान किया है। चूंकि इलेक्ट्रिक बाइक का निर्माण और बिक्री 5 प्रतिशत जीएसटी के साथ की जाती है, इसलिए बाकी टैक्स वापस करने के लिए बिल जारी किए गए हैं। निरीक्षण से पता चला कि शिवसाई इंटरप्राइजेज ने अनियमितताएं की हैं और कर चोरी की है। मालिक को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया।

काव्या माइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर नाम की एक और कंपनी पर निरीक्षण के दौरान 18.55 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का आरोप है। उन्होंने कहा कि अवैध कार्य करने वालों को गिरफ्तार करने के साथ ही उनके खिलाफ आपराधिक कार्यवाही भी की जा रही है। बिगलीप टेक्नोलॉजीज सॉल्यूशंस मानव संसाधनों की आपूर्ति के व्यवसाय में है। अधिकारियों ने पाया है कि इस कंपनी का सालाना टर्नओवर 185 करोड़ रुपये तक है। लेकिन 2018-23 की अवधि के दौरान, यह पाया गया कि 27.07 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की गई थी। यह कंपनी अन्य कंपनियों को फर्जी बिल भेजती है कि वे सेवाएं प्रदान करते हैं जैसे कि उन्हें कर का भुगतान किए बिना भुगतान किया गया हो। कमिश्नर श्रीदेवी ने बताया कि इससे सरकार को भारी नुकसान हुआ है क्योंकि उन सेवाओं को प्राप्त करने वाली कंपनियों ने भी कर का भुगतान नहीं किया है। कुछ लोग बिना सामान खरीदे या बेचे फर्जी बिल बनाकर जीएसटी रिफंड प्राप्त कर धोखाधड़ी कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर बंगाल कोल्ड रोलर्स प्राइवेट लिमिटेड ने बिना सामान खरीदे या बेचे फर्जी बिल बनाए हैं, यह वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों के निरीक्षण में पाया गया है। सिकंदराबाद के मेट्टुगुडा इलाके में एक शख्स ने झुग्गी बस्ती में एक छोटा सा घर किराए पर लिया। इससे पहले उन्होंने अपनी बिजनेस कंपनी का बोर्ड नियुक्त किया था, जो घर का उपयोग करता है वह मालिक है। सिर्फ बोर्ड लगाने के लिए वह मालिक को प्रति माह 5 हजार रुपये का भुगतान कर रहा है।

उन्होंने उस घर के नाम पर बिजली बिल के साथ जीएसटी भुगतान के लिए वाणिज्यिक कर विभाग में पंजीकरण कराया। उसने ऐसे बिल बनाये जैसे कि करोड़ रुपये का व्यापार कर रहा हो। हाल ही में उस घर के पते पर 3 करोड़ रुपये की केबल महाराष्ट्र भेजने और बिल के साथ 36 लाख रुपये का जीएसटी भरने और जीएसटी रिफंड मांगने पर संदेह हुआ और अधिकारियों ने जांच की तो पता चला कि सब कुछ फर्जी था।

मतदाता सूची में गडबडियां मिलीं

विकाराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के तांडूर निर्वाचन क्षेत्र की सबसे बड़ी आबादी वाले करणकोटा पंचायत की मतदाता सूची में कई गलतियाँ पाई गई हैं। हाल ही में जारी इस सूची में मतदान केंद्र संख्या 76 पर सौ से अधिक मतदाताओं के पिता का नाम सिर्रा हनुमान है। एमपीटीसी सदस्य राजकुमार, कांग्रेस नेता जरनप्पा और अन्य ने कहा कि उन्होंने इसे ठीक करने के लिए तांडूर तहसीलदार के कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया कि वर्कर्स कॉलोनी और आचार्य जयशंकर कॉलोनी में कई लोगों के वोट कट गये हैं। वे गांव में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर घर-घर जाकर मतदाता सूची की गलतियों को सुधारना चाहते हैं।

हैदराबाद में कैंसर स्क्रीनिंग बस शुरू

हैदराबाद, 22जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कैंसर का शीघ्र पता लगाने को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, बसवतारकम इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ने एक विशेष कैंसर स्क्रीनिंग बस का अनावरण किया। बस डिजिटल एक्स-रे, मैमोग्राफी और अल्ट्रा-साउंड मशीनों सहित अत्याधुनिक तकनीक से लैस है।आवश्यक परीक्षण करने की क्षमता के साथ-साथ इन उन्नत सुविधाओं का उद्देश्य प्रारंभिक चरण में कैंसर के लक्षणों की पहचान करना है। इसके अतिरिक्त, बस को स्क्रीनिंग से गुजरने वाले व्यक्तियों को तत्काल परिणाम प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विशेष रूप से, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के हिस्से के रूप में 1.5 करोड़ रुपये का योगदान देकर इस पहल को वास्तविकता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

था।उद्घाटन समारोह में एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार और नंदमुरी बालकृष्ण उपस्थित थे। यह आयोजन सक्रिय स्क्रीनिंग के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर कैंसर से निपटने के अस्पताल के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। समारोह के दौरान, बालकृष्ण ने कहा कि अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल की नई मोबाइल स्क्रीनिंग बस भारत में प्रचलित चुनौतियों का जवाब है, जहां लोग अक्सर डर, शर्म, अज्ञानता और जागरूकता की कमी के कारण परीक्षण से बचते हैं।

एसीबी ने आबकारी निरीक्षक को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 22 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को, जडचेरला के निषेध एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक, रत्नावथ बालोजी को रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा गया, जब उन्होंने पोथुलमाडुगु के ताड़ी व्यवसायी, शिकायतकर्ता रेकाला तिरुपतैया गौड़ से 65 हजार रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की। महबूबनगर जिले के भूतपुर मंडल के गांव के "शिकायतकर्ता और उसके बेटों का टीएफटी (ट्री फॉर टैपर्स) टेस्ट आयोजित करने के लिए और इसे शिकायतकर्ता से संबंधित टीएफटी लाइसेंस जारी करने के लिए उत्पाद शुल्क अधीक्षक, महबूबनगर को अग्रेषित करने के लिए आबकारी निरीक्षक ने पैसा मांगा था। इससे पहले 19 जनवरी को आरोपी ने कथित तौर पर 25,000 रुपये की मांग की थी और स्वीकार भी किया था। आरोपी के कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है। आरोपी की मेज पर रखे रेक्सीन कवर और दागी रिश्वत की रकम के संपर्क में आए जनरल रजिस्टर का रासायनिक परीक्षण में सकारात्मक परिणाम आया। अभियुक्त ने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपना कर्तव्य अनुचित और बेईमानी से निभाया। इसलिए, आरोपी रत्नावथ बालोजी, निषेध एवं उत्पाद शुल्क निरीक्षक, जडचेरलाको गिरफ्तार किया गया है औरएसपीई और एसीबी मामलों के लिए विशेष न्यायाधीश, नामपल्ली, हैदराबाद प्रथम अपर के समक्ष पेश किया गया। एसीबी अधिकारियों ने कहा कि किसी भी लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग के मामले में, जनता कानून के अनुसार कार्रवाई करने के लिए एसीबी के टोल-फ्री नंबर 1064 पर कॉल कर सकती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.